सतकवीरसाव् आपालकसाव कवीरगोसाईका
दे आसो लीषते अस्टावक्र जनकवोवाच
ज्ञानमुक्ति वैरागरव प्रीतिकैसेहोऐ सोकि
पालहोऐ माषिऐ ससैरहैनाकोऐ
नातमुक्तिजोचाहीऐ
वीषिजोवीषैवीसारी षिमादआसनोष
सत आरजना ऊरधार मूनिम
नीर अगिन अरहवान ऐनैं नहोऐसन्ती

नृनाम।। इनतेसाषी चेतनरूप।। आनमजाय
नूमुक्तिसत्रुप।। दोहा।। २ जवहीजानेसीषके
प्रगटदेहकेनाहि।। चिवीआमस्वरूपवा
निसंष।। वेधमुक्तिचीनमाहि।।२ चौपाई।।
तनववरनआश्रमतेन्यारो।। साषीसदाअसं ।१
कजारो।। इंद्रियमासनकेनहिजान।। सुषिहोय
सूतऔसीमानि।।४।। दोहा।। सुषदुषधर्मअध
मजो।। तुनाअपनेजान।। तुकरतानहीभो

गता सदामुक्तिसूख्रमाणि ५ सवकोदि
स्नाएकतु सुदामुक्तिसुषमाणि योहिवंधर
नसोंवस्तो जोहिस्वामानेयोन्त्याणि ६ मा
हाक्रोलन्याहितुनस्यौ व्याहेकारत्वाभिः
मान व्यातमन्याक्रीएजानिसो एहसुध ।
कीरपान ७ एकसुधतुसान्वन नीख्वेः
व्याभिनिसमाए तसवनवनजारिके
सुविहोईएजानि ८ मुक्तिमानेसोसुम

क्रिहै॥ वेधवधहै सोसइ्या मैसंसै नहिकः
द्र॥ जोजहेसी मतिहोइ॥ [illegible]॥ आतम
मवोमसोपिचिद्रूप॥ पुरन आ॥ क्रि एसूक्ष्मि
सरूप॥ नाकैवूभवेना आ॥ पैगयो॥ भ्रम
तैसंसारीतेभयो॥ १०॥ नीतिनीरंजनस्यो
गयुकासी॥ क्रि॥ आरहीततसासाइस्वार
पुनिचाहतसमाधिमनधरै॥ येवहीलाकेवेध
नपरै॥ अट्अचलअषैकवीचारो॥ वोधद्र
पआतमउरधारो॥ ङअभासविथातेजात

अर्थमनमैमेरोकरजानो देहमानितेकी आ
वेलास तस्मनवेधेहैमरवमास कुनीजवोः
धपडकरीगहे ताकोकाटीमुक्तिहोरहै १ उ
तोतेवीस्वभयोरहतात तोहीवीस्वरूपवी
ख्यात नीरमलवोध आपकोलहो काहेत
लहीनहोरहे २५ दोहा नीरापेक्षनीरले
पहै अतिअगाधिचिद्रूप तातस्र
वंहीनरकेत आपहीजानि अनूप २६
नीराकारनीर्मलसदा मीथ्यासरववीका (

जीन्हकोंरहउपदेसहै सोई मपोनरुपा
२ ९७ जोईपनमेईसिको अनारिवाहरि
मास तेवईपवपमैसदा पुमानंदप्रक
रा २८ [illegible]हर मीत रहोनरेख्यो जोहटमैः
अंकास नीतनीरंतरवुसएयो स रुजगः
मूतनीवास २९ ईद्रनिश्रीअ स्याव प्रथम
वीश्राम चौपाई जेसेदेह आपमेजानी
न्हीसकलवीस्वमैमानी नातेसकल

सकलजगमोही मोसेन्यारोकहूनाहीं
२० आपदेंसकलजीवोंदेहा अवमेजा:
निनीरंतरएहा कीपाकटाकतूम्हारेस्व
मी पाएप्रमातमनीजनामा २१ दोहा पे
नवूदवूदामोजजेव जलसोंन्यारानाहि
नोंहेमेसमकूहू सो वीस्वसकलमोमा
हि २२ चौपाई जवहीपटएहमलेवीवा
रे आदिअंतमभुतनोहारे लोही आ

भ्रमतसभजगको॥एकब्रह्मकारनसभजं
नेको॥२३॥जैसेंएकईखरसमैं॥गुडसक:
मीश्रीसौंथपे॥तौंहीनीजवीचारसोंब्रहो
॥केब्रहसमैकुछकहीए॥२४॥जोस्वरूपन
पहीचानैं॥सरूपजानीभैमानैं॥एहीः
जगतमानीहैतौलूं॥सभब्रह्मब्रह्मनाजा
जैलौं॥२५॥नीजप्रकाससमैंरैसभै॥मो
तैंभीन्यनकोए॥चिदप्रकासतैसकलए ९

वीसप्रकासनहोइ ॥२६॥ जोरजसरपसीपमैरूप
।जलमरीचमै नाहि त्यौंइहसकलवीस्वमै
मानो भासनहै मोमाहि ॥२७॥ जलतरंगकेच
नमैभुषन मृतकामैघटिजैसे त्यूंइहवी:
स्वलीनमोहिमै मोतेंउपजतऐसै ॥२८॥ अच
रजरूपभावहोंधरों आपआपकोंबंधनकरों
ब्रह्मादिकसभजगतवीनासी सोहौंअचः
लअजरअविनासी ॥२९॥ अचरजकथा

वहुतप्रनीकहैं॥जदीपदेहमानीहैंरहैं॥तनपवि
अस्थीतनपरेलेनहींलहैं थीरुवी आयकनो
स्वलरहे॥३०॥दोहा॥नमसकार करि आपको॥
मोसोंचतुरन अवर॥नीपटचलाचलिवोसु
मेरोहे गौरकी वौर॥२०॥दोन माहादुषमूल
को॥एहवोषदनीरधार॥एकअमलचेतनमहे
मीथ्यादौनवीकार॥३२॥वोधरूपअग्यानतें
विस्यकलपनाकीन्ह॥निजवीचारमैतनव

हेत अचल अपार नीधि ॥ पुनि अचरज मे
माहीं जीव अनेक सुभाव तें उपजी रहे मैः
टि जात ॥४५॥ टीनि श्री [illegible]
कूटौ [illegible] ॥
नैनौ जा मे आभा ॥ आवै अचल अथाह ॥
तौ सकता है नाकु जीए ॥ कुंदे धन की चाह
तौ सकता है ना कुजीए ॥ कुंदे धन की चाहे
॥ जैसे रूपा सी पमै ॥ मूठ लेत है मानि ॥ ले
आत मा जाने वी ना ॥ हेत वीषै की वानि ॥

चौपाई॥जामैंसकलवीस्यरहकोहि२॥सर
रंगजोमीननलहि२॥सोहेहीयोजानिप्रि
न॥कोहेनानहिदेहैहोईहीन॥३॥दोहा॥सू
केहैश्रीतमकथा॥वीषयामति अधिन
मूरसोतसूरनालहै॥दिनादिनहोतम
न॥४॥सकलमूश्रीतमवीठे॥श्री तमम
नमैंजोन॥ज्ञानीसोममतागहै॥रहेवडभू
चरजेमानि॥५॥जोनिमूषिश्रीयकौ॥पून

अद्वैतरहस्य ॥ वीकलकोमवासिदोष्य ॥ अ
चरजमानताहि ॥ ह ॥ चौ० ॥ श्री ॥ आदिअंतनी
स्वकीरजानै ॥ वेद्दवीनाकदुअवरनाजा
नै ॥ देहअनुसारजाएनलही ॥ होनकोमवास
अचरजमही ॥ १ ॥ नित्य अनीत्यवीवेकवी
चारे ॥ एहलोकपरलोकवीसारे ॥ पुनिअच
रजजोअंधमैपरे ॥ तनधननासहोंननेमरे
[illegible] ॥ केअंतनमनसवलटे ॥ कुंआगी

दुषमाहि।ग्यानीकै आनंदहै।सुदुषकद्वैन।
हि।४।।वीर्यादीजैसेअवरसकलद्रवजैनै।।
त्यैनीजदेहमीनकरिमानै।।अस्तीतनीद:
कोउकरै।थिरजवीषादीचननहीधरै।२०।।
दोहा।।माएकवीस्यवीलोकीकै।।मीथ्याजानि
सरीर।।जैसेंमटीतसमीपवीष।।मैमानेमहिवी
र।२१।।रोमसजेनीस्चलसदा।।तेजैमहिकौश्र
म।।तीनसमानकोकीस्यमै।।ताकोग्यानप्रकाश

वापरकोसाहतमदा [illegible] हतमुना

अहोहरखमानेनहि जोगी [illegible] २ जो

जानतहैजगत को ज्ञानम [illegible]

केवरनवलनको कारकरीसबोनीवद [illegible]

निपापग्रसेनहि ज्यानीकेमननां [illegible]

धूमज्ञकासम सरसेपरसेनाहि [illegible]

कईदागसे नूनजानतोखि [illegible]

नीसमरथमदा ईछाहेहवीसार [illegible]

पमै त्यौ जगहैसोमाहि ऐसैं ज्ञानप्रकासतै त्या
गग्रहेनलैनाहि २ हैज्यौ अचल अपारनीध
जगतरंगसोमाही ऐहिवीधी ऐसैं ज्ञानमैं त्या
गग्रहेनलैनाहि ३ सबसूतनमैंहोवसौ स
महीहैसोमाहि अबऐसेंसोमैंक हुं त्याग
ग्रहेनलैनाहि ४ इतिश्री [illegible]
[illegible] हो आगाधि अ
न्हनीधि जगनवकासोमाहि डोलनमनसाप

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नमवधामईदेजात्मसमजगतन९९॥नैमेरेक
हिकाम॥लेनदेनकोकल्पना॥१॥होतिश्रीरं
[illegible]॥ज
वचीतचिंतागतसे॥त्यागगतहनलैमानि॥कछू
वेचैसोचैकहू॥ऐहादिस्वेधनजानि॥१॥जव
चिंतचिंतानजै॥नजैसोचदुषजानि॥नकह
हूनजेनसगह॥ऐहस्त्रि[illegible]॥२॥ज
वहीमनत्र्टकेकहूं॥नवहीवेधनहोऐ॥स्व

नंमस्कमनमनमनो नाके... [illegible] मोम [illegible]
होनवहोवधहै म[illegible]तवेल्ली [illegible] कालान[illegible]
काकेमज्ञो मकलाम्[illegible]केमा [illegible]

नाकेन स्मृतकरनले [illegible]
केवनले एहतानीलिरवेवाला [illegible]
मोन २ धन्यलालक्संतजान [illegible]
हाेी मोराम्हकीमोना वे ज्ञहेहचीमार ।

जगअनित्यअसारकूंनि ॥ तीनतापदुषयांनी
नीपरत्तचितसोज्ञानजन ॥ सोतिभएएहज्ञा
नि २ ॥ कहनकालभएकरनबुधि ॥ काहाकू
दहुषनोहि ॥ नातेंदूदवीबारतजि ॥ रहेथैत
षमाहि ॥ रीषमूनिजोगीसीधअ
पार ॥ नानामतनोनाअचार ॥ समभमतजी
आतमअनरागी ॥ सोतिभयोसमसेवडम
ती ॥ पूजवनीजआपआपकोंजानें ॥ नीज

गुरुग्यानजीननें [illegible]
वीचारा [illegible] लवी [illegible]
दिकजअगिन्नाहु [illegible]
योवहेदुरु [illegible] रन्ता।
छैकीवासनी [illegible] लायवी
जिवात्माता [illegible]

[illegible]

ऋहकेम तजीतातरहजनीकें नजेमूक्त
सुधाम १ जैसेसेपातिसपनकी कहैनपई
ऐसोच पनुमीवधनसेपूरा दीनोतीनकै
पाव २ जाहेजहात्रीरमा इतहै तोहातह
दीटसंसार वीनराग्रीरस्तानजे मजेमूक्ति
सूखसार ३ त्रीरस्ताहीवेधनसूनूम
ई त्रीरस्तारहीनमू लिसूखदा जानेदेहारह
केसंगनजीए आतमरतामेप्रेमसुखमउ
४॥

रुकसधचेलमर [illegible] ष्माउटलो॰
नी काहेजानकी [illegible] स्यामोलइ
ना चौमाई धन [illegible] हेलसा
जसक्षनुरिरुल [illegible] उ
नमजनमलो [illegible] श्या
समनकोरुना सु [illegible] नो
मारडुघ मानिनाचनि [illegible] को
नेबीनाबीबेव कस [illegible]

दुषितजनमअनेककैऊनपारेसोतसुष॥८॥
ताहाभाववीकारणेसभमाआमेहोए॥नीरा
कारसुषसिंधुमेउपजेनीपवनाकोए॥१॥करत
मकरतावीस्यकेईस्वरजोभगवान॥ऐसासो
निसुषकोंभजेज्ञानीनजिअभीमान॥२॥अ
पसंपनिदेववसीएहनीस्वैउरधार॥नीरम
लमनत्रीपीतमहाएवेहासोचवीसारी॥३॥

जेनममरनक्षयदुखमभै प्रा[illegible]लिताक प[illegible]
गीईहारहत कतो[illegible]केनोहा[illegible] नोनाटारुट[illegible]
मूलहे केहनोरोहरोस्यामा। [illegible]नसां[illegible]नोनीन
जै न्नामाथईनोदन्नाय पु [illegible] [illegible]
एहनोम्हेनोरथाव [illegible] [illegible]
मकरतनोचार ॥ [illegible]
नजानत [illegible]हो[illegible]ोसलनालन्नेताँ[illegible] [illegible]
वीकेन्यसांहिममना[illegible] [illegible]

नपाऐ ७ दोहा नानाअचरजजीवसब्दहनी:
हैसीथ्याजानि नीरडुसन उर धिरौ सांति
भयोपेजानी ८ [illegible]
[illegible] अ
वरूहमोहसहीनजाई प्रथकर्म वचनमनकाए
अवमोहिचिंताकछूनही नीरवलभयो आ:
पहीमाही ९ दोहा सवदादिकसूरतेतजो आ
तमजानी अरूप लैवीदेपनहीनहे होनीरव

तविरम्य २ जीवक [illegible] हृपवै [illegible]
रहोतममाधि [illegible]
तकतकुपाथि [illegible]
नदैनकझेनोः [illegible]
तरूपमसमानौ [illegible]
जै देहमहोन [illegible]
मयो सुनि [illegible]
रमन्यासता हैजौ [illegible]

खलमयो ॥ नजिवेउ अभिमान ॥ चिंता अ
रु अचिंतता ॥ हेउ तजे सुभाउ ॥ अवनहोन १
खलमयो ॥ अति अचिंतपदपाइ ७ ॥ मयोक
रतारथ सहजही ॥ धनीजीनाहइइ चार ॥ उन
कीमहीकोकहै ॥ जीनकोइहसुमार ॥ [illegible]
श्री [illegible]
[illegible] ॥ अचलभयोसमसेगमै ॥ अवदुर्लभक
छुनाहि ॥ त्यागग्रहेननजि होभयो ॥ मगनमः

लागुथगाहे १ चौपाई वारम [illegible] लोकरमहो।धा
ने है जो देह श्री गाल नोले [illegible] उदो महरोह
रहो माहा सठ बेसर [illegible] श्री [illegible] नेगलसध
केस्स कहै श्री न [illegible] श्रुन [illegible] लाग
अस्थुमे श्री गाय हकी श्रो [illegible] श्री
नाहि लोअंड हनौ गाहि [illegible] उ
नकी रहो न्हैसह गाहि
मैलहै सहे हसमेद श्रुयाद [illegible]

स्वामनकों लहो अपैसमसार।१। [illegible]
[illegible]
[illegible] वीनईचासमनक दूकरे करमी
थानीरधार नीदुत्र्या अलसदेवीरे छीनमएसे
सार१ काहामीत्रधनहै काहा काहांसातन
वीज्ञान वीषैचोरतनामूसै गलितमयो अभि
मान२ चौपाई जवज्ञानोप्रमानमरूप स्पर
साषीमूहिमरूप वेधमूहितेमएनीरास चौ

ताकेहोम्रीकेकी नारसाथा॥ तिरबी नलायक पूनाम्रि
बाहरजोहोजै सेस [illegible]
कोई नाहीलबै सो दे [illegible]
नक्नासीबठेजांसाति चतुर्दसनामाचरन [illegible]
तारस्नबोहा॥ रहतनरूपारेसनै॥ सुद्धि सौ [illegible]
मांन॥ मूढसमैजोजुनस सो॥ लवुरना मोन स्रा॥
ना॥ चौपाइ॥ बोबेसो नाचे धकत [illegible]
यातजैमूक्ति पद पावै॥ [illegible] ध्यान नै॥ ना॥

दोहा हे ऐसे की जो एतौ वकैंचतरउदीम जेते
हो हि जर्क मूक आलस तेते तत्य ज्ञान को चे
से मानै वीसैतजै मजैरहजानै ३ दोहा तेरे
हनो देहते करता भोगता नाहि चेतन साखी
आपनो लहोरहोसुषमांहि ४ रागदोषम
नतेमए सो तेरे कहि कांम ज्ञानसरूपी तोर
कारम नीवीरसुषधांम सकलमत आतम
वीचे आतमममसमैमान अहंकारममता

रहत सखी होरयो जानि ॥ जिन तेरंग जो दीख
एह ॥ जानि आपमै आपा ॥ द्वीरमूरतिसेहवीन
तजो मकलसे ताप ॥ ऐमैसेसैक हुनही ॥ नो स्वेर
होजानी ॥ ज्ञानसरूपी एकते ॥ मारवायमसव ।
न ॥ ८ ॥ देहवेकारी गुनमै ॥ तीसो आवैजाए ॥ तू
नजाए आवैकङ ॥ चीताकैरवसाए ॥ ९ ॥ देह
रहैजूगसातलए ॥ कैनासैछिनमाहि ॥ तेरेचीद
घनरूपमै ॥ हानिवृधकैनाहि ॥ १० ॥ तसमदृश्च ।

न्हेको जगतरंगतेमाहि उपजैमेटेसुभावतें
हानिलाभकछूनाहि ११ जातभीननतम
तेकछू एहजगनाहीलगार काहनजोको
केनजो नूवेतनसूखसार १२ ऐकसतेज्ञ
वैक्षमव विदाकासतेमाहि जनमकर
ननहीपाईए ज्ञाहेकारकछूनाहि १३ जो
जोतजानतकहत तेतोन्यारेनाही जोभू
षनवऊभांतीके भासतकेघनमाह १४

[illegible] रहमै होयकूं मोतें ज्ञानि। तजो तातें र
हमीथ्याजानी। नीस्वै सभै ज्ञातमा सहै। तजौ ऽ
ससैसूषीहोएरहो।१५। वोह तेरेहीऐसैज्ञानतें।
तेहीहै संसार।१६। ज्यातिमां त्रसनवीसयरह।
तेतौ कछून स्वर। तोरवीसनचेततद्रू। सकु
लवैरकोवैरा।१७। नाकहूनपोनहोएगौ। चे
रवेनउद्धि अपार। तेरवे धनसौ कहे। तकी
कीतिनोरधार।१८। यदेनकरीएचितको।

सकल्पवीश्याम तातसंकल्पतजिसूलक प्रमो

तमसूपधाम तजोतातरहधीरनो कछुनरह

तच्वेधा मूर्त्तिमरुपीश्यातमा तहीहेकोहेवी

चार २० ईतिश्री श्रसावक गुरुतत्व उपदेस

का नामपंचदसमोप्रकरन १५ दोहा तातसू

नोरेषोसमै मूतिपूरंनसमभाति तयारह

मूलेवीना कवहुनायईहेसांति १ तातकरम

करीभोगकरी मावैकरेसमाधि चीतासमूले

वीनाकेसैंमीटैउपाधि॥२॥जेतनासमदुषमूलहै॥
पैजौनततनाहींकोऐ॥ऐहजानेसोधनिहै॥जतन
तज्योसूषहोए॥३॥तनमेछीनमयहूं कर्नतै॥कीऐ
षेदअतिहोऐ॥वहेआलसीपेसषी॥तिनकेसम
नाकोऐ॥४॥एहकरीहो॥एहनोकरे॥देदुदसमता
री॥ अर्थधर्मसमकामना॥मोक्षदेहवीसारी॥५॥
वैरागीवीषतातजे॥रागीअतिआधीन॥तूराग
वीरकततनहो॥वंधनमूरखीवीहीन॥धीजैसोहो

होंपनिरखतिमै जौउनतिमेमोर नजिहैउवृषिज
ननकोर जैसैवालवीनोर एहकरोहोएहछाडोहे
जवलैएहवोचार जगश्रीहकोवोजहेएहेउनोर
धार ८ जौचाहतसेसारकौ रागीस्त्रतिउवजान
वीतरागकाकौनजै समसूपलोन्हैमानि ९ जौग्र
भीमानीमूक्तोकौ पुनिममतामनमाहि वेज्ञान १
जोगीकहा सकसपनैहोनाहि १० ब्रेह्मासेकरस्र
हिदै जौउपदेसकौ तोहोसममूलेवीना नाहीसो

निसूषहोए॥११॥ इतिश्री अस्टावक्र॥ सिषउपदेस॥
गुरसौ... संमोहसो प्रकरनं॥१॥ दोहा॥ जीन्हलैपायो
ग्यानको॥ लहै योगकोसार॥ एकाएकौ वीचारतस
दा॥ समनजी ईइत वीकार॥१॥ कहो नातहुषको गने
जेग्यानी मतीधीर॥ जौन एहजानै आयुमै॥ समज्ञस
ढुई सरीर॥२॥ आसनजीय लोककी भोगनसुनही
प्रीति॥ मगनसदा सुषसौ धुमै॥ दुरलभजीनकीर 7
ति॥३॥ चौपाई॥ जेश्रुतिप्रमान सुषलहै॥ तेकौवी

येभागकोंकहै जोहलोकेहजीवनपाई नीरपानके
नोकटनजाई ८ दोहा कोउचाहतमूक्तिको कोउमू
क्ति सरीर भोगमूक्तिदोउतजै नेवीरल्हेमतिधीर ५
चाहनमरनजीवनमें तजैपदारथचारि नाकह
तजैनसंग्रह लेवीरल्हेससार ६ त्यागमनजाकेहों:
तै मीटेनहीकहूहानि धनीतातनेसंतजन सू
खिरहैपहजान ७ गलीतभयोमनज्ञानमें गली
तवृधिवीलास देखनसूननसूभावनें सूखिरहैत

जिश्रासा चीनईस्टजागेमई ईदेतजीहिवेका
र नकद्दगहेननजीसके चीननयोसंसार ऐन
हीजागेसोवेनही यछेनमीचै नैन शेनीकी श्रर
रूदनतदेसा कहैनसकैमनचेन १० समहीनस्व
नदेषीर समहीनेरमलचीन समहीहेनीवास
ना शेनीसमकेमीत ११ रहेगहे वोलेचलै देषै
सोसधीर नहीकद्दचाहेतजे ग्यानीश्रतिगं
भीर१२ श्रमृतनीरासमतजे हरषसोककद्द

नाहि मुक्ति माहा सूषमेरहै तेनदेनकेमाह १३ को
मीतीसूदरीनारीलषि स्तत्यदोषिनेनाहि ज्ञानीको
मवीसारतजी रहै अचलसूषमाहि १४ सूषदुषसे
पतिवीपतिलषि सञमीवकहूनाहि ग्यानीगून
औगूनतजे समदरसीसनमाहि १५ नाहिहीमान
हीहीनता नहीकरनासूवीकार अचरजेकहूनाः
मूढता हीनमनएसंसार १६ सोषवीषेसूवनाकरे
लोलपताहेनाहि सदाअसंगीएकरस मुक्तिम

हासबमाही।१७।समाधानसायनरहत।तजीआ
निहितअहितभाव।कौकछुज्ञाननसुनतचीत।जो
वीदेहअभिमानराव।१८।चौपाई।मैमेरीकरिकछुनजा
नै।कल्पतवीषयसतनमानै।आसागलतसबआ
तममाही।समकछुकरतकरतकछुनाही।१९।
दोहा।मनप्रकासनमूढता।समनसूषोपतिनाहि
कछुमनकीआचरजदीसा।गलीनभयोताम
हि।२०।इतीश्रीअष्टावक्र

सूद्रसकरनामप्रकरन जगमर्मजीनकेवोधतै
मोटेसपनसूखिमाऐ नमस्कारसूवरूपको संत
तेजैनसर १ मोगदैनवहुभांतीके ग्रन्थनीम
तिधनधाम नहिपसमत्यागेवीना लहनस्रू
वीश्राम २ करतवीताडव आगिको जतनन
डुजाकोऐ उपसमसूवकेनीरसों सीचासीतल
होऐ ३ तेरोमाम्रोजगमयो प्रमारथकहूना
हि वीनजानेजगपगरहो कूपसाचकेमाहि

६।।नीजआतमपदमैसहौ।।नीकटदुरीकैंहुनाहि
नीरखीकारनीरलेपआजर।।नीरखीकल्पसुषमाहि।।५
नीजआतमसुषलाभनैं।।भएमोहमदनास।।वीत
रागराजीतसदा।।नीरमलह्रीस्रीप्रकास।।६।।नीतसन
तनआतमा।।जगसभकल्पतजानी।।तजीतातल
षिआपको।।बालकजैसीबानि।।७।।एकआतमाद्वे
तमै।।कलपतमायाभाव।।मेटिकंमनासभथवे
बोलनचलनसूभेव।।८।।एहमैहौंएहआव ६

मूलिगयोएहवानि॥ज्ञानीमूनीहोएहै॥सबैञ्जात
माजानि॥६॥सैवीहेयनाहीजहा॥नाकोउज्ञाननमू
ढ॥दुषसूषनहोनपाईऐ॥उपसमसूषञ्जतिगूढ॥१॰
काहाइदुपदरैकपरा॥एहतनलाभनहोनि॥ज्ञानी
केविधासमतजो॥नीहवीकल्पसूषजान॥११॥के
हिएकाहावीवेकता॥ञ्जर्थधर्मञ्जरुकाम॥दुर
तजोज्ञानीलहो॥कीञ्जारहीतवीश्राम॥१२॥ईन
कोकरनोकछुनाहि॥नाकछुहोईऐभाव॥सह

जभावसमकहूकरै॥जीवनमूलभ्रमार॥१२ जेतनेक
रेज्ञगमेटनकौं॥जेदेषनजगम्राह॥नीरवासनग्रह
कहा॥देषनंनहैनतौहि॥५३॥चौपाई॥जौंलैयारवे
हसनहीं जाने॥सोहौंवृह्मजतनकरीवोनै॥जेनीहचौ
तचींतकहूनाही॥रोगन्नीतन्हैंसपनेनवध्योहै॥५४
दोहा॥जेजानतवीदेपतै सहजैकरैसमाधि॥५५
तौउसारवीदेषवीन॥सहजैमीटैउपाधि॥५६॥वी
रवीपुजैसोकतै॥वरतैलोकाचार॥वेसमाधी

तजिकेमजो नीरमलस्यात्तिवीचार १७ नीरवास
नत्रीपनसदा भाषा भावनको तीनकोकरनीकह
नहीं सोकरीहकहोर १८ चौपाई नीरखीतिष
वोतीकरनजाने नीरक्षीमानीकीत्यासैवाने जा
हाजैसोतहातैसाभव रहै क्षेमसहपवाय १९ नी
रलेपनीरवासेनसहंद जाकोनहीमोक्ष अस्वंध
पार्वधकमनकीवात बपूकालीजोसूकेपात २०
दोहा जनहहरषनमोककहू भूलेजगतसमाज

नीर्मलमनराजतमदा॥जोवीदेहमनीराजा॥२१॥सी
तलअंतरअंतमा॥जैसेआतिगमीरा॥नाकदूत
जैनासगुहा॥आतमरमतसधीरा॥२२॥नीमलमन
राजतसदा॥कीयोअदोहरसपान॥कोरआकल
जोमूढजन॥तजीमानअपमान॥२३॥कोआहो
तसमदेहते॥नहिकछुमोमाहि॥रहनीहेजी
नकेसदा॥करैकरैकछुनाहि॥२४॥चौपाई॥वा
लकजीकीआसमलहीर॥येतीनसोन

लककोहरु जीवनमुक्तिसुषीसोमानं समारपे सोभावान २५ दोहा नानाभैभावीचारतजी रहेसांतिसुषनाहि देषनजाननसूननकी कल्पनानाहि २६ चौपाई ग्रहेभावनुषेवपमाहि सभकरेकरैकछनाहि अभिमानीजोकमनकरै करतासोई ग्रहडुषमरै २७ दोहा नजिसकल्पवीकल्पको तुरटहरटकछनाही नीरदुदिरजीतसदा मगानमूक्तिसूषमाहि २८ अचल

चित अंतमलयौ। अथवा ईतउतजाय। वीधी नौवे
धनहीतगय अतग्प। वीचरे सहज सुभाव। अरु क
रनतै। मूढ लहे सुष नाहि। ग्यानी तत्व वीचारते रहै
अैसे सुष माहि ३०। सुधि वुधि पूरन अमल। जग
परपंच ताहि नाहि। जे अति मूढ अन्यासतें। त्यौ
जानत नानाहि ३१। चीतनीरोधी कर्मतें। मूढ किन
पावै मूढ। धनतातें ग्यानतें। लहै सांति सुष प्रौढ ३२।
चौपाई। देहादीक मैं दृढ अभीमान।

मूढ़ क्षज्ञान मै सब दुख्को मूल कहयै समन तजी धीरसू
ल्है सुष पावै ३३ दोहा मूढ़ मान सुष नासहै कीएव
तनीरोध नी है न तवीचार तै धीरलहे नीजबोध ३४
ज्ञानमसुषपावरनही जोदरनक्षधीन रूपतामन
जीबीजन प्रमात्मसुषलीन ३५ काहामयोजोम
हने कीयोचीतनोरोध ज्ञानमसुष नधीतरलहे
सहजमानसुषबोध ३६ चौपाई कोउजगतभाव
नहीमानै ज्ञान क्षमारकरीकोउजानै तेवीरलेत

जिमो वामार ॥ वेस्या नेह है सुषचाव ॥३७॥ दोहा ॥
आतम अमव अदै आति ॥ केते मोह नामदात
रयवहं नाजनमैले ॥ फैसौ मोह के फेर ॥३८॥
कहत अलवन बुधिकौ ॥ चाहै मूक्ति सीध ॥ नीर
लेवजैम कैजेना ॥ जनको मन आगाध ॥३९॥ वीष
रपजगनीरबिकुं ॥ मैतैमै उदास ॥ करन लौव
मकरनकौ ॥ गुरकी दरानी वास ॥४०॥ नीरखास
नमृगराजलषी ॥ वीपैदोए स

कैसेवतनए चरनकल अंकुरलाए कीआन
जोतैमूलिजेन कछूआतमामाहि रहेनाहेन
वेघनचलन सावासघोडुमनाहि ५१ जासौच
नमरूपजव सुधिबुधि अवैअविकार आना:
चारअचारतोज लहेअपैसुवसारि ५२ आई
वनैमनकहूकरै नजैसभावसूनमाए वालक
जौइयाजातमै ताकोनीनसभाव ५३ सदास
नेवसूपलहै लहैसतेवध्यान औरवीरतीसा
ईमए

ल्हैाप्रसपद्धात ॥ ६६ ॥ नद्वद्ध्वे अगदेहि वे
यातेपादचद्वौहि देवेद्वास्त्वनत्ता देन
मई देनसाहि ॥ ६९ ॥ चौपाई उद्दव उवाच
नावे तात्रविधि जीतिसोवपोइ नौर्घ्यली २
सवाद्दे चाह्लोमिद्वल्लोनित दहै दई वैद्द
केहो केवद्वमेको केवी वद्वेमद्वत्तेमा वोल्ह
कैसवद्वलपता मद्दाल्लोनिसदवनोम ६७ कुर
धगमत्तोरद्धदेदना ॥ पत्तिदोयद्दहे

सोसमवीधिषूजीए ॥ अनहीनहीतवीसारी ४८
देषनमोनैवेदनै सोवैतल्लनहोए ॥ ज्ञानीकीः
अदभूतदसा लषैसोज्ञानीसोए ॥ ४९ करत
व्रताजगमूलहै ज्ञानीनीकटनजाए ॥ नीर
विकारसषसीधूमै सहजैरहेसमाए ॥ ५० ज
रपमूढकहनाकरै तौलेरहैउषमाहि धीर
करैहोंनाकरै अचल अरूपसुषमाहि ॥ ५१
सूषरूपीसुषमेरहै सोमरैआवैजाहि सम

ये ब्रह्मवेरसे। इधमध्ये देहनादि धर। हेतु
प्रेममनवदहसै। गजैसवनासतदिर। इतदवे
ममोनतमद्य। आसिश्चोज्ज्यौतार धे लोके है
सेवेघ्रुके मेयर्दैज्ञिसट वरतेहैके हरुमै
धेनमहेयातैयद मेद महवन सहल स्वे है
पञ्चनैवतर। धोमैतैदैवतोरिन। दवेपालैग
ग। यप वावंडसावधनावत। स्ददुवनदुवन
हि तनयश्रुत्रोमातामनै ता।वन

प६ आतममैंमीनकहूंनाहि जीनकेदोउनहि
आन बालकजोसमकहकरै तजिदोउआभी
मान प७ कोहासाधिसाधनकेहा कोहाईस्वरः
भास थिरअचलराजतसदा जोनीरमलअग
स प८ जेबोलेउनकीदसा जेसमलखीउपाधि
नीरवीकलराजतसदा जीनकेसहजसमाधि
प९ कहोकोहालेअनंतजस जीनकेतत्व
वीवेक भगतमूक्तिमैंभीननही लहोआतम |

एका।६०।नरममनतएहवीखमग्राबिनग्यानमकर-
नाहि।एहजानीसमकरहमगानजानेसबमाहि
।६१।नीर्मलचरखलनसीधुमेमनीथ्यादिसहवीकार
ममहमवीषैवैरागतानासेहैचारवीचाररहपालबी
ग्यनेनग्यानारहवनामहैवारवीवहकोहमोहि
पुनवांकोहाकेमोहरषवोबासवरनतहैबुधि
लो।मायामेसंसारवीगनकामराजनसबा। म
नीरहेकार।६५।चोपाईजानजानग्य

ग्राप स्रुसरुप ग्रगगनसेनाप ॥ बीस्यावोस्यूकह
बैजाहा ॥ ग्रहदहेमनमूलेनहो ॥ ध्रू ॥ चीननीरोधक
नज्जवतजै ॥ नत्यवोनामूठवीयेसुमौगे ॥ मनसेक
स्यबीकस्यउगाई ॥ एकफलवहोतकैजाई ॥ ६ ॥
सुननसूनतग्रातमसूपकेर ॥ तेउनमूटनातजेस
र बाहरकहेकहूनहीचहोर ॥ ग्रेतरचीयेलर
साखहिए ॥ २ ॥ दोहा ॥ दरनाकवजेकोमते ॥ कस्स
तजानिसरीर ॥ तमप्रकासतीनकेकेहा ॥ नीरवी

कारमानधीर ६९ धीरजकाहांबीवेकनाले होवे मैकाहि ग्यानीकोश्रदभूतदसा मनवचलहैना हि ७० नकेहूखारननरकहै जामनमरननाकोए श्रदभूतईश्राकीरीतहै जोकालहीहोरे ७१ सो घनकद्वंनमनेनहीवामनेहीना श्रमुनतेपूरन सदाग्यानीसीलचीत ७२ नीरंश्रह्मातकेकीए चूरलरटनहिहोस्याकीयानजानेश्रापमेसघट घतीन्हेनकोए ७३ नीहाकरेनवीखकोश्रातमा

रषनकोरहरषसोकहोतनजे मूढैंजोह्रैसोर१४
षीतिनहीसूतनारीसों नजीवीषैकोआस चीतात
जीसरीरकी सोमनसदानीरास १५ चौपाई धी
रतूरऋरस्यासाधाढ़ै प्रालवधवसजेकहूहोढ़ै
रहैसूतेजनवनमाहि वासकरैदीनऋसूतिन
हेई १६ दोवा सेहरहोचीतानही गरसोककह
नाही जगमूलवीश्रामसूष लहो आनमामा
हि १७ रमैनीरंतरसमतजै संसैकहूनाआहि

अवकनकाजमाव्रमै॥नीरमलसहजसुभाव॥७८॥
चौपाई॥जैनीर्मल आतिसोभावनो॥समकेनअमलो
हपयानो॥चिदजडग्रंथयोलिनेरधारा॥रजसततम
केमेटीवकारा॥७९॥दोहा॥अंतरबहुनयासना॥देष
वीयेसमगोन॥नीपीनमदासुषसीधुमे॥लेनसमान
कोहेकवृ॥८०॥जाननैपेजानननही॥देपतपेदेपन
हि॥बोलनतैपैबोलतनहि॥आनिआसेपदमान
हि॥८१॥कोहैराजाकोहैरेकहै॥मानससमेमप

न जीनको भ्रै साज्ञान है सो भ्रीन सोमाबान ८२
कहासे नाथ सो हंदना कैसो नन वीचार लहो भ्राप
मै भ्रापनो नीर्मल भ्रचल भ्रपार ८३ भ्रातमस
थपूरन नपो लहीस मैं ज्ञबहीन भ्रंतरथमा नं
सथको कासो कहेबपान ८४ सोरतपे सोरतन
ही सोपनसपनो नाही नीपीनधीर दीन दीनस
द जागनजाग नाहि ८५ चौपाई चीनारत
पे चीना नाहि ईद्री बीनो संभईद्री माहि बुधि

सहेजेप्रवृधिनजाकै।अहंकारयेअहंनताकै।८६
देहा।नहीसुषीनहीनदुषी।रागीवीरकतनोहि।
मोक्षवेधनतेरहतकोहि।अतीरवाच्यपदमाहि
८७।चौपाई।कीएसमाधिसमाधिनहि।मानिवीधै
पनहीमाहि।पोडसमूढनकाहूमाहै।केहूसोनी
कीसानीजानै।८८।मोक्षजथाकीक्षिसमवहहूक
रे।पैवछकोनैअनरधरे।समदरसीसमधीता
तेजे।कतेकर्मतामाहनमजै।८९।

नेहरखैनाहि कोपननीहांमाहि जम्मतेसुखनग
नेमरनेमेदुखनाहि १०जनसमूहकोनाचाहेव
नवासीहोंनाहि जाहांकाहांजोकैरहत शांती
नीजसूखमाहि ११ इति समसतकनी
म अस्तादकपरकरन १२ दोहा तेमतेपायोंज्ञा
नधन सतोवोदीनदआल अवमैईगनगुन:
केदुरकीस्तसनसात १ चौपाई अर्थधम अहंके।
मकहाँवे पूनवीवेककहोंकैसे आवे हैत:

खुदैनजालाकहलाहि हो [illegible] लोज्ञम [illegible] ही
२ कालामयोखुदै लाह [illegible] सकरेकहजाहि
नीजमहीमामेहोल्हो [illegible] हे
काहाखनालमखालमा [illegible] हुका॥
हि चीताहोनखहीला [illegible] ॥ सुसमा
हि ५ जागीनखपतलखेलाह कल दूधापल
काहो तहीहोनामेलाहि [illegible] जमाहमामाहि
६ चोपाई काहानीकाटखूनीदीवलाहे वाहरव

मीतरकरनकहावे ॥ सूक्ष्मथूलकहेनकौनाः
हि ॥ हैंनीहचलनीजमहीमामाहि १ ॥ जीवतैः
कहांमीनकहोकौन ॥ लोकस्मलोकनकोहि
रमौन ॥ लैसमाधिध्यानकासोकहो ॥ नीजमह १
मामैनीस्वरहो २ ॥ [illegible]
[illegible]
प्रालब्धकर्मकौनकहीए ॥ जीवनमुक्तिकव
नकौनलहिए ॥ कोहावीदेहकल्पवनाइए ॥

नीरवीसेवमैंकहू नयहैं [illegible] लोकोल [illegible] गः
ताकौहै चौकोरचौरजन [illegible] कोहै कालिज्ञे८
फलताकोचाल [illegible] संकेशगाव२
कोहोमहिमनीदे [illegible] जो [illegible]
कहावै वेधमहि [illegible] जोगः
मोमाहि ३ [illegible] शेठाम
आनंदपदयारे [illegible] नेहय
सीवसरथ [illegible] मोमाहि [illegible] ब्रमाजा

कोहै प्रमान प्रमै प्रमा कौंकैरैवषान किंचीन
ष्वरनयइरकौंही ष्वचलश्वमलहौंज्यैंकौ
ल्वैही ५ कोहावीहेपरंकनाकाहा सोनी
मूढनपूईरनहा हरषवीषाद्दोउनैन्यारे
ष्यौकिंसदा श्वसेगाउजारे ई दोहा वैरहार
सोकोहरकेहा प्रमारथकहूनाहि सषदु
षकहौकैपाईर श्वौनैरवाविपदमोहि
१ वीस्वकोहोमायाकोहा वीहिकोहां श्व

रुप्रीति।जीवब्रह्मऐसेजानेहै।।ऐसीनीमहरीत
८।।काहानीप्रीतिप्रतीतिकहा।।वेधसाक्षिकहन।
हि।।नीवेमागकोटऋस्थहै।।ऋचलसदाऋाप
हीमाहि।।९।।काहासामयउपदेसहै।।गुरुसीषको
उनाहि।।परमारथकासोकहो।।नीरनुपाधिमी
वनाहि।।१०।।एककाहाऋरुदोएनउनिहीक हेन।
होर।।कहोकाहालेवानएह।।मोलेकहनऋव २
[illegible]

प्रेम

सतगुरुषकोकरौप्रनामा पांउंधिवीसरामोदेहु
सुमतीमैसुमीरौताही प्रमपुरुषगतिकोईजानत
नाही कहैकबीरसुनोधर्मदासा मौसागरसोंहो
ऊनदासा दोहा दीपज्ञानवडज्ञानहै सुषसंत
षसमान कहैकबीरविवेषवल पांवोपदनीर
वान चौपाई दीपज्ञानवडज्ञानते आवा सुष[illegible]

होतसंतोषसमाया ॥ सतवरनतै अवरनहोई ॥ सोनस
मानगुरूनहीकोई ॥ नहीकछुवीचारतेसारा ॥ बीनाव १
चारबुडोसेसारा ॥ होएवीचारनोमलैलाई ॥ ग्यान
वीचारश्रमपदपावै ॥ सेससहस्रमुषजोजसगावै ॥
बरनतवेदअंतनहींपावै ॥ माहापुरुषजोकरहीवीः
चारा ॥ विनाबिवेकनहैकोपारा ॥ धरमदासकहैसु
नोंगोसाई ॥ बारंबारमोहीकहोबुझाई ॥ बारंबारमै
कोहाजानो ॥ तुम्हारीरअसवेप

रीदस्याहोरुनीसारा नानेलहोंवार स्रवरयारा
दोहा धरमदासवीनीनकरे सूनोसामरथवीन
तिहेमारा वारयारयारनोनेलहो साहवकहे
सूधार २ चौपाई मनवचकर्मसेगूरज्ञानी
करनवीधिहोइवेरनोनामा नीरगूननीनिन १
रंजनराजा सरगूनहोरुसभसंतसमाजा नीरगू
नकीगीतजानीनजाइ सोसनगूरपुनीदेहूल
खाई जोंसोनानेलोहनकाटे श्रीगूननेगूनदे

घनघोटे।नरजोनीमराईदोइंजना।नीरआणानीरमै
निरबोना।निर्मलएकनीहअखरबोमंग।नहैकोः
मीनिरमैनहैकोमा।असीलनोमअखनरहमाप्र।
आपनकनजगभ्यानआपानकजगपानोदंकं
आया।ऐसरूपहोरघ्रगटथाया।घीदा।बीनाज
पतोहनीमेलकालेनोंजनजामा।ध्योविनअच
नअनतै।काहालेनवोसरंमा।चौपाई।औरे
औतमूरतिहैसोमी।अजरअमरहै।औनरत

सकलसहजसंपुरवानासुषसागरसोईसायसञोन
साधसमानसोसमरवासासोहंहंसाव्रह्मप्रगासा
व्रह्मरूपहोएकरेसेजोगावीस्वरूपीप्रतिपालतेले
गारूररहपसीगारतवानानामोहञौरंञेनसः
मजोनाजोकछूकहेसोईहीनञाईजोहैसोमा
यालोपतननाहीसरपतिगनपतिकोहालेकर
नाञवमैमारूवतोहरीसरनांवेधूमारूपीतागूर
चरनासमतोजधरोतेञारीसरनालोकञनंत

धरनजगदीसा।सुरनरमुनिसमहीकोईसा।सत
पुरुसकोसीसनवाउ।नीरमलसहजवीमलगु
नगाउ।।जोकछुकहोसोईहोतमोरा।दीनदआ
लअनुग्रहतोरा।करोकीयाकीपालगोसाई।।
जोहैसुमीरैसोगतिमतिपाई।तुम्हरैमोरैजीवक
आसा।करजोरैवीनवैधरमदासा।दीनदयाल
लहैतोहिनामा।होउकृपालसदासुखधाम
होउप्रसन्नदीजैमतिसारु।जोहैसोजानो

ा सतसेषवीचार दोहा धरमदाससौनीतकरै प्रभू
सूनौरचीतेलाए सकलग्रंथकोमेदहै सोमोहि
कहोवूझाए ॥४॥ चौपाई सुनो धरमदाससैतूमैः
ऊकोत सकलमेदतोहिवरनोसूनाऊ कायाका
सीनग्रहनाऊ तीवोधितीकालवीसराइ तहेंगाऊ
वसदरवाजेदेहोंदीसवनेऊ अवरअनेकजाहि
नाहीगनेऊ तीनिलोकअाएनहासरवा दोय
देवदहगनगंदरफा अवरअनेकगनेकोसा

रसमगन आपाकौं जनपाती॥ कर्मप्रधानजीवसंच
रई॥ नाहिंमोलैमनमनसाधरई॥ सीनजुसमदुषस
षसंसार॥ रसमगनसपनेकैवेवहार॥ रसमगनसपने
देहके आई॥ प्रकीमैरकडे लिपतननाही॥ र:
वचनजैसेजीवउपाधी॥ मा आया आहसकेन:
होवाधी॥ मोहालिपतमायालैमरउ॥ जाकौंम
रमनकाजलहेउ॥ आप्रबलप्रसिधनहेपुत्रजौ:
रलेउ॥ नाहिकेवसिसे

मनासगूरषैनो माहा मोहरजाकीसैना नीज्ञ
ज्ञानदेसरजधानी ज्ञालसमहलज्ञासापटरे
नो हिरसीधैटीमरीकठौरी तीनीलोकमैला
षेठगौरी क्रमीतसबीताकेसागरहर ब्रोहंज्ञ
तरहदोसमनदहई सौमीहोटिटहलबरकार
जाकै प्रसनसमजूगहरर सौमासालबनाहे
ज्ञषाई बरजननीलजसमनकेजार रोगसे
गसैसैमैनीती प्रदारैधरेहरज्ञनीती रूपराज।

कैप्रत्रग्रचेन॥तीनकेनरत्रासेनौघेन॥पायघसे
जोत्रनगनजोना॥दुघदालीद्रुमोदित्रनीमाना
त्रधरमधजाजौगहै त्रज्ञाना॥धाजेप्रगटकर
नीसाना॥दिमहत्रचैनारमुडौ॥ त्रहोसीगासन
वैवौफूलौ॥कपटनुजोरनपेघवासा॥पाघहमे
त्रौदिमसघासा॥दोहा॥एहसमसन्यामाहामो
हकौ॥सनैधरमदासचौनतार॥रनहैजोनह १
वधीहै॥सौसैसागरतौरजार॥धूचो ॥

ै प्रथमहीनिमपन्सानादीना ब्रह्मनष्ठीकेत्र
चरनलीन वरनौहमरावजोजैहें आगो विनाव
वेककोइतोरनलागो दोहा कहैकवीरधरमदार
समौं इयातेउवरीभाग दयाभावसूक्षीनगाहो
नवचूटैगहजार चौपाइ कामक्रोधगर्भस्त्री
लौभा माहामोहवाधोसंजोगा कामकमान
कडीजवकीन्हा क्रोधगारसलोभगदोलीन्हा
मायामोहवेधासंजोगा कामकवानकडीख

पारायू॥ महेकारसो मानेहो॥ आपु॥ सोमहो
मीलिउपजेसेताउ॥ चारुकरेतीहोपनीहात १
माषोसकलमांनीवीपात॥ चारेकीएनहेये।
कपुरघात॥ सनसेसारकीनमदमात॥ वरनोए:
कएककीभांती॥ जैवउधरेकाएरकीहानी।
प्रथमोहिकांमधेनूकसरगोहिआ॥ आ घदानवा
केकोसहीआ॥ मोहनीवसकरनुचाटा॥ वो
नलगनवरमूलेवाटा॥ दोसरोवानउर

ग्राई कहै कबीर ग्यान की सरीस नजार रीति
बेसन ची ग्रात नही सींगार कबीन को मकी सै
न ग्रपार सारे सींगार देषि मन माना तीर्थ ब्रत
ग्रग ग्राग केवाना दोहा कहै कबीर धरम द
ससे ग्रै सी काम की सैन सुरनर मुनी गनि ग
हु का ग्रपने उर धरत नही चैन ७ चौपाई
चलो काम धुनी सैन पलानी ताकी गती काहू
नही जानी मारे घुहु पावान सर तानी माहा

ररपरैनजानी॥दिखिमोहनीमोहमहाहेरा॥उह
पवांनकौंकहौनसेरा॥चाहिध्यानधारेजीउररी
समूहेनहीनवहीग्रहारी॥जोनिकोधनवहोपानिक
ना॥चीनवतचीनवतमयाहैदीना॥जैहौकामकै
धमनकाहै॥चिनवदीसीपरेउनपाचे॥कोधजे
निनववीरनहेरा:वीनतीकरतवाहमएस्माई॥ति
वदीनरातीवीनहोग१९३॥वीनीनकरनवीक

दरतुमकरोवीचारा॥ नवसीवजानवहोरनोरमाइ॥
अगाहीनहैएअतीवलपाइ॥ वहोरीकोमव्रह्मापै
गएतु॥ देखतनाहिकोधमनमैउ॥ कीरषटवी
नकोदीनसराए॥ षटजनैमेहोजवासिआपु॥ जीस
हतुनकीनअपारा॥ समैसेनमीलिकरजवीचारा॥
वहोरीकोमजवचलेसमहार॥ अमरवसकैआप
नजाइ॥ सरसवोनकामकरधेरेउ॥ जीतचेदुअपने
वसीकरेउ॥ एदेहुअनेकसकेनसहारी॥ धरआन

गौतमकीनारी।कामकोपसरपातिपैमैठ।अनित्रा
तरत्राही लायेगए७।जिजगतुपजेतनवाना।वीना
सवदनुवेउत्तपाला।दोहा।अैसोत्रसरवटमैवसे
सनीरहोधरमदास।वटप्रचेजानेवीना।समजग
जातनीरा।चौपाइ।जवतैचीतमैचीतरवापु।गहे।
ठगरहगौतमकौसरापू।अवरअसूरमैवरनोका
ही।जागतसोवतमारैताही।दोहा।तनमनलउ
ज्यानरहे।मदनवानउरसाल।एककामसमे

वसकीन्हा॥सुरनरमुनिवेहारन॥१॥चौपाइ॥कहैधरम
[illegible]रसुनोकवीर॥कैमैमारीजुगलोगेनीर॥जुममे
दीसवहोवीधिफेरा॥कैसेमेटेदेहहुथदेरा॥कहै
कवीरसुनोधर्मनिवानी॥जुगमूलानसोवडअ
भिमानी॥मैतुमसोकहौअवनीजवाता॥किसहै
नाहिपैमकुसलाता॥जेतुमसोनोकहौहमारा
तौवाचेसनरेसेमारा॥नीजवानेमैतुमसैकहेउ
अनरीहतुमसारैरहेउ॥मैधरमनीतुमसनगूसे

ऋवकीवारगुरकरोनीमेरा॥कहेकवीरसुनोधर
मदासा॥तुमसोहोरजीवतरहाटा॥हेसवचन
मैतुमसोकहेउ॥सतसब्दतुमदीटकरीगहेउ॥
जोकोईकहातुमसोमाने॥सोईजीवसतपहि
चाने॥वीरसासीषतुमजगतचलावे॥सतस
ब्दकोहकोहिसमुझावै॥जोकोरमानेकाहात
ह्यारा॥सोचलीआवैलोकहमारा॥जोनही
मानेकाहातेह्यारा॥जोजीवजरहेजमकेरा॥

जमकेहाथपरेसोसाइ बुडनजाएथाहनहीपाई
दोहा कहोनमानैवापको नरकगोहजनमंग
बाव परउपरकारनमनई एहतनक्षैसैजाए
१० चौपाई सूनौधरमदासमैकरौनीवेरा सत
सब्दकावाधौवेरा जोगीनपसीशीषवनषंदक
ते केदमूलचूनिवनफलषांते क्षैसैज्ञानध्य
नमहरहेउ तेउकामफंदपूनिपरेउ सीगिरी
षिजौवनषंदवासा मायाउनकेरहेनपासा

ढाल

वदतचाउनकीन आहार॥कामवसिंपरेवी: चार॥मारारीषवनषमहिगएउ॥वहीनज ननकीरउनतपकीएउ॥नपसाधन ऐसाफ लपाया॥कामवाननाहिफेरीषजाया॥सुषः देवमरेव्यासकेपुत्ता॥सोनीमैथुनिनीजअव धूता॥जेहेवूटससैजाएसमाना॥जनकरीषः सौबौधनसमाना॥बारहकेन्यायुत्रसैसाठी॥ नारदमूलेवारहमाठी॥नारदआदिपांचस

जमकेहाथपरेसोमाइ ॥ ७ ॥ डनजाएथाहनहीपाई
दोहा ॥ कहोनमानैवापको ॥ नरकहगोहजनमंग
वार ॥ परउपरकारनमनई ॥ एहतनऐसेजाए ॥
१० ॥ चौपाई ॥ सुनौधरमदासमैकरैनीवेरा ॥ सत
सब्दकावाधौवेरा ॥ जोजीवपरीशाषिवनवंदन
ते ॥ केदमूलचूनिवनफलषाते ॥ ऐसैज्ञानधम
नमहरहेऊ ॥ तेऊकोमफेरचूनिपरेऊ ॥ सीगरी
षिजौवनवंदवासा ॥ मापातनुकेरहेनपासा

खदत चाउन कीन अहारा ॥ कोमव सिंपरे वी:
चारा ॥ पारारीष वनषकहिगए उ ॥ वहोनज
ननकोरउननपकीए उ ॥ नपसाधत ऐसाफ
लपाया ॥ कोमवाननाहिफेरीरीषजाया ॥ सूष:
देवभए व्यासकेपुता ॥ सोनौमैपुनिनीज अव
धूता ॥ जेहैवूटसैसैजाएसमाना ॥ जनकरीषे:
सैबौधनमैमाना ॥ वारहकेन्यापुत्रमैसावी ॥
नारदमूलेवारहमागी ॥ नारदआदिपांचस

स्तोनै रीषिमूनीपीड़नमभैनूलोनै दोहा सू
रनरमूनित्यागीजेते कोईनतेरेधंम माया
मोहमैसनकेहै मारोनईनेको कोम २४वा
माई धरमदासनूववीनतिबाई तूमसामर
थहोवडसूषदाई कामकलावजफासोधन
है नामेरहेजीव प्रकृपाई कामफेरवजवी
धिवावा जामैजीवजेनूसभ आसा रहो
फासीसनहीपैमारा लदचौरासीजीववेहा

कैसेउचरे [illegible]
वो [illegible]
चौलक्षा [illegible]
मरकाम [illegible]
ता [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पैदेहथरहरेपाइ ॥ टेरीमैंहरेगतमरपैना ॥ सम
मदीसटीवेलैमूपैवेना ॥ जरेहीदरमूबनीकसेज
रातैमरेम श्रीनजरे श्रपारा ॥ मारहीमारकरे श्र
पवाना ॥ गनैनमानूपीनागूरमानी ॥ उपजे क्रोध
मेहकोमूपा ॥ दाहुनिमरकोधकोंहया ॥ सोई
जारकैवीनसे श्रापू ॥ नवहैंनमैटे क्रोधको ॥
दायू ॥ प्रथमभयोब्रह्मकोदायू ॥ षटपुत्रीनके
हीनसराय ॥ ब्रह्मासहैंनकौधकोंहया ॥ जनम

चवरेयेहोमोंको॥सनकादीकवेकूवेगरूवारी
कीयवरीश्राकोध श्रतिभेज॥वेजयुत्रसकेनस
हारी॥ईजेवीजेकेदीनोटारी॥त्रवाउत्रसहोन
हीचाहु॥ईजेवीजेश्रसूरदेउहोऊ॥तजीश्रारी
धवीराघाजाई॥जनमतीसरेमीलेफ श्राई॥के।
धहीतेतीनिजनमवेहाला॥हीरनाकसरावन
सीसपाला॥तवसीवकोधकीनसेसारा॥प्रले
होतनलागीवारा॥जवसूरश्रसूरकोधकीए॥

भरत्तूरीतोहनमैंसगरेमा हपनकोटिजारेमेव ।
रा आपहीआपक्रोधसमनमारीनो क्रोधकरीसं
भकूलकोनाठो सागरपुवजरे है असाठो केर
क्रोधमएजरीद्वारा राजारेकगनेकोमारा कहे
कवीरक्रोधग्रहरइ सोप्रानीमोसागररनरह है
हसोदीमासौश्रीतज्ञोा अप्रवलक्रोधकोअ
ग सीतलसगतिसाधुकी सरनठवरीएलो
ग १६ चोपाइ जेहनक्रोधहीदेएमेआवे ज

पनपत्रानरहेनहीपावै॥पेहालगुनीगागपिणगी॥
स्सनजरैश्रीधर्मध्यागी।पाचश्रुधीनी[illegible]नयधी
नधरई।स्समझी[illegible]काजनपद्धनश।पाद्यीदु
करैनीगस्सा।स्वाईसोवित्तनधश्रुधणास्था।जिनन
ननदसातनकीना।श्रीधर्मानाणयपरसंधिनला।श्री
धर्मनैसामानेलाप्र।श्रीधर्मैनवविधनंब्याप्र।
श्रीधर्मलिखद्दराठहै।श्रीधर्मनिधिकरा
है।श्रीधर्मनिवनवलाहै।जीहै

नरेश्वाई सीधकाजवीनामे कोधा समफलजो
हिनपावैसाधा दोहा कवीरवजनजननसाकी
जीए समफलजाहीनसाए जैसेसीमधनसदे
चारमूासलेजाए दोहा कोधश्रगमीवरवरउ
वाजोसकलसमार जीवजीनानीजनामते स
नयुरसरनजुवार दोहा कहेकवीरवीचारीके को
धश्रगीनीवहोजागे सनसुकीननावूकीस
रनजुवरीएलागे २५ चौपाई वरनौकोधजो

मनमथजथा॥जो कोई सुनैनौ लजलोभकीकथा
कहेकबीरसुनौधरमदासा लोभ आगाकोवड॥
संतापा॥३॥लोभमनै अवरनकोई सब लम्नधर
मलोभनतेहोइ॥हाथलूकोटजमकपहीनचावे॥
असेसकलजगतभरमावै॥पहीलेमा भायाते
मनलावै॥ आगमनोपमपन बंठरीसघावे॥ दु
मम जोरकरेवीसरा॥ आकरीन अनीतक
रीजोरीरहामा॥तनमनदेहकरेजजासा॥स

२
मुकेनहीमरनअवकाला ॥ जवमनलागिलोम
नैरेउ ॥ अधकवीछमवीछमहीरेगैउ ॥ सहा न
वमनलाशोसोमनै ॥ गयोवीछमवीछमोर ॥ क
हैकवीरथ्रानीकहै ॥ कहैप्रकारधनहोर ॥ २५
चौपाई ॥ जवमनलागोवीछलागोमोर ॥ सनौ
सुनौलोमनकोहोर ॥ कहैकवीरनहीलोमनकै
मैउ ॥ पहीलैपईसासोमनमानौ ॥ पैसाजोरी
टाकाकैंधवै ॥ टकादेखीवजनसूवपावै ॥ अव

दोरजोरीमनाड़देवा॥अरमैनीमनपाईनमेवा॥
दोरजोरीजोरीजोरीरचारी॥लोभपलोलोदीनाय
जारी॥चारीजोरीमनवादोरगा॥हसकोजोरेहिरम
नचेगा॥हसजोरीमनहीनवदेरा॥जोरीरवीसजोम
नरहैवोर वीसजोरीमनवादीश्वासा॥श्वववैर
सोकरीजोरेयवासा॥पाचासजोरीलोभरहेप
रई॥साग्श्रसीकोलेषोकरई॥सोकोजोरीगा॥
गीमनदीनो॥नवसहै॥

ताना

अजोगैरत्रिसहीरा सूं नवमनदौरे अवजोगैल

पौ। लाषजोगीवीनवैकरजोरी। अवप मे

शरजै दे वकरोरी। करोरजोगीदीनकलन्हीप

राइ। लोभअगीनीतनसरवसजरई जोजोगी

वद्रीधानतनभस्म। त्यौत्यौ लोभतरनअगीनमैं

जोजोमालकमीलेनौधका। त्यौत्यौ लोभभएप्र-

वेको। धनकौधारएधारएनरमरई जोपतंगदीप

कमैपरई। लोभवोनलागीनहीताको। कहरी

साएकरेजमताकौ॥लोभअगनितानरकेलागे
सभऔगनहोएताकौलागे॥सभअर्थजोकहेदेष:
लाषा:सारसारजोगाएसुनाषा॥चारिवेदआक
रनसमाना॥अवरअसटादसपढेपुराना॥जेतमे
तअवरजाननतनीकै॥सभपुनफलोमनेषीके:से
मेहोमाहेमेदहैमाई॥वेवरनकरेहेसकोनाही॥
मेघनगरमूडएजटधारी॥सोनीगुनीअपार॥ष
टदरसनफीकैपरे॥एकलोभकीलार

गुनछाडि औगुनगहे बोलवचनचलाए कहे
कवीरधर्मदाससौ गुनसौकरसानलजाए २६
चौपाई जाकेदुषसुषदारुनसैउ एसमनवरनौसो
भउमराउ नीरलजलोभकीकथावषानो अथ
जोसुनेगागरवकीवानी जेदनग्रवहीईश्रौमेअ
रै श्रागाकुटिलसमननहोद्गौ ईसोफोरेनी
हारनवागा गरवषवंसनवैठीलागा मौहे
मरोरेनीरषेदाही कोधेधरे श्रवरकेवाहो २

टीपागरेगमनकरइ।षमरमेमलवालेकीरहअनी
तिवचनअवरनकैंहइ।हेमारीबोरेवीरकोकेसेः
करई।हेमकूलीनवडनकोजानी।हेमरेआीदेः
अनचलीआई।नातीपोताहेमारेचाहें।कोन
मौवडोहेमारेआई।वरवड़ेअगनाहैमोरे।को
लेफीरेगरवकेमोरे।दोहा।गरवदरबअवरसर
वसुष।वीषकोरनमननूली।कहेकवीरकाल
सीरपरवैठे।हाथलीएजीसूडा।४।चौपाई।अ

तिकेगरवसोनाहीमनलाई अतिकेगरवसेसर
वसजाई दोहा ऐसीनीच आधरी देषतन्ही
पतीआए समजगतोनहेगए मरतमरतमरी
जाए १८ चौपाई गरवप्रहारीनाहिननाहिं जगम
जगतमोरमाहाहे दोहा गरवप्रहारीनकरीस
के तूरतहीदेईमहाए नाकरताको छोडके हो
धरमदासनादेषतनरकेजाए १९ चौपाई क
हेधरमदाससतगुरमोवाता कहोवहूरम्राक

कहा ना॥ कैसे मेटे कुमती मोहि माइ॥ कैसे करै जो
जम से उबरै॥ साहन वडो काल पर माना॥ मोह लगे
दीन दीन होवाला॥ प्रथमही मोह बंधै जोगा॥ अ
व सुनो नरपति बीबेक संजोगा॥ मोह समा समक
हो उपाइ॥ अब सुनो विवेक कहु सुभसाई॥ अ
सुनो बिवेक राइ की कथा॥ प्रेम मोहि मन उपजे
जथा॥ अब सुनो बिबेक राइ के बैना॥ जाके राज
सभै सुषचैना॥ आतमा न्हलो का मे कहई॥

तिके गरव सो नाही मन लाई ॥ जो तिके गरव से सर
व सजाई ॥ दोहा ॥ ऐसी नीच आधरी देषत नही
पती आए ॥ सम जुग लोक है गए मरत मरत मरी
जाए ॥ २८ ॥ चौपाई ॥ गरव प्रहारी ताहि न भावै जग म
जगत मारि फिराहावै ॥ दोहा ॥ गरव प्रहारी न करीस
कै तूरत नही होइ ईस कहाए ॥ ता करता को छोडि कै ही
धरम दास न देषत न नरकै जाए ॥ २९ ॥ चौपाई ॥ क
हे धरमदास सत गुर सो बाता ॥ कहो छहार मुक्ति

केरता। कैसेमेटैकुमतीमतिमार कैसेकरैजोग
जमसेउवरे रानवडोकालपरमाता। मोहलगे
हीनहीनहोवाता। प्रथमहीमोहब्रलैजोगा। श्र
वसूनोनरपतिबीबेकसजोगा। मोहसभासमक
होउभाइ। श्रवसूनोलेहूबीबेकसमुदाइ। श्रव
सूनोबीबेकरारकीकथा। प्रेमगोहागमनउपजे
जथा। श्रवसूनोबीबेकरारकैबैना। जाके
सनेसुषचैना। आतआनंदलोकमेकरई।

तिकेगरबसोनाहीमलाई॥ त्रतिकेगरबसेसर
वसजाई दोहा॥ ऐसीनीझ्रधरी देषतन्ही
पती आए॥ समजूगतोकहेगए॥ मरतमरतमरी
जाए१८॥ चौपाई॥ गरबप्रहारीनाहिननाहै॥ जत
जूगतमारिमाहाहे॥ दोहा॥ गरबप्रहारीनकरीस
के तूरतहीदेईमहाए॥ नाकरताकोछोडके॥ हे
धरमदासनदेषतनरकैजाए॥ १९॥ चौपाई॥ क
हेधरमदाससतगुरसोबाता॥ कहोछहाएसाह

केराता॥ कैसैमटैकुमतीमोतिमार॥ कैसेकरैजीव
जमसैउवरे॥ दारूनवडोकालपरमाता॥ मोहलगे
दीनदीनहोघाता॥ प्रथमहीमोहवैलैजोगा॥ अ
वसुनीनरपतिधीषेकसंजोगा॥ मोहसन्यासमनक
हीउपाइ॥ अवसुनीलेहुबीवेकसुषदाई॥ अव
सुनोबीवेकराएकीकथा॥ प्रेमनीतिमनउपजे
जथा॥ अवसुनैबीवेकराएकेवैना॥ जाकेराज
सबैसुषचैना॥ आतिआनदलोकमेकरई॥ तेसा

तिके गरव सो नाही मनलाई ॥ अति के गरव से सर
व सजाई दोहा ॥ औसी नींद्र आधरी देषतन्ही
पती आए ॥ सम जग लोक हेगए ॥ मरत मरत मरी
जाए ॥ २८ ॥ चौपाई ॥ गरव प्रहारी ताहि न भावै ॥ जो
जगत मोर का हो भावै ॥ दोहा ॥ गरव प्रहारी न करी स
कै दूरत हो हि ईम हाए ॥ ना करता को छोडके है
धरमदास नरदेह तन रकै जाए ॥ २९ ॥ चौपाई ॥ क
हे धरमदास सतगुर सो बाता ॥ कहो छहाए माक

केराता।। कैसैमेटेकुमतीमतिमाइ।। कैसेकरैजोरु
जमसैंउवरे। दारुनवडोकालपरमाता।। मोहलगे
दीनदीनहोवाता।। प्रथमहीमोहवेहैजोगा।। अ
वसुनौनरपतिवीवेकसंजोगा।। मोहसन्यासमक
होउपाइ।। अवसुनौलेहुवीवेकसुषदाई।। अव
सुनौवीवेकराएकीकथा।। प्रेमनीतिमनउपजे
जथा।। अवसुनौवीवेकराएकेवैना।। जाकेराज
सभैसुषचैना।। अतिआनंदलोकमेकरई।। तेहा

रागनीकसूंवरनीनजाई सनवीसारनमहीवी
सार मनरैनमनीनोगून धारा जैसेसनपूरन
के ग्रास प्रगटेप्रेमवीवेकसूवेस च्रहे स्रनत
नरहेनीरंन नीरमलनीगूनहीनीसवासर नीर
मल धनीजोनीजपरथोना नीलकवापमाला
प्रवांना ज्ञानप्रकासदेसरजूधानी ग्रानंरूप
वीवेकप्रवाना सरधारंनीकेवीवेकका ज्ञानवी
रागपुञ्जैारका उमराव धीरजसेनोप त्रवर

ज्ञाना॥ प्रेम भीत्रि कै बाजे नीसाना॥ नीजमा नेम
हलपगधरई॥ सरधा रनीसे वाकरइ॥ एबीवेक
केपुत्र कहावा॥ जेम स्रोग मौडी रोवटा वा॥ राय
वीवेक पुत्र प्रसाजु नीरमैसे नसो सील समा
ज॥ पाप कच्छुगासडीरिकासी जोरे॥ स्मग्रर स्ना
प्रश्रधरनीसाको॥ औरजमान्तसो क्षरलसेता॥
मा॥ सोधरमस्मा होधरमकोटेका॥ मेसेरा
रमनवीवेककेस्त्रागा॥ स्मा॥ ८२

षसेगा राखवीकेकेकमा चारी सत्याही मास्र
माव्रसूमकारी सूषवजन सेतीषवकानी नरक
परतगहीराछेनीधाम्ना सूखसेपतीसेतनकी
हाही नरकपरतगहीराछेवाही लौमीसोइ
धीवानकीराजा लौमापुरखेसभकोजा सो
सोखतुगरअनूरागी प्रेमसूनाव्रवैठवेरागी
रहेनीहत्रचौतराभाउ सहेजमवासनवे
ठेराउ वरतउजीरनपषवासा मचीनारमे

अ
संगपकासांकरनवीवेकचदसूषैवैना॥वीवेकप्र
सीधसदासूषसैना॥करनेज्ञानवासमूषैवेना॥अ
रतवचनबोलेमूषवैना॥असतसन्यासममारीव
ताई॥सूकमसोसीलसदासूषदाई॥दोहा॥मंत्रीसू
गमहोधरमदासा॥कहोसूनोआनप्रसंसा॥नर
पतीवीवेककेअंगूवा॥याहीवीधीकरेषगा
स॥२०॥चौपाई॥मंत्रीप्रेमअतीतसूनोअनूपा॥य
यमहीसूनोज्ञानकोरूपा॥जगज्ञानतरप्रगटे

आईतनहीनमोहनीरफलहाजाईज्ञानमान
जवप्रगटमरज कालनीमरजेजालकटिगस्व
चुगलमोहनीसजगीभागे भागेकपटज्ञानकेच
गै देसरेमोहकपटकटीगस्व ज्ञानवलहाई
स्केमरज कजदेआहिकाहानेआई जेहाक
हाकाहीमनलाई कजदेस्वरकोससारा
कोहाहैरहैसोकरैवाचारा जेहकोलोभा
तिलोभे लागेमरमज्ञानकेआगे नहीहितसू

तसंसार॥कुंभमोहवे धोंओजीर बरन्नवरसब
संपतिप्रकार॥ऐसमसा साधोमोहवोसतार॥
ऐसमोहकोननवचास॥कूवास्वजोंमानेंगंस।
र॥ जैसेंचोनवारदकी छाया॥ऐसेंहैसूवसंपति
माया॥तिनकसूपारसरेनहोंकाजा॥एसूबसन
नसपनाकेसाजा॥जागोदेवीस्वसरेनकाजा
ऐसनदेसेजमकोबाजा॥कुवा श्रीहिरदेका
नाता॥

गटजवमऐउ तवमरामामतामोटणरउ मै
सोझोनउरप्रगटेन्नाई तापैमोहकहावहराई
मानूपीतामगानीन्नरूमाई पुत्रकलेत्रनात
गातनाई नारापुरूवसैहैसेजोगा कोईनहीं
काहूकेकर्मकेभोगा कर्मभोगसंजोगमी
तावा ऐकनावपरमनैवेगवा न्नपनोन्न
पनोराहउठीयागे मोहकेवांसजों न्नधन्नम
गा न्नानमकेनवपधारोनोरी नासान्नधन

स्करैचौन्हारा॥ मन अवरवेहर कजवहोई॥ गहैन
वीवेक कोपावैसोई॥ दोहा॥ प्रगटेप्रेमवीवेकवद
नकनीसानवजाए॥ ७ ग्यानप्रगटेवीना धर
मनिनहीनमोहलराए॥ चौपाइ॥ साहेवहेतकरैजो
कर्मा॥ कहेकवीरसोईनीजधर्मा॥ सोवधनमजोजो
नेकोई॥ प्रगटसनेहनावसोहोई॥ तनमनधनसेत
नेरहोआ॥ एहोमगकवीरजोकहोआ॥ ग्यैप
ग्यानजरप्रगटेआई॥ चीतामाहमेटिडचिना

जवकामक्रोधकेउपजेराउ नीजधीरजलीजैन
वआउ लोभमोहकोआगीनोआनिवहरर संतोष
धीरजपुरनरहई आनि आजान आधिरजवहोर
धीरजवेनधीरजहोएरहई जरेआगीनोसोरअ
रपरई नवहुंननोवहोर्ईऐनेटर कोटिकदुषको
टिकसुषपावै धीरजवेनज्ञानगुनगावै धीर
जधरमज्ञानगुनरआ माहामोहसनीचाकी
तमाआ एहसुनिमोहमेवउपजावा नवप्र

ऐसीमत्रीनीकटबोलाज्ञा॥ सकलसैनमोहेउम
राउ॥ माहामोहतवकहोसूनाउ॥ सोनरलाञ्च
प्रबलविवेकनरेसा॥ लीनोआनोहमारोदेस॥
अबतेममेचकरोवहराई॥ देसअपनोलेहुरी
नाई॥ राजामेवहेमारेलीजे॥ प्रथमहीकामके
आरसदीजे॥ आगआकामरहेमरोपुरा॥ जो
नबीबेकजीहेसमदारा॥ जबहीकामकेआ
रसदेउ॥ दलबलसहीतआनीनरउ

मऐज्ञानउत्तमसेजो कामा ॥ मनसामौमिहपेसे
ग्यामा ॥ कहेकबीरएहीप्रवाना ॥ कामचलाई
पोचोवाना ॥ नीरफलकोरसमवीचतीज्ञाना
सव्वसूरतीसीस्तुनवाना ॥ कामकहेएहनीः
कीसूरीर ॥ ज्ञानकहेएहवीवेकी ॥ कामकहेके
मनीसमतूला ॥ ज्ञानकहेएहवीपीकोमूला
कामकहेयाकैटीगजार ॥ ज्ञानकहैसापीनीहो
एषाई ॥ कामदीसहीसकनीमनराना ॥ ग्या[illegible]स

नी

कानिकहेवोलैमाता॥एहसअधीकप्रजरेकोसा॥
नीस्वेगएहमारोधांमा॥माहामोचकीकरमहो॥
आंना॥अवतमोसोंकरोसग्रामा॥वेचकगेर
सरमीरीगनेनी॥समरकपोलसीसदेवेनो॥सध
गनकेकसरगनोघाना॥वेबूटसफलजोस
रोसजोना॥॥अवलकोमकहेरगरचो॥अगअ
गचीआसपसा॥चो॥दोहा॥रचो॥हरअनेकजी
वाधिमवेची॥आकेअग॥सेनचेनलवचटोच

हे तब्बाहेकोमच्छनेगा २२ चौपाई कहे धरम
दासगुरसोनोकबीरा जुगउडेलागेनहीतीरा
कहेकबीरसुनोधरमदासा कहोउकारभेद
तुमपासा दाहनबडोकालप्रभाता मोहलगे
छिनछिनहोरखाना ज्ञानखैंचकेमनकेरोः
उ सतगुरकेकवलचरनचीतदेहु ऐहसूनी
ज्ञानसबचमेमेत साहवकेचरनकवलचीत
देउ बाटोकोमचढोरनरंगा नैजनपानउबा

नैनरंगा॥ सबूधिबीरबीतैबशोना॥ जीनीनाहि
बीबेककौ आना॥ नबहीबीचारशोनसेकहि
ई॥ याकौ भेदसमैहेमलकुर॥ ग्यानबीचारीजदे
नबगाजी॥ कोमनी सजजाऊकी नमागी॥ धी
रगहैसीत्री आधीरगहैसोराजू॥ नीरबीनले
हीमासकौ साजू॥ हाडनचानछलसपसारा॥
देसोबारनाहिनरकनैनारा॥ नाकरेट मक
फै आकूरलारा॥ आधिटीठ

नमसीवरूमव्यापिवीसारा डुषकैगारजोवसे
गवारा वीस्वमूरवी आननमाई देषिवीचा
रीकहूकहौनजाई नीरवीनी ओसूचास
मडरहीमाई पातैरचेवजडुषपाई चीलर
टीललपेटकर्मवासा सहीरमवनमासग्रा
गासा एकरतनाकिषानसूषारा माहापुरु
षीनौ अवतारा काहाकहौकछूकहीनजा।
ई नीरषत सूषसमनीठहराई पाहीरीच८

औनयावेद्रथ।सपनसमाकऊनहीसूषा।द
षकीरसोरचेजोकोईधीरगनरनारीनरक
हैरोईप्राहीवीचारीसाहेवसोंगुरो।वोरम
कर्मसमहीसोवा चौ।वीनामेरगुरकेप्रवे
कोमस्वारथवोषहीररसै।करमयालकीर
१चीडारा।रहनोसव्दवीनजमजसारा।१
हकहेसोनरहोवहराऽ।कोमक्रोनजरोवीच
लाईरोहा।प्रेमभक्तीवचसोनमो।रहोरायो।

रनमारु कोम कोमारीज्ञानसोंडारे कहैकवी
रसमूफारु २४ चौपाई कहैकवीसतगूरसम्
फाई सब्दसूरतीगहेचीतलाई वीचलेकोम
चलेवीसीआई मोहनरपतीराजापहेजाई वी
चलोकाममोह आतलाजा प्रेममोहेरोनत
नगाजा वीचले काममोहपेगेउ मोहवोला
एक्रोधसोंकहेउ तामसतेजक्रोधतेरोनामा
नरपतवीवेक सोकरोसंग्रामा तौमैसत्त

जानेनाही कोधा। जीतो बीहू कजोनोनवजोध।
ऐसो अप्रवलनो है सैक हेतु। लैरैले जज्ञान काहे।
रहेतु। सकलक्रोध चलोनव धाई। करीउयमेस
रोपरन आई। वे धुवीरोध कीनो प्रवेस। अबके
से ज्ञानहूम जीतो मो सो। जो हूमनो स्व जीतो को
मा। करो ज्ञान हेम मो संग्रामा। ये हस्मनो ज्ञान स्व
चेनै मरव। जा स्वचन राजा सैक हेतु। अबरा

धकोमारे दोहा ऋतिप्रचंडवो क्रोधहै कामी
चहै मैंमन सुधिवूधिधीरजनंरहै तवद्वोहको
यीचटत २४ चौपाई तवराजामेंदीनसोकहीए
ऋप्रवल क्रोधकोमारीचाटए तवसमनमारे
कीनवीचारा एहतोजाए दीमासोमारा वोली
वीवेकोद्दमासमूज्ञाई तूमतौ क्रोधकोमारे
जाई भतौ ज्ञानतूमकरजसहाई ऋप्रवल
क्रोधकोमारिवहाई सूनतहिमारनरापेजाई

सीनो सीत लधनको चटाई दीघ नदिमा क्रोध चलीजाई मनसा मो मीरो पेरोज साइ जनते क्रोधनु ठेगलगाजो इनतेहिमारहीरनसाजी मारन क्रोधनुबोनबधाई ईनतेहिमाहिन्हम सकाई क्रोधकोनिमजिगारीरोनी स्नत हिमा श्रनस्नकरीलोनी जपजो क्रोधग्रा रोषूनीवहोरी हिमाकहे समहेमरी घोरा सी तलवचनहिमाके वाना लागत

हैमनश्रोना मीटेवचनोचेमातवबो दे कोपे
क्रोधवीनाजडमोलै ऐवीधिहीमाक्रोधसो:
लडई जौंन्त्रगारपानीमिपरई दोहा मूलेमूहे
समकोकहे रहीजोंहिमारीठार कहेकवी
रसीनलमर गईजोंजरनीबूहार २५ चौप
क्रोधजरततेगऐबुजाई माहामोहमेपरत
ई हारेकोमक्रोधतवजाना माहामोहराजा
सेकोना वकितमोहमंत्रनहीकरई सनमु

पज्ञानबीवेकसोहरई॥मातामोहमत्रउपजावा
तेतेहनलोभकोतृस्नवोलावा॥लोभमवुठेत
वमाथनवाई॥ईनसतरहेकोहादेपाइ॥लोभ
मोहकेआगेआवा॥अहोराजातमकीनडर
पावा॥चिंताकाहानेरोजीवआवा॥सोईकरे
तेरेमनभावा॥मैअप्रवसगहेतेरेआगे॥तोलग
काहाज्ञानकोजागे॥मातामोहरुजासनोवेना॥
तवलागमैतवलागसमनेसम्या॥लेवगमैतवलाग

भआई मेरेमेरेसभैमेटीजीजाई मैनीजसवपाप
केमूला मेरेगरवफीरेतुमफूला मैजीतेग्यांन
वीवेकहीजाई देसआपनोलेहूछोडाई तोके
फीरदेवसमनराजू माहामोहमेरोवडगाजू एह
सनीमोहहरषमनमैन तवहीलोभकेआसे
नु लोभचलेनवस्त्रवलजोरी जांहांवोहठग
रग्यानकीमोरी हाडोग्यानहमारोदेसा लोभन
वकासकोभेसा हाडोग्यानहमारोगांउ माः

तामोलकी आपसवंति रोना मैसेदैवकमल
मोहको लोमनमारेनाव जाप सोनदूर आपलो
साडोहमारेगाव २६ चौपाई अवरनआपलो
मप्रचारु मागीवीवेकजानतेहीमारो मैमिल
सरवपापकोमला कोइनजानेपैरश्रमसुला
मेसेतिनानहाआनिवहई ननलहीसोनकंस।
सोरहै सानलोमनलगरजो मारी हमनसन
सवनकेटारी मेनोहबाछितार्तहोजानो ३

कमैं हि मोसों पायो जात ॥ सुनत भागवत गीता ते
मनीके ॥ मेरे सन मूरख मन तूं मफीके ॥ उनते लोभ
प्रगटे आई ॥ अव हे मन तूं मेजानीके पाई ॥ तूं मजने
नोनी क्रोध अरु कामा ॥ मैं अति अपवल सो
भमेरो नामा ॥ चाडौ ज्ञान हेमारो गउ ॥ नहीं तोहि
को च धरौ पाउ ॥ दोहा ॥ तूं मजनो जानउ कामके
धही ॥ अति हमारो नाव ॥ जावो वहारी वौके पै
नहीं तव धरौ पाव ॥ २१ ॥ चौपाई ॥ मह मुनि त्रोन

ममत्ररएककौएउ॥ वहोरीवीवेकराएपेगएउ
राजामवेकरोव्हराई॥ लोभनेमपेजीतेजाई॥
जीतूमलोभकौंजीतेआज॥ तोपैहोनोकेट
कराजू॥ तववोलेमंत्रामहाप्रगासू॥ एहोवी
धिहोएलोभकेनासू॥ राजाकेपूत्रजएसंतो
षा॥ लोभहीमारिमेटावैधोषा॥ जवराजा
वोलेसूनोपुत्रसंतोषा॥ लोभहीमोटकरोन
नरोषा॥ प्रेमवानतोहोहुसहाई॥ अप्र

वल लोभ को मारे जाइ॥ सुनत संतोष नसै पै जाई॥
मनसा भूमी रोपै है ठग्याई॥ लोभ लेव लेधन को स्रै
चौ॥ संतोष लै सूमीर नमै है चौ॥ लालच वान लोभ ने
न व मारे॥ मन वान संतोष मे ल्यारे॥ चिंता मकत
लोभ की ग्याई॥ ग्यान संकत सौं नीरफ लकरइ॥
ग्यान तुपफासी लोभन न लाई॥ नुगर ग्यान सो
मेटि जाइ॥ करग है धैं नूक लोभ नगर मातु॥ तुत
ते ज्ञा चौ पिदल स्याइ॥ मरे मे सै तप बंडिन की

२३ । साच वांन धन् षगन्ही लेऐउ । धीरज बेन गंगग है
संतोषा । वीचलो लोभ मीटेरन रोषा । दोहा । कांम क्रो
ध दोउ वीचला एं । वीचलो लोभ अकाज । मानाम
न मन मै कंपै । अब गए है मारो राज । २४ । चौपाई
वीचलो लोभ मोह प्रगौउ । तब मोही बोलाएउ अव
सौक हेत । मानो गरब है मारो काहो । वीचलो सक
ल सन्यातो रहो । अब ते मरो करो सहाई मेरेस
गग रवेउ गेठ पाई

जपतपज्ञानरहनीनहीयातु कोपेगरवमोहकैच्य
जैं ज्ञानवीवेकजाऊकोनमाणे सुंतोहिगरवजुवे
तेवधाई जपतपज्ञानमारीवीचलाई इतेतेमा
हगरवउठीधवा उततैज्ञानवीवेकवीरस्रा
वा वेसधसाहिगरवगहीडारा स्वनीतिवच
नाहिमांसोंमारी ववकरोगरवउठेसमूहाई
तयघवासनैदीस्डीगाई उगरज्ञानरावपैग
रुउ मरवगंवारदीवस्रातिमैउराजामोको

आएसरे हूं नरवानसों जीहे रुज। दीनबानरा
वकरीलेव। हीतकरीजुगए सोंन केराउ। मारेदे
नादेनताबोनां हूरोगरववलबभोगीवीलानो
दीनबानसरव को लागा। लबनीजगए स्रपने
मामी। जीतिवीवेकचढेगलगाजी। पाहेमा
ह्लवलेदनसाजी। माहामोहू राजामोहितम
कतेवीवैम हूमसोसग्रामा नीमतावनू
हूवतने वोछित्रवानवृकतवचन नहूँ

कमोहगोहडारे वीवेककैचेतनसचारा अन
रथवडगमोहगहीलीना अरथघडगसोनी
रफलकीना नीदासकतीमोहसेचारे जाग्री
नसाहिवीवेकवीस्तारा मोहकेसोमाञ्रास
चारा कतरावीवेकहीनकमेडारा माहामो
हमनउपजेञ्रेहेमा हेसेवीवेकरहीवल
तेरा प्रगासवोनवीवेककरीलीञ्ज तव
हीनञ्रधकालमीटिगञ्ज सतवांनसो

घसंभारे।चिंतासकतीलोभकीआईजानसकीत
सौनीरफलकरई।नितदुखपोसीलोभतनल्या
ई।कगरज्ञानसेमोटजाई।करगहेलोभधेनू
कगरवाउ।जनलेसूनबांधिदल्लआई।परेगं
मैतपवेत्रितकीस्तोत्रीचानधनकरैगाहेवी
स्गु।धीरजधीडागहैससेधा।बोधलोलोभ
मेटेरनरोषा।दोहा।लोभकीअदोत्रवीचलाए
वीचलोलोभस्कोजो॥

ष्वगारहमारौराज २८ चौपाई बीचलो
लोभमाहपरगउ नवमोहबोलागरमो
कहेउ मोनोगारवहमारोकाहा बीचलो
सकलसन्यानूरहो ष्ववृमकरोमहाई
मरेसेगगारवउठिधाई परलषसोनरहन
नहीपा कोपेगारवमोहकेआगे सोन
वीवेकजाजकीनभागे सनमलोगारवछ
नवधई जपतवजानमारेबीचकमाईकतो

मोह्यरवतुगोधापा॥तु नहै ज्ञानबीबेकबसीय
ना॥वीसधसत्तीगरबगहीडारा॥स्रनीतिबचन
दीमासोमारा॥वहकरीगरबतुदेसमूहाइति
पपन्नासनैदीएडेमा॥हीतुगरज्ञानरीलपेगरतु
गरबगवारटीठ स्रीतिमएतु॥राजा मैं को स्राए
सहेतु॥कौनवांनसोजीतेएजा॥हीन्वानराबक
रीलीएतु॥हितकरीनगरज्ञानकेदीएतु॥मारेज्ञा
नदीनतावांना॥हारेगरबतबभागीबीयोना॥दी

नवधर्इ जपतवज्ञानमारैवीचक्माईदतते
वीवेकजाजकीनभागे सुनतलीगरवछे
नहीपा कोयेगरवमोहकेआगे ज्ञान
मरेसेगगरवतोधाई परतमज्ञानरहन
सकलसम्पानूरहो सुवदूमकरेसहाई
कहेउ मानोगरवहेमारेकाहा वीचले
लोभमाहपरगउ नवमोहवोसागरवसो
सुवगरहमारेराज २८ चौपाई वीचले

मोहमारवगुगोधाया॥३॥ततेज्ञानवीवेकचवीचा
रा॥वीसधसक्षीगरवगहीउारा॥ऋनीतवचन
दैमासोमारा॥वसकरीगरवगुवेसमृहाइन
पघव्रासनैदीएडोमाडी॥३गरज्ञानरीवपेगएउ
गरवगव्रारदोर ऋतिमएउ॥राजामैंकोंआए
सदेउ॥कौनवांनसोंजीतोएज॥दीनवांनरावक
रीवीएउ॥हितकरीनगरज्ञानकेदीएउ॥मारेज्ञा
नदीनतावांना॥हारेगरवतवभागीवीवांनादी

वी नवेनगरवके नाम जवनीजगए अपनपेम
गी जीतवीवेकवलगलगाजू पादेमोह=
चलेस्लसाजू माहामोहराजामोहिनेमा
करेवीवेकहेमसेंसगेमा ममितावानमाह
तवतेने थीचित्रवानवीवेकनकव आने
भरमचक्र मोहगहीमारा वीवेकचक्रेचेतन
सेचारा अनरथपडगमोह्यांहीलीना अरथ
पडगसेंनीरफलकीना नीहुासक्रीमोहसे=

चारी॥जा प्रीतम को बीबेक बीस्तारी॥मोह्य कों सी
मा श्राया संचारी॥ कतरी बी बी न्ही क मैं डारी॥म
हा मोह मन तुप जौ घे देरा॥ हे से बीबेक र हीब
ल तोरा॥ प्रकास बीन बीबेक करी सीरउ॥ तबदी
न श्रेध काल मों टिग रउ॥ सम बोन से तो परसे हा
रा॥ श्रसत बचन मोह के मारे॥ कहे बीबेक सु
नो नरपत मोहा॥ श्रनेक उपार करे सो कोहा
को टि बान नीमान को डारा॥ सब्द मंत्र सो सम करो

रारा है जीवेकराजाव रचाना मोहसमानस्व
रनहीं श्राना चोरीघाने चौरासीमाही जहे
घटमाहिसोसहेमानाही जोजीवजो वीवेक
सोप्यारा जाहितमजाकरे सोगारा शानियंमो
तसतनरेसा राजाप्रजासाहसंदेसा जाहेह
महैताहासूपसमंतरा जाहेतूमहोनाहाइ
पकोमूला सोसोभरमपथमतेरेसाी शानवा
नवीवेकतव चाडे मूरखतमोहमारिरथकाढे

करैवोबेकमोहतनदीत्रा॥बीचलोमोहदेश्रनपी
गा॥बीचलोमोहरहूदीसमोत॥सकसह्वेथहुं
दमोटगरु॥दोहा॥कोमकोधआवरलोभमो
ह॥१हसमभमारेमारि॥जोनदोमांसेलोषढद॥क
हेकबीरबीचारी॥२८॥चौपाई॥नीजमनभयोथ
वनीरमसराऋ॥मायामोहभरमभरमाजू॥सह
जमीगासनवैवेबीवेका॥सरनरम्लीकेस्रों:
नदलेषा॥बीवसनवाजेभगातिनीसाना॥वेवे

वीवेकमाला सूमथा ना धरमउदेनीरमलमन
मंज् सभ्रमहमरणबीवेककेराज सूनोप्रममग
तिकोरीती आईकरीमनतनसोप्रीती वीवेकस
गरजोमटे सूनावे जोसमूझेप्रमपदपाव दोह
मैटेहुसवैबीवेकबर अटलमरणदलेसाखि
आवतमननीरमलभयो गयोमोहदलमाजी
दोहा जबलकमनबीबेकनही तबलकस
गेनतीर भौसागरमैनीरे आसकथीकहेक
ना

बीर॥३०॥इती बीजक सागर॥कबीरगोसाइं॥
सपरन॥सतनाम॥ ≡
लीषते॥कबीरधरमदासकी गोस्टि॥सबनीधं॥
न के बीजक॥प्रथमही करता आपुहि बीज
बोई जीमहि तही सबे कोई संतजन॥तबसम
से मेमोटजाइ॥जौन्ह षोज न जागबीली याद
टोहि होतसो मरे॥बालेगरव गुमान केतातेप
रीगोहूरी॥प्रथमाहि करतापूरुष अमीत बानी

सोहं १

जाकीरचि सकलरज धानी सूषनीधान सूषसी
धु जागर करनामेकीपाल सूषसागर पाव
ततीनेंगुनजेपे भरनवेह्मवेवता आपे
आप आपमिनतजन सरीर सोहंपासनकवी
२ आपुहितन् आपूमूनधारी आपुप्रेमगुरई
हाचारी आपुहिघेनवीजवीसारी आपू
पूर्व आपुहिनारी आपुहि आपुलपेनही
कोई तेहिकारनसमगरवीगोई हंम आ

सो
पनपत जुग जुग जीना। सत सो कहत रहे रह
शाना। जो कोई माने सत कर चीन्हे वचन ह
मार। ता के वारन वे के कहै कबीर [illegible] २
ऐ वट रतन रतन की षानी। वट मे थापू आपू
वट गानी। वट का थाजन काजपाया वट मे
धर्म वट हि मे दाया। वट मे वेर वट हि मे बानी
सर्व मत वट मे [illegible] ता [illegible] नी। वट मे चोर साजन
ट माही [illegible] पाप पुनि वट ही मे आती। व

टमैनीकटघटहीमैंदूरी घवाहिमैंहैसजीवन
मूरी सोनपंथघटाहिमैंकीन्हा सनसींघघट २
हिमेघीन [illegible] तीरथव्रतठहराया वाकू
पूजाघटहामीठावी घटमैमारकूफघूटमाही
[illegible] भूतप्रेतच्या [illegible] ही व्रजवध्यायाघटके
चीन्हो चतूरसूजान [illegible]किघटगढतताहीले
षी होमिकूव्रअभीमान कहेकवीरहंमका।
या सोधी जोजेही समूफेतीहितेसेवोधी

अपनेहृमैकीनबीचार देषोधर्मदासरु औरा
धर्मदासबाघेकेबानी प्रेमभक्तिभक्तनमेजा
नी सालग्रामकेसेवाकरही तायाधर्मबढु
तैरधरही साधुभक्तकोचरनपषारै भोज
नकरारुअस्तुतिअनूसार भगवंती ताब
हुतहीताई प्रेमभक्तिरसपीआहि अघाईम
नमनवचकर्मगोपाला तिलकदीएतूलसी
कीमाला द्वारिकाजगन्नाथहोएआएगय

बनारसगंगानहार बोलहिबचनसनमूषबा
नी मीथाकहेकबजनहिजानी रामक्रम्मके
सुमीरनकोरहो निथबतेब[illegible] मथुराप्रुस
नजबहिंगोतोमएकबारसोमेटे ३ कबीरबन
जीवारूपननधरेसरीर धर्मदासकोमीलेकबी
र ३ दिनबदनदर्स्रासूबचैनै हंसीमूसुका
यकहेमूषबैन धर्मदासतूमबडेग्यानी मा
हामहेसीतलमूषबानी तूमतेमक्रन देषो

स्रोनी घरतम्कोहाकवन स्रेयानी कवनरी
सासेतमचली स्रारे जईहोकोहाकोहमनसी
रे काकेभजनकरेचीतलाई केरहावलेले
कोनेवाई प्रडतमनमेदुघनते मानो करता
स्रोरपुरुषपीहयाली जोलगकरताचीन्हो
नही तोलागेभमसे वहिजाहीकतीर
थवतेकेकीन्ही कमलापहीरेलीलसीरही
न्हो काहै मरपुनिभागवतगीता

माई

टनमनकौजीता जीहकरतासोउपजेहोंसोव
सकेवनैबोरै ताकोचीन्ह परचेकरैछोडदे
कमहीन ५ रमैनी सुनिधमदासचमेमए
उ ऐसावचन काकेकहेउ जीदारपईनही
हमदेषा कहेवचनमूवजनवोसेवा धमदा
शवचन सुनजीदाहमरेदोटज्ञाना वासमो
रबाधौत्रस्याना वरनौसोदीजातिकोवानी भ क
जौरामक स श्रीसारंगपानी पारब्रह्मसेवोची

तलाई सीताराम सदासूखदाई सेवे माली
याम कौ पात। अर्धनामनि सैलात सक ये
लम कसौर हो अधीना। गुरु सेज जी न्हदी है।
दीन्हा मीथ्या वचन कबहु नाह कहो प्रे
मभक्ति मैं नी सदी नरहो। हमारे संक्याक हु
नाहि हमसे वाह श्री रघुनाथ जी नी धूर्प
ग्रहलाद दै वा ते। सो है री हम
पूछा वीर वचनो न मैं जी दा
चौपई

श्री मारा तमजेनीहोज कासकेचार रामनाम
समझुनीयाप्रकारे रामश्रीगीनीजैसे कावा
जारै कोहेनसुरतकरोघटमांहो बीना
वा न्हेवूडेमेमांहो जाकेकहोंनेदकेलाला
म सोतमसबनकेकाला दलवरकेसवज
हे संघार पमोजारहोवेलेगा रपमहवार
कोभक्तकहावे तिन्हकेसाहिषञ्जवा
दसरथसुतकाहिरश्रीरामा तीनकचीन

औपन कोमा : करताराम कै सैमरूमात
हीना : कपटमीरीगकोहैनाहिवीनां : कर हेरा
ताटश्रावेतहै : ईन्हे कोजमकै कोम : ईनं हि
श्रनेकैंपरलेकोार : श्रै सोकोस्ब : श्रोरां
म : ईं धरमरामहैनामलैमारा : कोहेन
चीन्हावचनहमारा : रोनहींरिट करीची
न्हावंनी : पाथंमपीलरपाथंमणनी : कर
नाप्रीयवजरीनैंहोई : एाहसंसैम
हि

न

नीयाँवै गोई सालीग्रामैहैवोसनहारा है
हसरूपतनसेजहेमारा सुनै धरमदासमन
करहीतवाना थीतकोबातसूनतमनम।
नो हुकरतामरमगवानो नामसोरई॥
नकैसेजाना ईनकोवचनज्ञानकोगाही
जोहामेषधुरेधुकोई याही थपईनसाली
ग्रामकीसेवा तीरथव्रतकोमेटेमेवा
रामकीसहकोमेटववानो हैजोहाकोः

सोक्रमनमहस्तखज्ञतिमणे

ऐसो कै सैजपानी॥ धुमदास मुख होय है॥ व
जतयो जवे रन हो कै देई॥ तैसा धामे रायरस
रा देई॥ जीदा हित तरै दीन्हा॥ रमनो गोरखी हि
व जारम कीन्हा॥ आप हो कोन मै देरा दीन्ह।
धुमदास पजे वे अपने देरा॥ मन मे धूं कीर
कीन बजतेरा॥ बारह वर्ष लीरख हं कीना
ह्वारा काजा एक आप हम लीना॥ जग ने। थूप
रसे चोन लाई॥ राम नाथ रचीन होय आई॥
नेपजापमे अखिरकीना

६ ग

ौ।सेसोचलपरहे मन सो जीन्हके मू

ह्र कटमोतीमाल दीपनपरबीगोदावरी ए३

मेलाभरेहरसतहोकीए३ परोसोवालमूह

रिद्वारा नीमषारमोसीरीपराधारा वहोना

थकेदारहोराए३ श्रीब्रीदावनमथुराकीए

३ मकत्रीवेनीपरसेउ प्रयागप्रसेउकासी

ते स्नस्थाना गाञ्चाराजगीहप्रसेउ गंगासा

गरकीए३ स्नाना ८ एतेतीर्थक्षेत्रमेधाग्ग

सरलक्ष्मसरखसकरलक्ष्मस्थाना

रहदुर्कै मैमथुराहश्चया मनेमारेनीसोस्य
नपायाजीरामीटगुथालीसंभमारी कोकीजेजे
सकेमाई जीतमलेछकथेचतुरा धरमद ६
॥ सपूतीनफरबोलो फैलीपारजेबनारचढा र
पा बेतीहवासावीलमनसोई लकरीधोई
करमाहंमंगाडी चौकावैठी करै असनान।
चौनसानजल अरहेनदीना आतिपवी
त्रसीतपैरसोई सालीग्रामकै भोजंहोई द त

करीचीतुटीतुटोञ्वपारा ञ्वमदासहीतञ्वोगती
नकजारा धर्मदासकेहुषमवनारी हरीहर
करहीपुकार जीवञ्वनेकपरलेमस ञ्वस
पैवाधरकार रे लकरीकाटजलसेवुका
या वुडावुकारवजनजलनाया जोकर
जरेसोजरगार भाई जीवंचेसोलीनबचाई
नफरहेबीजं दाहकरराई रहभोजनदाले
पाई जुहोवचनति धर्मदासतुमभक्तसुजा

लेकरीधीएरचौजैप्रनाए

नो॥ जीवकोदयाकोहेनैजानो॥ कौनौमैमन्न
नैकञ्चारों॥ नीरषिनीरपितृमकोहेनलीनो
नोतेमारदेवतनकोहदीनो॥ जौलौगजीव॥
दयानआवै॥ तीरथभमतजनमगंवायो॥ हसर
थसुतश्रीरामकहाए॥ तीनकौआनेकजीवसे
तारे॥ त्रेताकोहीबैरहै॥ कौसरेहहोएदी
नो॥ जेजेजीवधरीनोमारतो॥ तेसबहोएबदला
लीन॥१॥ [illegible] वचनहेमारहीदएमेधरीहै

सेसैनेहे कछु भोजनकरेहु आत्माकसु
कवेहूनहींजे रोचनप्रेमरेस मोनेमोहे
हरीनमीलेस्नानकेचाडे हरीनमीलेहववाग
देहमाके हरीनमीलेगोहिहारात्यागे हरी
नमीलेनीसूवासरजागे दयाधमेजे हिव
सेसरीरं तोहाघोजीलेकहेकं वीरं सोन
धर्मदासधीजेमनकीनो भलीसाधमोहिजं
देहीना ईनकेबचमाहारसषानी जोदाषीर
हरिनाहमिलैलैपकेन्नरथे हरिनमीलेनइक्रिकेसाथे ४

दोहा

ग्रामहैज्ञानी॥ग्रनपरसादपालरीभरीलीनो॥
फरसीकाढीलोभोजनहीनो॥हमलेजाकजे हा
जी॥हमकरीहैफरहार॥हमग्रघननकरीहै
पीरजी॥मानीहोमकुमतेम्हार॥१९॥ लेग्रसाद चौपई
उठै॥ग्रासन ग्रासनग्राए॥धरमदासफरहा
रमगाए॥सालीग्रामकोग्ररपनकीनो॥पुनिर
चिभोजनग्रपनेकीनो॥लीए ग्रचवनले ग्र
मीतमोल॥ग्रासनकरे सूचे

हरएकहरीचरचाको ना पुनिनीह्राखेम स
एलकौ ना रैनिसीरोनीमए वीहाना नपरस
हितउठ कैनिप याने धर्महासवाधीवलीः
आर वालगोपालवकनसूषपार जे हाव
चनहीईऐजवआवे अनरगनीवक्नसूव
पावे मरपीकिरकवररसनपाउं पूहन
आदिअनाचिनना उं सनसनसव ...क
हा... ...जानीपरीसवसार जे हानीह

वोह ॥ पुरषहै ॥ [illegible] वोसेवेंसहंमारश्शौ ॥ वोप
तौधर्मदास ॥ [illegible] कीनवीचारा ॥ ३ ॥ महोछा
करौभेदारा ॥ सीधासामग्रीहि [illegible] मगावा
वा बहुदस [illegible] सासकलबौल्यारे वैरागीवेह
नचारे ॥ नागावीरकनडुधाधारी ॥ गुदरीश्र
नौनावीधिवने ॥ जोगीजैं ॥ ह ॥ श्राखघने ॥ व
जततपसीश्राखसन्यासी ॥ जसावीभूतीस
नवीसवासी ॥ वाजातालम्रीरंग

सेघनादधूनीहौहिनीधांनां भक्तिमावसमंहौ
नकोकोनां ईहामोजनसमकोहीनां समके
ज्ञानपरचेधरमहास सूनध्यांनसमकेवीसवा
स बैरागीरथकोमूरतिवतावै कोईकाढिके
वेसनांमदीठाहै कोईकैलगोपारहिगा
वै कोईदुरगासेवसेकरधावै जोगीस्रवम
पूरखड़चारहै जैहासूमीरेस्रवटहघोहाई
सनासीरामहनवहरावै परमहंसस्वामि

नेसीगावै॥ एकबातकोईनाहीकहै जाना॥
विधिपरि पेचवु॥ धरमदास[illegible] मतसवको
मनसेवकोपाखंडीहै॥ ४४॥ समुझीपरासगरे
मनमाही॥ बोहजीदाकोमन[illegible] सोनाही
ववदीन सेहुरमेरहेउ॥ वजरेसूरते कासी
केकीएउ॥ धर्मदासकासीचलेजो आए ईदा
हेत्रामोदरसनपाए॥ भक्तरूपमूरतिसमूरतव।
नी॥ नामकबीरजगतगुरज्ञानी॥

लसाषीपदमारे जौरंभीरसभनसमूजावे ध
रमदसत हेनीवेगठे चरचाकरतवजवी
षिगठे पकीतसोनीसवैहैररे थाहकवी
रकाकाजनपारे धर्मदासचीन्हेसुनेज्ञाना
जीदापीरतञीहैरगनञ्चानी प्रथममोहिमः
थुरमीले वजतवादहेमकीन से नसान
सवक हैं मनहमारहरीलीन १४ धरमदा
समनहरोषतन [illegible] वजरेपुरुषमो

हिरदसनदीनो॥ अपनेमनमेकीन्हबीचारी
इन्हकेरौमहाटेकसारा॥ रदोउदीनकेवा
नेकहेहीं॥ इन्हकोमेदनकाकुँसहहीकव॥
रुभगतकवकहोरजे॥ दासोउगरहबलावे
वेदा॥ पनौघटमहकिसवीचार॥ लखुघरम
दासकोवदननीहारो॥ आहोमगनमहाजर
आरुपगुधारु॥ छिनसलखकाहि
॥ स
कहीतेमारवार॥

रतीतूसारवकहेमफोके धमेदासहेम
तूहैहेम चि न्हा वडनदीवसमेदरसनहै
ना वकतेज्ञानकहेहमतूमही मथुरामोह
मेटजे वहो तूम मगताहेमजे दाफल
र सोधि देखुसुनोमातधीर मलीमईजी
दरसनमर वकरीमीलतूमस्पार जोस्रव
केमोसोमीलो तौजुगजुगवी दरसनहोए थ
धरमदामहीरे सबमरे मनसूबधार

नरौमेर्से दायासी धुचीनरौ मेरी नैना ॥ बूहैरे ।
हवे बिनु सिनु देखैनो ॥ धरमदास कवीर
॥ नीजमेदा ॥ सौं सब्द के घो लोक पाटा
प्रगटे ज्ञान ध्यान की घानी ॥ सत साहबोज स्त्र
स्तवानी ॥ जो कोई सुनै चौ मन लाई ॥ सें
सेटरे पाप सो जाई ॥ धरम दास वचन ॥ धरम
दास पूछे कर जोरी ॥ सुनो कौ पानी ब्रिबीनत
मोरी ॥ वीनु पूछे संसै मेरेही ॥ ति२

अवातीकहूकोहिए कोतूमहोकहासो
जोनो कोहातूमारनोजअसथानो प्रथमे
आपननामसूनाऊ कोहिसेवूजतमक
कैधाऊ कवनपूरूषहेसीरीजनीहार
कंवननामहैप्रानअधार सतसतकहेमे
हिस्वामी नीहपूरोतोहि मनकीससेमेट
हो रामवताऊमोहि कबीरवचन सूनो
धर्मदासजोपूछैमोही सतसारसमूझाऊ
त्रिवेणीतटकोअनगामी चौपई

तोही कपट रूप जनी पूछो मोही ॥ अजर अम
र कै रा घोतो ही ॥ कूठ कहोत मो को पापा ॥ सो
ई कहो जो हरे संतापा ॥ जो तुम सत सनमान
ज ॥ वचन हमार ही देइ मे दर्न ॥ धर्म दास व
चन ॥ कपट रूप जान मो को मानो ॥ तौ स्वै हम
हि चपन के जानो ॥ हम घोजी रास्वा घोजे मेर
हो ॥ सुनै ज्ञोन जो सतन मानै ॥ तौ सु कहि ही
र गौ जो तोव घाने ॥ मेट जम से साहव मेरा ॥ स्व

ग्रव अंक कहि

हि हि

दोहा

के

वनचरनगहोनम्रौरा सोईभेदवताउज जोहमै
लपोतीर ज्ञा वागवननेवारउ जमकोक
गहकीरे १४ कवीरवचन धरमदासनीर
पक्नीजनैना हेमहैसनपुरूषसूपचैना
हेमसृकीनहेमसनकवीर हेमहीस्यैं
धेमतधीर हेममनीधनीज्ञवरनेंज्ञाना हे
मद्दीपि पानपूर्वपुराना पोचननहैसाउ
हेमार तीनीगुनहेमहीज्ञनूमार वीज

वीहेहमहीगुनधारी॥सकलसीष्टीहेमपाहे
मारी॥हेमरेभीतरसभकोईसहै॥बोलनहार
हेमहीहोएकहै॥हेमसबमेहेममैसभरही
या॥सब्दरूपहेमतेमसोकया॥हेमहीमत
सारोउजीआरा॥हेमहीजबहरीपरघनदा
हा रो॥हीदेऐबोनकेदेषज॥चामडसेसैसूल
हेमहीपिंडहेमपद्मौ॥हेमसाषाहेममूल॥
गुर १८॥धर्मदासबचनसुनीधरमदासकैसूघ

मोमारी धनकरतावलजोतुलोहारी जेतूम
ग्रीरपूरुषहोसाई तूमपरेकरता ग्रैरती ई
मलीवनीहेमहरसनपाप पेमसूखसगरे
चलीग्राया वीजवीदतूमहीजो ग्राहे सव
वीसतारतूमरेमाहे सतकवीरनीजनामतूसा
र प्रेमलहेनवडभागहेमारा करताग्रादि
पुरुषनीजपाप मनपसारिपुरुषोतमाया
ग्रावकहीरुग्रादि गतपानी कै

सैरचीसकम [illegible]

कैसेचाप [illegible]

नाही पाव [illegible]

पद कैसेकं [illegible]

सें तें [illegible]

तो [illegible]

कैसे [illegible]

पी [illegible]

तीर्थव्रतकरनवहराई जोगध्यानकेपंथचल। ई एकहीतेदोसरकेहोकीना ईन्हसवकैसे तूम[illegible]वीन्हा रामनामकहीत्र्प्रातेत्र्प्रारा [illegible] पटदरसनमेपरीठावा तूरूककीतेव कोहातेपाघा कोनेभितिवयकरव [illegible] नाप्रा कोनभक्तकोपरवेदीन्हा एसभकाकेमए त्र्प्रधीना पंथ[illegible] रसकीड[illegible] केकीएउ वी जघेतकैसेनीरमैउ कैपोथीवीभग [illegible] मोगेर्ते
तोरा

केसेजोगसरार काकोबीजविचारेगे स्वकंत्तसी
१५३ ए मे मार २ कबीरवचन धर्मदासमेक=
होबूहाई तमनीकेकेसमूहोभा तमपूरत
होवडजतेनीको समूफेनाहीजो अवहो याके
नहीहोतेपवनअरु पानी याहकपूंडम
नहीमननी जोकहीएकरताज होहोतेत
म हेन हीपूनीएकेहाते सत्तसमान जेहोतेनी
वानं धाधू पोतीपर

नसरूपहमार अग्नितेजननतनुसेवारान
तुमाहहमततूहिमाही एहीमहेकेर[illegible]
रूनाही घरमेजलजलमेघर जीवस
रूपवोलताथा र सवहेमारासतनहै तूमजन
जाहुसरीक मोरेमूक्तीजोजानो सवहिहवे
रूपरीक रहेजाहि नपुतमहेतारी नाहीता
दि नहेमअकेलाआही एहसरूपसाजनन
एहीसीसनजापगयं मस्तेही कोमश्रेकू

रवीजवलमाही ईद्रीपाचलतुमम ग्राही ईच।
रोहममानुषरुपा आरअतममई हेसरुपा
नीजसुतह आरकीरचना ईदाप्रगट काम
कलपना ईदारुपप्रगट मईनारी जा कोतेज
पीप्रीभीमारी मइ सुरीत वहु आतिकाढी
ईछाकरत आरमई गाढी आतिसरुपलनमी वेद
गसलोना पुनीतवेदजोते असवां साहासते ना
अते सुंदरी चेन अनुपरी साल

केवमेमिर्ति गजगामीनीदुीगनाव २२ बे
रुखे रुमोगटी हेमतहेसि वचनमुख
काढी सुनङ्केनमेंईद्यात्ते री तेपीक्षे
स्वाहवेतेजोरी एतोकहनप्रसनमनमे
रु३ सापासमहोत स्वागतेहिंदीतु मोकहे
दोमहर्षमनक्रिमा मनवानमेवोहीचीतर
न्हा मरुमेजोगमोगसुखमारी माहाप्रेम
सुखपायोनारी नीर सीपदीपहोरस्वाद

धरैनामसकलजगजाला सकलसिष्टिजी निरखीसवार

स्वाति बूंद बीज जलपाई नार बीदएक
घटसमानो हीरफूट चूनीबीलगाने ए
हीसंजोगतेभएवीवालो जेठंबुस्वारघे
घ्रकेवार नपूसं भुवीघ्रलेछोटाएनी
जम्राहहेमारेछोटा जस छविवानी
केबने तैसेंपूनेहमार सोईरूपसकलह
वि एकबीजबीस्तार २३ पुथमहि होई
सरूपघवाना साचहीसाच च नीनो

नारीपापनीधर्मञ्चमागी मोहाप्रपंचउठाव
नलागी वचनवेसूधञ्चकीटकछुनाही
ज्ञानमेंटरहीहएहीमाही कहोवातकस
नकोमानै कामकेटलाकोमैजाने माहा
प्रवलगर्वगहेली मोहनीमेंमतजोवेली
ञ्जनि रूपजोवनमदमाती ञ्चवरसूनाथ
कीकरतंती वेवाञ्चंगतेप्रगटीञ्चाई ता
तेवावाञ्चेगी कहाई व्रह्मठलेती वारनैवा

कौ दोहा

दलेवीवदीवरूपलोमाईसूरनरमूनिईत्या
दिंकासकलसीष्टचसकीन्हाऔसीमायामेंहिं
हनीसरवसरुलीन्हीसनीईपरमदासेम्वो
नमानासतसतकहोपूवानाचीजरूपपुरुष
नहोतेजोरचनाबीजचीनूकोकरलेपाचत
तूबीजतेहीमाहीसतसतरहकरताआहे
जीवसतहेबोलनेहारपानीपवनसंजोगसे
वारीपोथीयतीहमनीरवेषा ॥ का

सतकबीरकहापा ईहे आहि अवरनकोई
समुझि समुझि जीव आनेरहोई बीजतेवी
जसैसारा देहीभीतरदेहीसेवार सांचहो
तैसेचावलीआवा गटनीहारहं मनीहैपाव
आन्हेमरएहरघजीवमाही अवरनंआवैन
ही आपुचीन्हेआवनसाजसमेता सतकबीर
सतहैकरता अवरजहांलेसोनवरतहै ते
कथनीसमहूव अलखबतावैपीनवीन ॥

चौपई

परषनहीमाठारयौ धरमदासचेतुङचीमलार
सैसे घोषारेङवहाई पाहनपुजे जाहीबीगोई
चेतनबोलतालषेनकोई धरमदासमनकीनं
वीचार सालीग्रामगंगामेंमार लेतूकानोरी
कीवोश्रसनाना समूझीतुपरवूरनघवाना
साचावचनजोनीसमपरीश्रा समूझोसमो
रेपावतनवधरीश्रा [illegible] तूमतेपूर्ष
श्राहिनाहीश्राना समवटतूमही नी

मोरेखटतूमहौहोस्वामी चीन्हीपरेतूमखेतर
जोमी तूमवीलीकीश्रंतरराषो भूगतेनरक
जोहोसरहेपै आवकहोए अवरभेदवोल
रा कैसेमूलीसीसटीतूसारा कापरपंववेकी
नमेवानी सोसमकहोजलसूरज्ञानी कैसे
बीतूरपूवतूमारा तूमकहेवाहोएरहनीत
रा तूमनोसतकवीरकहावा ईन्हनीरा कार
कैसैगहरावा रामनेनामजगमोतरेसारा सो

सकल श्रीस्ट कौ प्रान अधारा ॥ तुम ही पेम तुम पयो
आही ॥ तुम बीना कत ऊषा लीना हो ॥ कहा ग्रतनअ
मम लो ॥ लषो ना काऊ मूल ॥ सभ सं का मेट ऊ ॥ एक
हो मीथ सभ फूल ॥ २६ ॥ कबीर बचन ॥ धरम दास तुम
सही बोचे की ॥ आपु अपनपो नी रखे देषी ॥ समूपो
सब्द बजत सुषदीन्हा ॥ अब न हीं हे भ्रम तुम सोभो
न ॥ तब तुम मरहू हे मारे माही ॥ पेम बीज के भीतर
आही ॥ पेम बीज ने मारम्ना ही ॥ सकल लोक मैं तु

महीसूनोउ मायाकेपरपेववनोउ मापापीनोव्र
दिमैवाती माहाप्रचेमक चेमीकरनी मैंत्र
पनाकोनारीठरगु उलटेकालहीकेमरु
वेसावीखसीवकोवीस कीनो सूतहेमारहे
मसैाहरीलीना एहीभैरकाड्वीरलेनपाय
चीश्चावरीवश्चादहोरश्चावा सोईसरीने।
मंधराएसी सरूपनीरूपसभैधएधाएसीश्व
गीनीरूपमनमोहेनी प्रगटसक्रनसमैत को

मवानतेमारसी नेतृ [illegible]

रौकेचलोनिवानी [illegible]

सी गजजेपगृ [illegible]

म्नेकेसी का [illegible]

कुरौहततैपन [illegible]

चेहमृ [illegible]

गारा [illegible]

जाव [illegible]

नहेमीर्नीचंमकेसैसे धरसूरेगवीवकलेजे
से नैनीवरनकीपहीरेसारी पूवनचलेचलीमे
हेतारी वेसाकोंमनहरलीवारे रसवसीमाः
न्याकीन्ह नवमीवमहनप्रचेदमी भरएलाज
कोनीतेमानी २८ कहेवेलासुनीवचनहेमा
री नेमरूपनीधानकवनकीनारी कहेमामीनी
न्यवरनोकोई नेमोरपूरूपहेमहीनोरजोई
वेलापूछेचीतलाए केवनेपुरूषनीहीनीम।

प्रमजोतिहैप्रहघनीनार॥ जीन्हेजन्तरसमर
पसंनार॥ तोहिकारनमोहिरचनाकीन्हा॥
वोहीप्रमधनीसमकृतेभीना॥ सुनीव्रह्माकोम
नपतीआना॥ मातोकोचरनकचन्नेवरनजा
ना॥ वोहसीवदनरसरंगचढाया॥ हंसतन्ने
ची कोचमोहिलगाऊत॥ सूधिबुधिव्रंह्माव
केभूलानो॥ होदेरैलगेकोमकेवाना॥ मऊ
पसंगसुवसेजञ्रवाना॥ पार्वतीनीपाप

छलवानी ऐहीवीधीवीसहीकीन एहीवीधी
सीवहीलपटसी कोजेत्रीआचरीत्रनचीन्हा
रऐ श्रीसास्रधीजेमइअरमोवनी केन्यारु
पकवजेनअवानी प्रथमहीमोहीपुरुषक
हीवोली पुत्रनछलीसतसोंफेली आईव
हैप्रगटीनारी पैराईसकेमेंघेनसवारी प्रथम
हीतीनुप्रत्रउपजानी पुनीहेमसोवीछुरेवी
लगानी कालाकाछकेपैजसमानी पुनीम

ईतीङ्कीबरूआरी॥ तीनङ्कूंनी आचरीत्रनजा
नी॥ कामवीनतीनङ्कूंबसकीन्हा॥ धर्महासस
मूछोउतीहो॥ देवी आतलीगमएहुवमोहो॥
पूजनसोकीन्हो अटपाट॥ तातेमएचौरासी
गेउ॥ मातातेमेहररामई॥ पूतजनेएकैन॥ त्रै
सीमा आप्रबलहै॥ सूनोवीवेकीसंत॥ ३०॥ ब्रह
वीस्नसीवसोहंमकही आ॥ मायाकेछवतं
मझंनाहीलही आ॥

चारी कोहेन चौन्ह परी महतारी जाहीते कोएङ्ग
भोगसब सोतीरी आमातातेहारी नासकेन
हेमनैसे तूमसत आहिहे मार नवतीनङ्केसू
तनीरेषेङ्ग मोही तूमको आहपू चोंतेही स्ने
मीरवेह्ला वीलफूरेवात नी हैलबङमाता
आवरपीता एकपीता कौतीनङेमाइ आदि
नारीतूमारीमाई ये पापनीछलतूमसोंकीन्ह
तूमभतूलेवाहीनचीन्हा ईहातेमैवाहीउप

जाए॥ सुख संजोग तुम नीर माए॥ स्त्रो ब्रह्मा वीर
खम है सा॥ तुम तीनो बीज है मारे श्रीसा॥ बीज
के गुन चीन्ह कृ वानी॥ पीता पुत्र एकै सही है।
नी॥ हे म जो पीता है सम पूत्र है मारा॥ ही ईएं चेती
के करऊ वीचारा॥ हे म करता प्रीथिमी पति॥
तुम तौ पुत्र हे मार॥ नीमी रीत दूवन मातऊ खनी॥ ३
कस भुली श्र की लीता हारी॥ सूनी केती नीच
कीत मरगु॥ सत वात पापीनी छल

साकेमूमवीसनीहारे सीरवीहसेमीनरमनः
मारें तीनऊकेमननीहे आवा पीता आहरह
समसमूफावा तवतीनामीलीपूबनसागे हे
महीवोमीतूमकीतउगीभागे नारीपूनरतजी
काहावारहेउ काकारनजो श्रेतरपरेउ के
रतावचन सूनोवेग्यावीसमहेसा नीहेस
नऊ आदिउपदेसा जवहेमहाने आपूछ
मेला पानीपौनप्रीथीमी अनीलएकमेला

गुनतीनी कीन्हो वीस्तारा।वेह सुज होइ नैनसे
सारा।ईहे रूप अवी देह है मारा।मैसे रूप तुम्हा
रा।स्वर वर माज को वेन चले।चीन्ह जसी रीजनी
हार।३३।सुष को सागहे मनी रमावा।सेनत:
मोर मो ही मो श्रावा।नारी पुरुष हेम कीडोरा
कीन्हा।रूत संजोग वीज वसे दीन्हा।काहे कव
रनारी वटवरी श्रा।रजावा को वीज ममपरी
श्रा।रज वीज संगी जीव समो

पी

जोरनजलपवाना सरतीचेतनबोलतानाहैमांझ
हेमहीतमतमहेममममही सोलजरहेरीजीऋ
कारीगर तषसीषरचतरहे बटमीतर वजन
लीलादनैनजी ज्ञारा सोवेलैसोदेषनीहा
रं ष्वरंभमारसवदेहरकीन्हा जीन्यावरतम
मरसलीन्हा सोभीगानासीकाहूवीकोमूला
जोमेघेलेपवना सोहैमोहेधुनीहोत्नहै एह
नाहबीदहैजेवन उध प्रमूवेदनानामीरमू

मूला॥ बहमेमकवलजाहीफूला॥ नवोबारनव
जक्रीसंवारा॥ हीरेएकेगकरश्रेगारेन्यारा॥ के
गसेवारीहोएवरश्रनूपा॥ पावपीकूरीपूरनस
रूपा॥ तीनिसैसागीदेहमेंचीरा॥ बनीसदसन
श्रनूपमहीरा॥ कोंहनीकोंचाश्रवरहपगरी
करश्रेगश्रंगमागेबजतेरी॥ चलीबेकोंकर
पावसंवारा॥ देषनकोंकरनैनहेमारा॥ श्रव
नस्रूनकोंसरवंनेवीवर

लीलाकमूकुटरवी राजा सातुसमूदुसरीरसम
ना वटमैसेसवरहीमैभाना रसतदूतीनोगून
पाचततूवटमाही सोहेसोहेवोलता एहके
रताहेम स्राह ३५ कवीरपरजापरजाजोरीके
वटकरीजेहोन ताहीनचीन्होवोरा जीन्हरी
न्हौएततनोसाज हेमहोसतसतहेममाही हे
मकोफूठकहेनकोनाही सोचवातकूवजो
करई स्राहिमंवानीमीथ्यावोली तूमतीनू

छुहैसनसैदीसो॥तातैवोहीनेमरणीनारी॥ते
नरयरैहीस्नहीहेरा॥कपटरूपतेहीमैतुवी
भागी॥हरीमरहेमदेषनलागी॥धीछैछोहहेम।
रैतोहीलागी॥समूकीयरैतनुमदनमागी॥देव
ऊषोजीप्रीथीमीसारी॥एकैरूपएकैअनहा १
री॥मोतातौमकहेजोतीवतावा॥छलप्रपंके
वमदीठावा॥एतनीकहीहेमतठौर॥सनूधमर प
जग

धी

न्पझेची आए ३६ पीयीमी अध कलाउपज
वा न्नवीतु वीगंगनवेनक्षावा चेमकेवी
ज श्रामनुजी आरी न्नगनीदुहदेषीमेहता
री ऐककलावेसीवसवारी सीवपीठपर
भईश्रसवारी न्नस्टभूजाधरेकलासेवारी
एकएकंत्रतरभूजासवारी न्नगीनीव
हरी श्रीसैलपकेदेही चेंदुमूपिमीगलो:
चनतेरी एककरथपरएककरषामा ए

एककरचक्रएककरमेरु॥एककरमृदंगए
ककरगादा॥एकंकरफांसीत्रीगुनकोफंदा
एकंकरवांनधेनूककरलीन्हा॥एककरढा
लयोटनकीन्हा॥सहसकलाअवलावल
गेनी॥माहासक्तीश्रीआदिभवानी॥मायाम
हामोहनीजगत्रयकेचीआए॥भएकंपमान १
या धूया॥मनमेंरहेसंकाए॥३४॥तीनौंके
परेखभा

गीतीरूपहै श्रीतनुजी श्रारा श्रस्वमुजातनुदे
बीरमनारी कटकैकेनीपगनेवरसोहै सीः
ढबानीत्रिमूश्रनमोहै श्रसट मूजा श्रवहीः
सीन्हा काजलरेषनैनभरीलीन्हा बीदील।
ललीलाटसेवार नैनमालमीग श्रीतनुजी।
श्रार पाटीपरीमाग श्रीतनौनी वूरीपीठी
सौकाटीलेवैनी केव्रूकीकसहारपरहार।
जानूसूमेरसूरसरीधारा मोथेमूकटचेत्रचः

विसीमे ॥ अलषरूप आदि मनमोहै ॥ पहर एक
हैनीरषेउ ॥ सकल साज मजगूत ॥ चपल बातुक
हे वेह्या तू कौन वीर औधूत [illegible] वेस्याउँक
वेस्या कहै दोउ कर जोरी कहौं वीर न लजाउ
बहनेरी ॥ केवन दीसा तें तुम चलीसा ए स्ते
कोन काहा तुम पाए ॥ वीस्म कहै जनोराव
ज्याई ॥ अपनौ नाम कहौ चीत लाई ॥ अपनौ
मोहै मोहै मोही वनावज ॥ श्लोक नक्नफ

रमारङ्ग सीरहीं काहा अवबीलमनकीजे अप
पनानाममोहिधिगीटजे बीनोवोलेदेहमका
जानी रूपतूमारदेखिकरमानी बोधकरोतूमभे
रवताउ अवजनीअपनौकमे दुरारङ्गवस
बीलमहेसको देषिबदनमुसकाय सकलः
भेदहंमकहीहोतूमसों जोतिनीहुलेजसीरमां
नी ३२ मायावचन तौआरकहीबेअनुसार
सुनीब्रह्मासीवनीलकूआग अवपरूपमैअ

ऋौरमेवानी।मैसीवनाहनोडुंगरनी।मैंचमे
मैंजलपारेवी।वाकीवातनीमैऋजगैवो।मैंगाई
नीमैंभसमंतो।मैंगंगाजेमुनासरोसतो।मैंईश्रीत१
नीलोककहेमोऊ।तेमतीनऊसीसरत्रमेसोऊ
मेहीरमैसोंनोमोंतो।उफगानसकलहेमारोजो
नी।मैवाकवारनीसरदामाई।मैंनोनऊकेहर
सदासहाई।मैजोकरोसानोस्वेहोई।हेम ७
लीऋवरनहीकोई।जाहनीवा

जाहीसमारेहोताकीवे सुनोबेस्याबोलेअरसी
व जोमोहीसुमीरेकोई राजपाटदेजुहुवसीर
दुषदालोईनहोए ५० तबेस्यापूछेचीतलाइ
कौनपुरुषतोहीनीरमाय केतोहीसीरजेअ
स्टोवोहा केततूमारकेहूवासोनाहा कौमाता
कोपीताहेमारा हेमतोतूधुकरनअवतार
नारीएकहुतहेमसोकीना ताकोकपटहेम
नहीचीन्हा पुर्षएकअवरडुवलोआवा अ

पनानिदवोऊसमुकारा॥तुमअपनावलवऊतदे
षावा॥तुमकाकीकलाकाहोबसपाङ्गा॥नाहिव
ताऊजोतुमकेहकीन्हा॥न्हेंव ऋव धतुमको
हाकेदीन्हा॥जोतुमहीकरीवोह॥सोईजेहा
महेतुमहीसुषहोई॥सीरजनीहारकहनहे॥
तुमकाकीवरनारी॥हमकाकैसलतीसङ्क॥सो
मोहीकहऊसंभोरि॥४१॥मोलावचन॥आदि
सरसतीमायाकहाई॥नीगु रेरहे

प्रेमपुरुषहैजोतिसरूपा जाकेनाहीरूपअ
रेषा सरूपउन्हीलषैनकोइ ररंकारधुनी
सुनीमेंहोई पाचततउन्हकेकछुनाही गुन
तीनोंसोन्यारा नावोहउपजेनावोहबीन
से नावोहघटैनावोहबैसे उनकेसीसनपा
उ जोतीअपारअथाहअतावा नानारीनापु
रुषकहावा अपरमपारपारकोनपावै अलष
पुरुषवोहअगामहै वोहतौधनीतूमारमया।

कहेसूनोब्रेला॥उनसीनीजोरूपहैमारा॥धरबी
सबकहेसूनोआदिमेबानी॥उन्हकैनोहीकच्
रूपनीसानी॥तिन्हकैसैतूमकहीनोरमाता॥आ
लखअपारवसेकेहीगावा॥मायाबचनसूनो
बेलाबीलसीवसंकर॥मोकेहीरबहीसकलग
नर्कमा॥उन्हकेहेतूगर्भमोहीरहीआ॥तूमतीनो
सतजनमऊतहीआ॥मैंतोआदिनाथकीचेल
तूमऊतजीहेमरहीआकेली॥हेम

महीपैसाया हेमरो अतनाकाऊपाया मैंमेसवती
श्रीदनाथकीचेली मोरकहौकवजेनहीपेली
करेहेकारवोहएहिसंसारा श्रारएहसंमसौ
न्यारा वेह्मावीसमंहेसरसूनो पौकरतावर
नाकोअमतमनहो एहनीह्वैमानऊमी
र ५३ वीहौवचन तौवीसकहेमीननीसनू
मोरी सभवीरतेतसेनीहेमनोरी पूर्वएकहेम
दरमनपावा हेमनीनऊकेउसेमूकावा

पीदप्रानजसहैमरूपा ॥ ऐसैवोजकहैवनेसह
या ॥ ऐसैहाथपावमहैकाना ॥ हैमतीनजकेहै
हरसनहीन्हा ॥ तेन्हवोलेतंमपुत्रहैमारा ॥ वोह
मातहैमपीतातुमारा ॥ तेन्हतवचनकहीमीर
आरी हमरीईछातुपजीनारी ॥ तोऊहैमसे
जोगसूपकीन्हा ॥ कीलाहैतनारसमदीन्ह
तातेतीनोपुत्रजनीजाए ॥ ब्रह्माबीस्नमहेस
नामधराए ॥

महीपैखाया हेमरो अतनाकाऊपाया मैमेमरेती
आदनाथकीचेली मोरकहोकवजेनहीपेली
करेहेकारवाहर्गहसेसारा आएरह समसो
न्यारा वेह्याबीसंमंहे मरसूनो पोकरताबर
नाकोअमतूमनहो एहनोहै मानऊमी
र धउ वीहोवचन तैवीसकहेमीनतीसू
मोरी समवीरतेतसेनीहेमतोरी पूर्बएकहेम
दरमनपावा हेमतीनऊकेउसेमूकावा

पीदप्रानजसहैमरख्या ॥ श्रै मै बोज कहै श्रेमह
या ॥ श्रै मे हायपाछे है कीना ॥ हमततानजेकेद
हरसनहीना ॥ तेन्हे चो बैतेसपूत्रहैमाग ॥ त्रै द
माताहैमपीताकैमारा ॥ तेन्हेतवचनकहैसिर
श्रामी ॥ हमगाईछोतुपजोनारी ॥ ताभीहैमग
जोगसबकीन्हा ॥ श्री लाहैतेनाळमधंदोन
तातेतीतेपूत्रतजोनार ॥ वेसावीमकमहैख
तेमवरार ॥ रहवोभितनहैमर्माकरा ॥ मपक

तबपेंचबङ्कीन्हा मीथाजनीकहोमाता तैकर
नाआपनैचीन्ह धध सनसनजोंवीरनपुकारे
तौमाआवेभपारपभीरा चौकीउठीमनमोहमर ।
ना रहीअरगारमनहोसकुचानी तौसीवक
हेसुनोहोमाता अवजनोगोवसी अपनौकेता
हेमतीनोजनकाकेजाउ तेकैसे अपनौकेन
डुरए नवहीऔधधुनीमईमोवैनी अपनी
मैजरोपीकेगनी सुनौठ्ठस्मावीरनमहेमा

मैजोकहीसोधरेवीसवास्या॥जाकीजानकहीन
समोसो॥नाकीबातकहीमैलेसो॥ञवटपार
आहीमारवैरी॥वोनाहीइहेमारीमेरी॥मैआ
दिकूंमारीअजीतवल॥कोईनकेतहेमार॥प्रम
मजोनिरंजकपूरूषहे॥सोमारसीरीजनीहार॥ध प
जभयीवृमेटिपापीलीवोली॥नवतीनकंकी
मेला॥ब्रह्मावचन॥ब्रह्माकहेसू
ताकहीहेमवक्रनपीकाई॥

तीमेने जोएहकहेमोनीहोस्येजोनो वीसअम
हेश्वरगोनी सीषसकलमोरमैमोने रजगूनवे
हाकोवेवहार मायापछमरश्रधिकारी वी
लसतोगुनसतपूकारी सतवचनउन्हीप्रगट
पूकारी सतवचनहीदैसैमूषकाटी नातेदीन
दीनप्रभूतावाटी तमगूलसीषमौलासनमानी
हर्षसोकक्रमनमेंमाही वसमहीमेटोप्रचं
कनई तोनोसतवसे)कीन्ह लीलालीवेसम

श्रीस्टकेहे॥ऊनतीलोकवसीकीन्हीश्वव्है
ह्यावचनहेस्यापुछेदेगकरजोरी॥सुनोमंता
मीतीरुकमोरी॥प्रेमजोतिजो लेहरवेंरा॥सो
काहावसेकवदरसनपाया॥केंवनवनये।
हपुर्षपुरेमनो॥कौनवोसागन्हकोश्रस्याने
केसेरूपरंगहोविदेहि॥कोहावसतोहप्रेम
सनेही॥काहानोमंत्रकोकहीलीजे केसे
प्रेमसुधारसपीजे॥केसेत्राकोरदरसनपा

तीमानो जोरहहकहेमोनीहोस्वेजानो वीवजेम
हे स्वरगानी सोऊसकलमोरमौमाने रजपूतवे
हाकोवेवहार मायापछमेर अधिकारी वी
लसतोगुनसतपुकारी सतवचनउन्हीप्रगट
पुकारी सतवचनहीदेऐसूवकाढी नातेदीन
दीनप्रभूताबाढी नमगुलसीऊमोलाम्नमानी
हर्षसोकवकलमनमेंमाही वसमहीमेदीप्रचं
डनई तानोंसतवसोकीन्ह वोलालीवोसभ

श्रास्त्रकेहे॥इननीलोकबसीकीन्हा॥पेहावे
ह्मावचन॥वेह्मापुछेदोउकरजोरी॥सुनोमेत्रा
मीतीइकमोरी॥प्रेमजोतिजोलेउहरतो॥सो
कोहांवसेकबदरसनपायो॥केवनतुनयो
हपूर्षपुरांनो॥कौनदीसाउन्हकोअस्थांनो
कैसेरूपरंगहोविरोहि॥कोहांवसेद्रोहप्रेम
सनेही॥काहानोमत्राकौकहीलीजे कैसे
प्रेमसुधारसपीजे॥कैसेताकोदरसनपो

तीमेते जोएहकहेसोनीहीस्वेजोते वीरवंम
हेश्वरगोनी सोड़सकलमीरमैमाते रजपूतत्रे
हाकोवेवहार मायापक्षमेरऋषिकारी वी
लसतोगुनसतपुकारी सतवचनउन्हीप्रगट
पुकारी सतवचनहीदेसैमुखकाटी नातेदीन
दीनप्रभूतावाटी नमगूलसीवभीलामनमानी
हर्षसोककलमनमेमाही वसमहीमेटीप्रवे
कमई तीनोसतवसीकीन्ह लीलालीवोसभ

आस्टकेह॥ एननीलोकवसीकीन्हा॥ धह॥ वे
ह्यावचन॥ वे ह्यापुचेदोउकरजोरी॥ सुनोमेता
मीतीएकमोरी॥ प्रेमजोनितजोलेहहरगहो॥ सो
काहावसेकवदेरसनपायो॥ कैवेनवेनयो
हपुर्षपुरानो॥ कौनठौरमांहनहकौ अस्थानो
कैसेसपरगहोविरोह॥ कोहावसुप्रोहप्रेम
सनेही॥ काहानोमनोकोकहीलीजे कैसें
प्रेमसुधारसपीजे॥ कैसेनोकोरसनपा

वो कैसे वरनकर ख़्वीतलाये तूमकहे कैसे
उननोरमाया हमनीनीवधूके सैनीरमाया
कौननजोकहाजीररहाई वोसवचनकाहे
काहाई पानीपौनकाहेते आया कैसेपथीम
ममगा अवकहोमोहिमनारीके नीखेपू
वोतोहि मोनिदेहिहेमनखे जनीमटकाव
सामोहि माया चन जोनीमेवेह।
पछतमे या हसमनेन्यारा

अगमजोतिवोहरूपअपारा॥अथकजोतिमहँमि
कोकहाइ॥तीनीलोकतेन्यारारहई॥तेन्हकेरू
पवरनकछुनाही॥जहानापानीपौनअकास
ररकारधुनीसव्दपुकासा॥तेन्हकीयहैओभी
हेममाया॥हेमकहेकीपाकरेभ्रमराया॥जव
वोहधनीमोहनीरमावा॥तवहेमजेन्हकार
रसनपावा॥पूनीमोसोंवोहमरअसोपा॥जैसे
सुर्जअस्तहोएकोपा॥

रहोइसीसनवाई कौनकरनवोहयूर्छै कहो
तासमूझाए ५८ मातावचन स्मनारेमवर
नेहीवानै अपरधरेतुनहेह तीसीलोकको
हरे तोहाहेसीपुरुषवीहेह सातसगतेस्या
अकीसद्गुहेमसेमीन तोहाअपरगुहवअ
गातरहे तुमतेमूर्तिकेचीन्है ५९ सोकोस
अतोपजवसरउ तवमैतुम्हकरकरनाव
मव जेनकरहेससीजनलागी मोहितीक

एअनरागी॥तौगुरअगेअरदासकीबानीपी
रथीतौकहीरवीमेंबानी॥औरनीसानुगोएकवे।
नी॥साधातोरहीईहैमहोपोनी॥सबेननासनद
परमोहीमाघ॥तोहिमेंबानहींईहै॥सघा॥उन्ह
केवीचरेदुधमरमोही॥रोवतरोवतअतीपनवी
चोही॥करसोकरमीजीधरीध्याना॥वोकित
अवोपमएप्रमनीधाना॥मीजनहाथपूसक।
प्रचार॥तौब्रह्मावीसनमहेसजन री

पुनीजनमेसेकरसी[illegible]था मैश्रादिमेवानीभई
सेनाथा उन्हेकेजकूमपुगटभई हाथश्रेमम
एमोहि वोहश्रमदफूटीपुगटभए सोसमुझे
जतोहि ५० देषीवोवाकोएहवीहारा नैसव
थिजेमजालपसारा ममसेजोगवोयापुववी
यानी श्रमापनमोहीमैटीवतानी प्रमजोति
हराएसीनारी कहेवेकोपामएमोहीवारी
हाथनमैफूवावतलाठे केतसेजोगसोगप्रछ
पावे

लावरकहीतीऊंसमझावा:तेमतीनऊंजसह
धोरीपावा:फलकाफूटिफलजोगसुत:तेवतमुपे
दाईससौमेरुउ:प्रथमहीप्रगटेवेहा:पुनीवीर
सतोगुनधारी:पुनीतपजैसीवसेकर:चौथागुम
सधीर:पर:वजजननकीन्हैंप्रीतपावा:स्रस्या
नधीरयीश्राऐंउवाधा:जेवतीहौलेसमरसुस
श्रोना:तवमैंधीजध्यानमतीठाना:साहापुर्व
केहेसुमीरऊंजवहीं:

[illegible] थावाबा नीनी
[illegible] नामतौनहेमे
[illegible] कावताह्रा स्त्रौहे १
[illegible] जागाकवजहेत
[illegible] जानज पूर्वहित
[illegible] सञ्नेप्रमोरं स्व
[illegible] क्षारनहेमहः
[illegible] जभ्रैजस्वाप ३

भगमेघतेमहोतरूप॥लौहेमतेमरणमाऽ॥१५॥मैभगमे
गनीश्रीमैगवृती॥तेमलीगोधरपुर्धेषुनी॥कृता॥नाते
रतहेमतेमसींकीन्हा॥कलाधरेहेमद्वेस्तना हि
चीन्हा॥मैकरतोहरतागारऽत्री॥जौलौईकरते
हिमैप्रीती॥ताकेमाथेहमहीवीराजे॥हेदेश
गजीतचत्रसीरचाजे॥वाचावक्षतेहीदेहत्र
पारा॥देषमागमलोकतजीमार॥
हृषकोद्रसनपावे॥प्रेमजो

रीघिसीघिधनदैतअपार असुरभ चनीनावहे
मारा अस्टमूजाहमअहैअरतारा सर्गपात
लचैरीरहेमारा मैनागजलनीज रूपर सूनी
वेहीावीसमहेस हमलमरेधनसवर्स नूमस
हहेमारपास ५३ जौमोहीसुमीरैवारवार
ताकोसब्रहोइजेरी चार जोमोहीपूजसीस
चढावै सोमानजनमराजाकोंपावै केवस
रसनीमैंहीकहात नाहसप्रसूररागगौवा

केठवैवीकेमैकथीपुरांना॥ मैसरदासकबन
लाकेनीधान॥ मोहीवीनकी ग्यानलैष मोह
वीनाग्रसषपुरसकौटेवै॥ मोहांवीनागमीग्र
गमकोपाहै॥ मोहवीनाबुधिजनबुधिकीन्हा
वै॥ सुनोवेसावीसमदेमा मनुसुकवाहेय
नोऊववटवैसा॥ जाहांगोतुजाकनैटकिदेषु
महीं॥ हेमवानथीअंभकिगजीमदी॥ हैंयवाहै॥
सोलषीनापरी॥ ग्रदबवध्यानहेमाद्वन्तै

नङ्गसीरमैवसो एहनोस्वैवेज्ञवीचारी पुष मो
तावचनसननसुषपाङा नीनूजोनानोस्वैव
ङलाङा हीईएै मगमाहानोधीपाए मोह१
लोएवङ्स्रासवहाऐ मायापैजनीपहेखू।
की वीरहेसाधकोईपाङैकांकी छवव
तीनङ्गवसीकीन्हा नवतीनङ्गमीलीस्रहू
तीगानो मायावरतेमायामीगी तीनङ्गकेव
सूरसनीबैगी कहेमवानासूनोवीदेवा

नीरुविकार है मारी सेवा। मनमा यथा पूजे ऊमो
हि। सकल कला मैं सौ यो तो हो। सकल सौ रो के
ग कूरवो रहो। जो नी स्व सरूप जो मोहि। तो तुम
कौ वैरो काई नहीं। ईयाजगर चोरतो है। यूयू मा
या वचन। पूजा मोर सूनो वीतलास। कोमकय
हेमञ्चाहि कहाई। मगमूव मोगहे ऊतूममोहि १
यूजा गूम कहो मैं तो हो। लोगमोगहै ध्यानहेम
रा। एही कारन ऋसव नेमहीं ऋवनाग्। भगश्री

२०॥ रतीगञ्जवरंस्ती कीन्हा सीव्र श्रवसत्तोनाम
धरीदीन्हं तीरगूनपुरूपश्र्व्रहैमारा मो
र हीभोगनकेतूमहीसवां परहापालीकेहा
मैताही एहपूवनीसेदेहमोही पह वीसी
वचन वीसकहेएहकैसेकीजे सेनतस
वेनहेमसममरीजे कहोसेकरवसजानेते
र तैवीसारूपमारावसजोर तोरेनाहीधी
र्जेश्रवधर्मा वजनश्रजवतोरेगूनकमा

पाछिलीकथातैंसभैसुना॥ तैरहाथजन्माहेम
पावा॥ तुममातोहमपुत्रकुमार॥ कैसैकीजैमो
गा॥ अवरनारीजोपाईतासोवनैसंजोग॥ ५१॥ सा
याबचन॥ एककहीमगएकसमनारी॥ अवरता
रहनाहीअनुहारी॥ जौनाहीमानौकहाहम
रा॥ देउसरापहोइहैजरिछारा॥ एकैसीगए
कभगआही॥ काहेनाभोगकरहुहमसाही॥
सापसुनततेनहुमरमाना॥ भाषाउपदी

उमेनां लैबैठोतीनऊकेहैकैसे राउप्रसेखो
समोजैसे एकवारप्रथमहीँछुएकौन्हो सत
संजोगतीनऊसेसोतोन्हो तोहीसंजोगकेपरम
पाहूयहीया नगपूजातीनऊरवको मो
थेहाथेश्रमारकेदोनो आकृसंधरऊस्मर
मकोप्रभा अनीहस्तलपहेपुहमपूरीना
सुनोछेमावीलसीर हेमतीनऊकेसाथी
जोकहूभावेहसा सोमानोलेऊहूमवार

पच॥ त्रेहाकेवहमारनेवासा॥मैसरसतीसूरस
तीमूषवासा॥मैवाकवादनीकेवहारहै॥ग्या
ननीगमसमझोनउँ वाहै॥ त्रेहाहिथापीवदी है
तगीमाग्या॥मायाजासतीनङ्परछाया॥जस
वादलमैचंदछीपाना॥ग्रसमाया॥मधसूदेग्यान।
केतमेटीकेग्रलषदीठाना॥पुत्रनगगतवीर
मनालावा॥ममग्रछनप्रगटीजवही॥पूषवे
लीसहेईहेमही॥प्रसनभरप्रथमहीरतदीन॥

रहेउग चैतीनो अवधीनो उहोगरमहारथी
जानी कथेनलागीपरपंचकेहोनी कूठीक
हीतानजेवोरावा कहेहाथमीजोनीनजे
नमावा नीरगुनपुषहीठारकै नीनजेकी
हीसोहाथ भोगमृगतनीनजेसोवहीए
कहीसाथी पर धर्मदासमहेनीरषजस्तान (
मायाजालमैजीवअरुहोनो जौलगीआदि
भेदनहीपरै तौलगीमोथावारवहरे धर

दासक हैसमे होसजानें ॥ पूनीयरीये चकाहीवेक
न्हे ॥ अवसनीसुवा कीनटबाजी ॥ नीनसूतः
केहेकीन्हसीरजी ॥ वेसाके सीरदीन्हे जग
इ ॥ वीसहीदीयो राजवडाई ॥ सीक्ष संकर केहे
जोगदीदार ॥ अलषपुरुष मेन्हो ध्यानसगा
र ॥ आपने चंवीसरोवतीर ॥ मानसरे अगगाहार
गाहीरगंभीर ॥ उपरप्रवत आतअवगाहा ॥ नाम
सुमेर अंतनाही आहा ॥

सोन्हनीवास मायाकोइ ह्यातैमानसरोवरहंस
६० तेहीसरोवरमैजाएवो श्रानी केन्यातीनीग
भैतनपानी तीनूसूतकेहेतीनूनारी त्रैसीइछ
केश्रनूसारी एकतैएकस्यश्रागरी हेसवर
नश्वतीमाहाउजागरी मायाबेनरतनकोषान १
सीरजनीहारवोजसहोदांनी उगलनलागीही
रामोती सीचेकरताकीकरतूती जवमायाके
कूमतीवीराजी तवकरताश्रपनीमतीसाजी

अलगहोएकैदेखौन्यारी।बीजरूपधरेहैमारी॥
जोबीजकहेचीन्हेकोई।तौकरतामाहौयावैसे
ई।मायाजालपसारेआ।जीवअरूझेतेहीमा
हे।भलौपरेवौदेवता।कोऊनहौयतौअर
ह।कैन्यौतौनौवौआनौजवही।माहाअथा
हसबउपजेतवही।आदिमेवानीभएअनं
जसपूनौपूरनभएअचेवा।चऊहीसयैलौर
हौतजौआर।असआन्दसरूथावौन्यारी क

ा रैनैनकेरघुतिपासी मा यामदनरूपकोम्याली
मायामदनरूपरसभोगी जाकेवसीराजाञ्च
रजोगी रानामोहरूपलोभाई तेजोपावैअहंक
रचहाइ जोगीमोहेमुनीलगाई ज्ञानध्यानत
पतेजवडाई ताकौपरपेवलषे॰नकोई त्री
गुनमतेसमझीस्योवीगोई तेसरकेनीवईव
हराम्मा नीरगुनसरगुनदुईभेदलगावा तेजुर
नवमरजेॐलसमूमेनाहीकोई एकदीनमे

वीवीहया।हीदुवरदेवीसीरप।६२।धरमदासबच
न।धरमदासमीनतीअनुसारी।एकहीसका
मेत्रमोरी।जवतूमहोतेअकेलगोसांई।नारीपु
रनाहीनीरमाई।एकाएकीजवतूमरहीआ
नादीनकाहेकोभोजनकरी।कौनवस्तूकरी
भोजनकीन्हा।अनउतमनकवनेलीन्हा॥
कायाकेहेवोटनमौकैसे।घाटपटमरकीय
कैसे।एहप्रीथीमीवोहैतेवोल्लार।जोजन

कोसागनेकोपार । छीरथोनहैबहुतअपार
कौनथानकीन्हाअनूसार । कौनवीलाएत
केवैनैदेसा । कौनेदीपमायाप्रगासा । तेसकर
तासमअसीस्टोके । समर्सकामेटनहार । धनमे
।गतेमहीमीले । तेसप्रगटेदीनदयाल ॥३॥ कौ
नदीपमैउपजीमाया । करीसंजोगपुत्रउपज
या । प्रथमहीवासमोहीकहुसमूझाई । केह
जगहउपजेतीनूभाई । कोहाभरअष्ठसकीन्हम

वानी छलकेगई कोहांमीतवानी के हिजगह
अनतीनहेहामीसी आपनमोनसरोवरमो
मीसी नपकोटकवसेवोरछोई जालामृ१
जोनामधराई जमसरूपमई आनिमोया स
कलजीवधरीघाईमाया वाको अमलकव१
नहे वेवेकोनउपार हुवे गोसाई बचन ध
रमदाससेनोमनचीतलाई पाचलतूहेम
तेमहीचान्हाइ पारककुपीथीमी

सर्वरूपवोलनाहैतौना॥ रजनसतनमोनरनेहोमा
हो॥ सोईहैमहैहोसरनाहो॥ एहनोजहेमश्रवहे
मारेसाजा॥ पीथीमीसकलवोजउपराजा॥ ईश्वर
रूपस्त्रीदहेमकरता॥ हेमेहोसमभोगीगेनवेत
सकलचीजहेमभोजनकीन्हा॥ वोमोवराश्र
मीतसरलीन्हा॥ श्रमीतरूपहैमारीदेहा॥ भोजन
कौमोहकेवनसदेहा॥ हेमहोपानीहेमहोप
वेना॥ श्रमीतवीजमहारसैजैवेना॥ पारसपूजे

मीपा॥क॥पारसपानीपीना॥सकलवस्तुके मू
हेमे॥हरे घा गा कौन॥द्यु पांचा अंमीतमावतनु
हेमहीदाता हेमहीमूरता॥अंमरखोटनशानहे
मारा॥अमीअंकूरहोदैरेतजी आरश॥तनपती
करीजवड़इछा आजी॥पांचततेंसभ ऊपराजी
तीनोपवकालतीनोगुनमाही॥आगुवापोनस
रतीसेआही॥प्रथमहोरजगुनकों अनेसार
जलअमीतवरोसमोहीमारा॥एकसबीजन

गे अ सरर जौ जौ ईछा मई हे मारी सो सो बीज अ
सीत अनूसारी अ सीत अन पान अ वृ सूला
फल अनेक उपजे से मतूला बस्तर कोरन भए
उकपासा सकल बीज षीथी पुगासा रिजे
उपि अ सीत मी सटीमो सकल स्वाद रंग पानी
पौना स्वाद सूभाव तनू काई छा बीज हे मार
जो चाहे सो सम भए तूम चीन्ह ऊ सोरी जे नीहार
११ जो चाहे सो सम न करी लीन्हा अ सन अ री

जग्रीथीकोना।रचनाकहीवाकोनाहीरामा।एह
सुखसागरकस्टनपेख्यो।सकलस्वादसुखसाग
रकोना।सतनसयामफवेगोना।न्याहकेनोदो
करहीश्रयाना।बीजमोटनोरबीजखषोना।मे
टसंजोगसुनेवहरावा।गुनश्रोनोरगुनबता
धावा।जाकेसरुपरेषनहीदेहा।ताकोसमको
तजोरीसनेहा।जाकेकरपगुणीनहोना।।
ताकोसुमीरनकरहीसज्ञाना।बीनुदेषेसमे

लैसावै समकेघसमनोस्जनमावै जाकेकरते
जगावासनाग सोहंगकरतावोसनहार माया
नसोपीनीभई छुरनासोन्हसीघार जतीसत
समघारसी सूनदेघारदेघार ७ नीरषक्रस
क्समकदसमोपाता तूमधरमदासहोजीरत
मूक्ता नीरषक्रमूलपेलमतीजानो काजस्त्रका
जदेउपाहिवानो आदिजनपतिवेजस्नरथा
सीरीजनीहारचौन्हीचीनलाई अमृआयू

सोवीन्हऊ। मेसैथोथादेऊमारो जाव [illegible]
कहेकवीरपुकारी ६८ पोथी आदि से [illegible]
ना। जव अ के ब्रह्म अनेन्याल [illegible]
रहा अकेथा। ईशामई आपसे [illegible]
मथुरा चली आस्तु मुधनमणी। [illegible]
९७। ताहीउमगामहर शोनरसु [illegible]
घेतनीरमेउ। स्वांशाति स्वांमा [illegible]
रुपसरूपसवारी ३४ पीत [illegible]

पार पानीसे अगीनीसे चारा भरि अषि आ
री वादल छाइ गस्ते मायाते जञनाई वेमः
केवीजू लीउनी वदन देषाई प्रगट भई कूछ
वोलमन लाई मथुरामा याउपजी कासीके
तकवीर पोथीमो पूरए ही सही जाहा उपजे
श्री कवीर ६८ कासी केत कवीरजी सक
लघीक मेप्रान आदि अंत अवमधमे एह
तजी अवर नो आन आदि मंयानी काहान

मानमानै करता कै नाही मोहापहीचानै जवदे
षीचेचलमनधीर जउसरूपअचेतमधीर रे
नदीस्टीमायाकेनाही वेसङ्गरगुनकहीरकाह
माहानीसतनीअरकानीरहया सीलसेकोव
समैवीसरया मतीवप्रीतकूवकोमूला जेही
परीयचसकलजगमूला एताकेगुनवामैज
वजानी तवकेह वोहीमेछोडीपरानी ॥ वोहवे
नाहीजीवके वोहा जगपतंगवोहदीपकमोह ।

हेमरेसाहजीवकीदाया सूषकोसागरहेमनीर
माया जीवदयाजीवको सेष सोजीवनरहनो
जाए संगतिचीन्हे सब्दकी सोमोहीमांहेसमा
ए १० माया अमरनीजहेमजाना कोमरही
तमायापनकीन्हा हेषकूसब्दनरहेनोनारी
वोकेत्रीसासातिअधीकारी कोमहेरुअ
गीनीउगीआई आतिअगरेगमोहीनाही
आनी मारेसूरतीकोबडनवीइया वोहीके

वसतस्वामीनीकेमूया॥मैंऊकरताप्रीथीपाल॥वोहप
तकेनाहीजोन॥कौनकौकहोवूझाएकैं॥वोहर
करैस्वानकौस्वान॥१२॥नएमूरवेदीस्वादिसेवा
नीरचैनासूरतीसेगसहोदानी॥प्रीथीमीपूत्रम
एचतरवीदानी॥वेहानामवेदजोन्हौवानी॥दे
सरपूत्रवीसंमरनोग॥नरएवीसघानवीसकाल
उ॥तिसरपूत्रमपोसीवरंगी॥जटाधीमूलीगोरस्त्र
धर्मी॥नेगधतूरास्त्रमसतुपाला॥स्वतसपूतके

नाथकहाक्ता ईह्मबीजप्रगटहमकीन्हा फेर
मूलकाऊनहीचीन्हा नारीकोमनदेषिभुलाना
क्षसथनझीरलारहोरलीन्हा पुत्रदेषिहरषेत
वभई उजेउमायामोह चीतचीतकोधेउपत्रो
हमतेभएबीचोह ११ प्रथमहीकीयावऊतप
तिपालो पूनीतीनऊसोंपेलषेली गहनीचीह
कोमरततरंगी धरीसरूपपूत्रनसोरंगी ऊवयोह
मरघनीतकीन्हा ताकोछुसतीनऊनाहीची

न्हा जवतीन्हेंसोंपूछेवोही ।कौनेकरतासोरजे
तोही ।तबवोहतीरथनकोछहराला ।तीरथकारधु
रूथमोकेउपजावा ।सूनोतीनहुकेमनपतीन्हाई
कुतीछलकेच तीरीगाई ।तबमोरचीतरपाजन ।
ई ।केहोबूझारुतीनहुसमूझाई ।तीनहुकहेहे
मजारुबूझावा ।तेममेरेसुतमेउपजावा ।तारीत
मारीमाता ।वोहमोहीमयोसंजोग ।समवीजत
मतीनहु ।वोहउपटीकीरुझतूंसभोग ।१३।

हेमनारीकेस्वामी पूवनमोअनरीतनातेमौचै
रासी एहनवीआचरीव वरमैदेवीधाउपजीम
एवटउवावाप अवकहतनभोगेपाय नीयू
नेनीराकारवहराएसी जोवीजवीनवीजनत्र
कुर तेमतीनकेचीनचेतक हेमतूमारनीजम
स जैसेरूपसरूपहेम तैसेतूमअवतार पा
पनी [illegible]यतूमकेहकरीच्या तूमहीहरएदेवूवी
वारी मूनीतीनहूकेकीकोरीमए जोनीपरी

[illegible] वोष्पजोनिहासोंहही [illegible]

[illegible] वोहीपाधीनीष्ठा [illegible]

[illegible] सेसाव यीताष्ठ [illegible]

[illegible] [illegible]

इचीश्चाप [illegible]

[illegible] पुनीनीन [illegible]

[illegible]

[illegible]

लागे कपटकसेकोहुरमती अपनीअपनोठे
कनोघाए मथुरामहरगहहेसभए लेतनहे
वसीकीन्ह मानसरोवरजातभौ एतीनूवोह
अधीन ७४ तीनकैसोकहोतिदीठावा तेसी
मरोसी अनघपूहपकोपावा पूथमहोधाम
हेमारोकीन्हा हेमरीसूमीरीतकोवूकोन्हा
जवसूमीरोतववोहेमआपो आपरूपहेम
दरसनदेपावो हेमरेसूमीरेमनसूधिहोड

स्रलषपूरखमोहीनीरमाया॥पुनीसूमीरेनीरका
रस्रवीनेसी॥वेमनीनङ्वेधीरहे॥सूधरसी॥ग्रम
जोनिहेमकहीनीरमावा॥उन्हकी॥कीपहूंमने
मकेहेपावा॥नमनीनङ्सकलस्रीस्टीरेजा॥
वाटेवीधसकसेमाजा॥नीनङेएकमनेहोए
रहीहो॥वैरवीरोधकवङ्मीनकरीहो॥एमना
कहीकेउगीचवी॥उनरदोसासीधोए॥माहा
सहीमनसीधवटी॥पङ्चमहोरमनासाए॥

९५ पड़ेचीजाएसरोवरतीर अतिअवगाह
सोजोजननीर एकदीसापूरईनीवीस्तार फूल
लेकमललालमनोआर वैठीहंसजोरीकेपां
ती जगमगाहीरनकीजोति भीटेकलसंमल्ले
वऊलागे मायासक्तीप्रेममहेपागे उतरभीट
सुमेरुतेगा ताकौसीससर्गसौलागा जामें
असटधातुकीषानी सोनारूपकलकेवड़षा
नी नहेंनेवानी असथलकीन्हे ईछासह

काई अमीत आवनरी आरकेरा वेलीनारंगीफ
री अपेला दाववेहाडा अकरवीजोरा जंभी
री अगूरखजूरा गूआमेपारीसरसमूहेली पं
नवीविधिलागीनगवेली जलसमीपकेदली
दलभारा जामेउपजेमरसकपूरा केतेसुगंवे
ठौरहे मानसरोवरमाहे पूनीगगगठाटपारूध
रेतेकासोवसीजेहीवार ११ पूनीमायामानं
नसरोवरमाइ मथूरावीलमेतानूमाई खेल

सुंदरी

धानभवानीकीन्हा हाथजोरीकेअस्तुतिवाना
लेअथीजालीपमाहे आवप्रसनहोउमोहीय
हाई हीदेऐआवाव्हवाइनीमानो तोरअीय।
आमगातीजानो जेप्रथमहीकृपाकीरथीव।
रा येअकारधूनीसूनीसवउचारी मायावु
धिमरप्रगासा मनमायाभईकेवनीवासा म
नमाजलहरकेहवीराजा सूटहीउधिहेसा
उपराजा मोताहेमसोकही मजो।

जिहैपूर्वनीना व़ाकौनामकहाकीहिबीजै
कौनध्यानलेसुमीरनकीजै उन्हकेरूपरेषन
ही नीरगुननीरेकार मोतामोहिसमुझास्रु
व़ाहीममसीरीजनीहार १८ तौतुसावैभ्य।
नरुगाई छोडिपव़गुहमनचढाइ नउरु।
रलगाराजुतारी चढेगगनदेषीउजीआरी
सूपनीछाहदेषीमनमाना मेताकेचनस
हीमरजाना मेरेमकहोईपव़नसेमाउ स्र

गिनितमानतदेजन् स्वास्ते॥ ईंगलापींगलासु
षमूनानारी॥ त्रीकुटीसंगमलागीतारी॥ गरजेस १
षुन्नमहदवीरे॥ ररररषुनीअनहदबाजे॥ ररर र
षुनीसब्दउचार॥ उरसेमोतनकोफुहकार॥
वेहीमाहाप्रेमसुषपावा॥ रहेमगनजनूहीडे
गडावा॥ धनिधनितूंआदिमेंबानी॥ हेमररका
रंधुनीसबबनमूनी॥ देवेउप्रेमजोतिकहे॥ ररका
रधुनीहोय॥ वाहीप्रेमपूरानहै॥
र ७९

जवैसाचीकुटीथूनिपावा रेरंकारअछरलैसा
वा ररंकारवूनायुरूषहै मायाचाकीनारी रांम
नामवापुरूषको एहवेह्या सेऊवीचारो वीव
अछरगहीनामवना वा रामनामनीहसैसैसा
वा वेलेउ गीयावाअनहदवानी राममनामसेः
अस्तुतिवानी रामप्रमपुररामअधार रामनाम
मौमेजनहारा रामनामनीरमोलकेहीरा राम
नामजमकागदकीरा रामनामकीनावरीमाजा

तोमेचटेरं कअवरजा । रांमनांमसुषअमीनवांन
रांमनांमभजेपतीतसौनी । रांमनांमलेरुपुजीसार
रांमनांमवनीजअधार । रांमनांमलेमअंतआन
रांमनांमलेफूंकीकांना । रांमनांमनीजरोपीकेक
योसेनगहराव । आपूञ्पनयोगांसबै । षोषेसे
मनलाव ॥८०॥ एह ज्ञानमोब्रह्मकीवांनी । तोसी
वधीसअचेभेमानी ॥ वीसोवचन । सीसकेहे
सनुजेगहेमारा । मोहीसमूझीपरेनाहीवचनव

सारा रामनामदोकोहाकहावै मोहिकहोसमु
कारप्रानसचुपावै कोहेसेवेहमसोजीवमो
वइ जेहीरसछाकेसोहमजेपीयावइ सुनो
हेसासूषमौभारी स्महोवेधूवदीजावतमु
री प्रीमायाहमस्मरतूमेसूनावा प्रमजोति
वोहपुरुषवतावा जाकेरूपैनाहिमेषा सोक
रताहैसपगटदेषावा प्रेमकस्टकेध्यानलषा
वा नवस्वामीकोस्वरमनपावा स्नोहदसमकेप

असमाग्रेहमतजौ आर सुनीकेबीसनअरसूध
भारी धनिवेहलावलिजातहेमारी तेम आव
गीतकोहरसनपावा सुक्तप्रानमोरहोईऐ
जुनास कौनवीधीतेमध्यानवलगायो कै
सेरेमनासवहरायो तोसीवकहेसनोवेसे
आ वचनतेमारसुनेसवमीग हेमचेतव
नकागृहोतेमही दरसनभेटकेएवजेहे
मही तोहरीकोपादरसहेमपायो प्रमको

तिनी है है है लोग्रा वचन [illegible]
पै बोल है बनाहे स्मा चिव्यरहे [illegible]
हे मदद्व क्ते सब्बोम [illegible]
नैटाववत्र नद [illegible]
पे कोहे न्हनथकोदिैन [illegible]
गे मावद्व पैनकेनाग्रहद [illegible]
मवचामै पन [illegible]
क्यैनकेहन [illegible]

पोनतूरगहोङ्ग्रसवारा मेरपथकोफोमसव
र सबमूनितेनूफेरीलाउ चीकूटीसनहद
धूनीवहराई सुनिसहमदलकरयस्रनूप
ग्रमपूरुषजोहाजोनिसरूपा जेहांसुरतिनी
रतवहरा तौस्रबधपूरुषकोदरसनपावा
सैसोवाधितूमउकहेधावङ मनस्रसथल
केपौनचढावङ चीतचेचसकोवसोकरे
मूलवेदमधूलेङ रेकारधूनीसूनिमे राम

नामपरलेउ ॥ ८२ ॥ हरपतचीसभैरसुनीवानी ॥ ह
रषतसीवनीसोफूरमानी ॥ धनीब्रह्मागुरांमीव
ताना ॥ श्रीआदिमैनानीतैमहीलषाना ॥ ब्रह्म
मूषपायोउपदेसा ॥ तौवैठेआसनदीसमहेसा
ब्रह्मावैठेहोहितकारी ॥ जोगवेदधरीध्यानसम
रा ॥ साधिपोनकोवसीकीन्हा ॥ उलटपौनचक्रा
षटवेधा ॥ सुषमनीसेतीचौकमंभा ॥ श्रीकूटीव
जेअनहदतारैं ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मा आप होता का। परवसपै और राइ। छोहे को देखैं
प्रानगवाई। जैसे सोनहा का खूब रमै का। आपनी
छाहे देखि कै भूका। जसपतंग दीपक मन माना।
परै उडी उडी आग नाही जाना। त्रिसना सौं ही फहोज
व के छोहा। देखि पतंग आगी नी मन मोहा। आप
पू आपन पै आपूनी जाना। माया मते जोगमतं ग
ना। सुरनर मुनी सभ इसे चमाना। रुह भगट धि
र देवा को शाना। दसोहारवट छै को को। दीन्हो

वजुकैवार ट्रयिघ्रतीमात्राषनी तीनूभएनी॰
हाल रघु इहामतैमातैजनरंगी सीधसाधक
सलसतसंगी श्रधंजुधवीचैरेषामाधी तनकै
हेकसेवजकोमूधी नादबादसैपरीगौगधी
फीरसपौनपकीरसभावी कूसमसकमैकाट
समभार तबचूभतश्रगारीचैमीनघारा एह
रसमातैसभमनवासा प्रथमहीमातैतानदैव
बटदरसनमातैवाहमैवा मातैमनकसन्त

संतकूमाराःवेवेद्याकेसुतसरदाराःमानेनारद
व्यासवसस्टाःएहस्त्रसीतसभनीकोमीठाःमो
तेहनूमानसजोधाराःमानेनौनाथचौरासीसीध ।
जैसेकोवमीदलमेंस्यानभेदकीमरोजारुःस्त्रै
सैनौनाथचौरासीसीधाःसूनहीमरूवीसारुःदै
धरमदासससमूफोवेवहाराःतवचरननहाथप
। साराःतेममतसतकेगोंई या ःमरमतेमारमोकाजन हि
पांयाःप्रथमपैडवातनावानीःतचननूमारना

काङमाना बीजसब्दतेमसम्नकेसंर्ग बेटपरेतू
मन्त्रअंगा तीनपूवन्न चेतंतेसारा मायान्हसत
फेरीकेफार बङस्नानेककीन्ह चतूराई तूमरे
चीन्हबीनूसरवसबोई तेमहीबोलतासीराज
नीहारा तूमहीरूपसरूपसेवारा तेमहीघाव
ततनीनूगुनलीनो तेमबटमैप्रगटनाकाङची
न्हे कबीरवचन सुनोधरमदाससभैकाकहों वे
झेजूगमाडीबीनो साधसाधक श्रीहेवतासभ

धोयाकी आस ॥ सैकबीर ॥ के लानीकुठोगोनफ
लबूरा ॥ फूलकाबीगीधिजेधाए ॥ औरबीनासिंद्
मरी ॥ सरोपातना करू आ ॥ २ ॥ धरमदास बचन
सतसतसमकहोगोसांई ॥ बीनचीन्हेसभआस्य
साई ॥ पूरनमारभएवीज्ञाना ॥ मायाआगमएदे
वाना ॥ अपनीकनवारतनकरीआ ॥ बचनतू
मारमाहीहीदैरैधरी आ ॥ मायाबचनधरीप्रन
ति ॥ अबअवरकहौजनकीकरतूती ॥

नतुनकैकृतकावा सोसननमोहिसूतवेकौआ
ज्ञा गोसांईवचन आहेधरमदाससूतीएके
ना द्वादसमैंजौउनीमना प्रेमकस्टकैसाईत
री तीनौछुकेटोपकजीआर माहाअधारप्रे
पदयाद्या आपुहीरासएरहेतेहीभवा मानसो
करमायाहौत मनमैचींताकीनकेंकौमासहत
सौवचोटवेरतपयानदीन्हो ८८ मायाचली
मथुरामैआई तोहांवैठेतीनुध्यानलगाई के

न्यातीनूलोटमैराम॥औरलागातीनझंकहेदेष।
मायासोबहीअ्रंगदीन्हा॥प्रेमबझोरजाझ्अ्र
पनैअ्रस्थाना॥जागझब्रह्मानीरुसूभागा॥हाथ
पावपगुमीजेनलागी॥हेसोजागझमोलजहार
बरनकवलकीमैंवलीहारी॥नवजागेब्रह्मा
बीसमहेसा॥पबकहीमोहिदेषेचंझपासा॥
हरषतभएप्रेममनमाटे॥करजोरेहमायापांवदे
जहातीनसेकंकेमाथे॥मायासेवारेअ्र

धनिधनितूमदेवता अवकहीएवारतेत कौन
हैतूकैसेतूरहे सोनसूनावझचीत ९९ वेस्याक
हेसूनूआदिमेवानी हेमतप्रेमजोतिपहीचान
गगनसूनमेध्यानलगावा प्रेमपूरूखकोंदरसन
पावा बीसनकाहामातासेवपावा आतिआ
न्हतेतेवीलगावा तौसेवकहोसनूआदिकें
वारी तैपीवतमाहारसअंतरपारा हेमप्रेमजो
तिसमाना जाकोगतितूमझनाहीजाना जोते

ग रविकेमेरुअलोपा।तौकोहमदेषानीजरुपा।
जोहाजोतिकी अअपारा।कोटिकघातीलेंम
अधिकार।कोटिभानजाकीउजीआरा।को
हिवेहुएककीनीपरीवार।अगगनवेहुमाहे
गने।भानअनेतअपार।तौनाथतरहे
मनीरंजननीरंकार।२०।येसेहीए [illegible]
नी।तेमहोकहोयूहरुममहोलोनी।सो [illegible]
मीजरादीन्हा।तेमअपनोमेसे [illegible]

वेहेवाका वुहेकहेकहेसेविनूंके अवध
पूरुषहेमस्वैसैदेषे कोटमानएनषठजोस्वा
री कोटिचंद्रमारएकसमवारी वाजा अनंतह
अनहदवाजा कारा अनंतजोहे स्वापूवीरस
तुमदेकहडवास्तकछुनाता तूमकसदेषो
पूछेसोमाता वीसकहेमोसेसनूवीना एक
जीभकाकरेवषाना जौमूषहोरज्जीभीद्रमल
या तौकौईस्तारमाहातमभाषा स्वेसंवकोट

ब्रह्मा॥सप्तकोटिसौन्।नौकोटिरुद्रगण॥पद्म्मा
नेसम्रनादिपुरुस॥चरनादबोध॥भगवानसमत्
र॥र्गभवेनाभवसा॥जवतानडेमोहीम्रतुति०
ना॥तवमायाकेहौरिहरउडेंनो॥ॐम्रारंकार
नीरंजने॥ॐनमोसोव॥ॐनमोम्रक्षरा॥ॐनमोम्र
थाह॥ॐनमोसीधम्रनमोंम॥ॐनमोनेरगुन
ॐनमोम्रतित॥ॐनमोम्रतुरंगे॥ॐनमोसच
राचरं॥ॐनमोसर्वव्यापीकं॥सौसवालीकां॥वैत्र

सहस्रनामं हेश्रनीरेउनं वेश्वरमीतारामं वौ
श्चेंगजोतीलीगं वेंश्नेंगसदासोयं चीलोवाकि
लेश्नचीलचीलमाहावोल जसेचीलथक्षिवी
क्ष चीलप्रमातं मस्तक ज्ञायमालाक्लोबी
ल लवचीलमांगजगतयेनम एतीश्नक्लीति
निकें लोन्हेंवेदवोचार पारवेलवहराइकें
रैनामनीतुसार ८२ प्रथमहोवेविश्वरवह
रावा पाहैमत्रध्यानतुपजावा चारवेदत्रेहे

अनुसमं। हगजूगसाम अथरअनन्पाई। जोक/
छब्रहा अशादीन्हा। सोसीवद्वीसमानासीर
लीन्हा। तीनूमीदीअन भौउपजाना। अनभौ:
कैकैप्रेमबटावा। गगनसूनीसो आसालागी।
मनकेमतैमए अनूरागी। एकतेदोसरकीन्हा
वचनहेमारनाहीचीतदीन्हा। माघावगीनो
माहजेजाली। मायाकालरूपकेकाली। एम
यानटवटकीआ। बाजीकोबोलार। ब्रह्मा

वीसरूसीवकोवगो सोव्यातनालागीवार २९१ध
रमदासवचन धरमदासपूछेचीतलाइ पुर
मायाकीतकीन्हगोसाइ मायादीपकजोति
सवारी चीगूतनेहकीआरतीवारी देएक
रजोरीवीनैसवारी मायाकहेसूनोचीदेवा
सेनकेहलादेवमूरारी माहादेवसूनूवचनहम
री जवतूमध्यानधमीमोलावा आवहपूर
षमैजाएसमावा प्रमजोतितूमसूषपावा
है

तेमतहोऊजन्हकेआसा। तूमकारनतौरचाव १
लासा। तेमतेऊकहीकन्यामीरमाई ओथी
श्री३ आसपगाटमरणु। मोकहमरुअदासको
वानी। तूगमीलारतेमदेऊमेवानी। मानसरो
वरहेमहोतो। केन्यामीलीमोही आई। अपय
पूरुयतेमकौरचा। तूमहीदहैहेतूरवरार। २३
रूनोकेतीनऊआनिसुपपावा। तहेमताबो
हकेहीवावा। जेहावांन्हेरमीकेआई। तेहे।

चलेलेतीनूभाई दोविदुरीतनरूपउजीग्रारी
एकतेएकजोधिमांहंवारी मायाकहेस्रो
हेबारी एतोलजेगुपतमतीनकनारीनो
महैमालानीरमाता वेद्यासेपूतोवेदपवाव
एकरएकमालाकेन्याकेंकरेहोन्ता आदि
मिहानी ब्रह्मकीन्हा जेगीकेसावत्रीनाउ
ब्रेलेनहकरेमालायहीरांउ इसीकव
लाहूतीवरीनाउ ब्रनकेमालावीसपहीरा

६

तीजिमातागौरिबिनारी ।सोइकैसेमातानाकारी
हरखतभईभैवानी ।गावैमंगलचारि ।२६। प्रथम
हीकोकरतब ।मायाकोविस्तार ।लेख ।कोसीव
ममहर्मीहींदीन्हा ।मथुरावासकीन्हकोहदीन्ह
चावैनीव हमकहंरच्या ।सोनृपलीन्हप्रभाग
मोया ।आपहिगुनतजमनमाना ।२६। मायाबा
सकीन्हअस्थाना ।नगरकोहीगाईनिसनाबाई
लामूर्तीनामजोधराई ।लक्ष्मी त

ह्माना नीनड्केकहैस्याथकीवाना नौभू
ऐनास्कम्मनभस्त्र नीर्थवतनीथमननी
त्र वारिचेदचारिजुगनीन्हा मातवारमेंद्धती
थीवीन्हि नैगुह्वारहहरागिमवमानि सतेई
सनछ्र नेस्त्रेन्रीमीतो ऊेति वार्नुहिकैसगारके
नीझेसीसिटिकेसैम पटीयुनीस्वाथवीयोईथ
वीनूवीन्हें[illegible]रमेड २५ पूतितिन्करताकेज
प तिनहीछुदयूनीतुपजाए मायाचरीत्रताक

ऊजाना उन्हे पूत्रासौ पूत्र बीलमाना एही बाध
धेत बीजबीमार पीधा नरवा है त्र मरारा दू
ऐसै तीनि तिनी सेतीन प्रथम एकसमकाज
नाचीन्हा पूनी मामीन टवटकी बाजी मायान
निदेवकी राजी नवतीनू सूतपास नारी लागे
होन लगी वटवरी चारि पूत्र के लाके मएउ
जव सावत्री सौं संगम वरुण सेनक सेनेतन से
नकूं मार उनऊ जो गजूलि चीन्ही न्हा पून

जैसे नारदमुनीजोनो प्रेमभक्तिजीनकीसही
तेनी गगगौतमनाकोलस्तु सीतानदसीर
दिगोतकहास्तु तेरहसतपीनमुरसत
तेरहगोतनीनारहै एहरचनावेलाकोतुर
श्रीसहिदीयासार एकवीजतीदेवता सके
तपीसहीमाहाभार लेय धरमदासवचन
धरमदासपूछेकरजोरी कीपानीयानसके
तनीमारी श्रीवीमीसातदीपनवषन

रंगनक्षकीसकूहमना। अवसकातीर्थथानाकी
न्हा। कैतीरथकोनामधरादीन्हा। अवसोतीर्थ
थकैसैनीरमावा। कैसपतदीपकोनामधरावा।
सेनोहोधरेमदासचीतलाई। करनवारहैतीनो
भाई। कैब्रह्माकैवीसनमहेसा। सकलकर्मकेर
होनरेसा। इतीनूभाईसकलप्रीथीकेराजा। इन
ऊपरेमायासीरताजा। जोजोमनभावैसोसोक
रहा। मायाऊमहीदैसैमाहीरहा। [illegible]

जैसेनारदमूनीज्ञाना प्रेमभक्तिजीन्हकीमहा
हमे गणगौतमसाओरनमरुतु सैतोतहूमीर
लिगौतकहारुतु तेरहसतपूनिसवरमेस्त
तेरहगौतनीनारबैठे एहरचनावेह्याकोब्रह
श्रीसरीरसरैयीसार एकवीजनोदेवता सक
लथ्रीसम्रीमाहाभार ॥५॥ धरमदासवचन
धरमदासपूछेकरजोरी कोपानीवाभसक
लनीमारी पीधीमीसातदीपनवखन ॥श्रे

रांगनक्षकीसब्रहमेमा॥ अबसबतीर्थथानेकी
न्हा॥ कैतीरथकोनामधरादीन्हा॥ अबसोतीरथ
थकैसेनारमावा॥ कैसप्तद्वीपकोनामधरया॥
सुनोहोधरमदासचीतलाई॥ कहनारहैतीनो
भाई॥ कैब्रह्माकैबीसनमहेसा॥ सकलकहेकेर
हीनरेसा॥ रतीनूभाईसकलप्रथीकेराजा॥ इन
ऊपरेमायासीरताजा॥ जोजोमननभावेसोसो
रहा॥ मायाऊमहीहैसेनाहीदरहा॥ चखरसुनो

दू

उनकोकरतूतो बुधिमानतीनोंसमजोके हरद
रचेहोमहेतीकमात तोनतीनोव मावलगोत
उपररचोयमवहमना छदरसेनछोनवेपक्ष
मातदीपकोनामनोसाना नामनोपक्ष चवनसा
र जेसैमालोवागकमावे वेहलोवावलीताल
वेथावे एकसतैभरमहरोहरवेला घीयोदीन
चरेसवकेमा जाहोजहोजलजोगवश्वातनोना
मेहोताहाथपेतोरथच्चवस्त्रोना प्रथमहोका

सोनीरथांगा नारवेनीइयागडगा मधुरमहे
हेत्रहीगयाला सरकेसोरम्होआसा होहा
वनकालीदेमनारा पहीश्रीजनमहमसगुधजोव
त हेरा नीसीमारसोसहीहोराम कर्हेत्रह्रहोत्र
संवारा नारथकेदारत्रागमत्रस्थाला दीसमर
नकेहीगारवमालो गयागजाधरदेहमवारे गी
रहीपीत्रयांफकेयारें गोलावरीसर्थेत्रीतिमाथ
री संवगवारदारीधानोरी. मत्रीरथचतुरमु

जबैसेतु पंचतीरथग्रहमीनोतीरमारतु सेतवाते
रमैसरथानो ईदद्रुनीमाहोदाधिपूर्वक्षस्थानो
पुत्रमाहितीरथताहोथपारा जगनाथजोहेमा
मधराना गंगासागरधर्मकेनामधुराबा ठाकु
कोमनीपूजेपातु पंचकोटितीर्थनोथानो राज
यकोटितीर्थ कुरुक्षेत्रनाने बीचकोटिका
तीजारहोतमा तीरथनामहोकेतीककहीए
महारवैकेनीदेवना तीरथथपनोकोन्ह मन

ध्यालवडुंरंग। धोयेम रक्षधीन। सभैङ्गमजो
गक्षवरजोगालप। तीरथवर्तक्षसनांन। अभजो
तिकोसूमीस्न। रहचादेवाकौ सान। छ हरि
हरवेलाभरवेदानी। मनकीउहिसभेमनव (
नी। चारिवेदछवसासरुवनावा। मरवादरु)
लजैसेवरछावा। जैसेकीरजासवनलीन्हा
जलमीननकोफदाकीन्हा। चादेवासवपरे
अधिकारी। कमंकोवनसोजीवकहमारी

फटेदेवजोहेतैसीधा छदरसनचारिवरनस
भवेधा फिरिफिरपापीनोध्रोषादीठावा कि १
वीप्रकारनकमेंउहरावा जोजगतपतीरथव
डाइ नैग्रहमानवारहवहराए लगनवगेन्व
वरराभिनीरूपा ऋवरप्रपचवजतऋधवकूप।
सताईसनोदवफूरमावा मूर्तिमेत्रपूजाकर
।रा वारहरासिमेवचौवीसा दक्षासीध्याव
जतपगासा जेजेमूनिजननपसीमरठ एक

से

एकमेवसमभनगाहिलीएउ।कैरमहसनोमनीर
मारा।तुलसीतारकदेवीसदीहारा।गाईजीर
सेयाब्रह्माधानो।रमतारीकजोलिलीरजलवा
नो।एहसमनरवेकोमतमाया।आयुत्रपलयो
काङनादेषा।वोषाध्यानसमनसीलीवीनी
वोलताब्रह्मनोकाङचीन्हा।त्यापूहिशेहोसर
कीया।नीरगुननीरकारकोपाया।सेनसनेह
समभय।एहतबोलताश्वामी।२६।छवमेप्र

पदिआप

सकळकेलसेमार ओमैघोमैस्तैसेवार ब्यौम
स्नकोमैतपूस्मामा स्वा।जिनमाहेनीयानजुत
याम् लैहिउपरदसमानेकरावै जरेहाभगम
पञ्चावे माटस्वा।किकेकरटहाजीमावै ग
पापीसापारनकहेमावे एहीमेघानेकवेज
नाछूटे घोकीतगास्मापवसेस्नकूटे घोको
तगारमेछीनोसननहार जामतिसगतिकाह
रेगवारा आपनकीन्हआयनपैपाईमेटेना

हौकहौचचतुराई।एहीएहीमोहिमूढ़ीसिम
री।कहैवीगाहैधनारी।ईतीहैकुकामस
कोई।केरवसमभैगहहई।जोगीजोगजुगि
वरगधा।सुमीरनध्यानकरहिमाया
गीधारातीरथनहारु।कोरीगीतमहेरे
जारु।तीरथवासीतीरथधावै।तागीधन
वदवेदपुरावै।कोईमेठेनीनैरहै
कोईघोटै।

[illegible]

पनतनकेसाधे पाचईदींकीसकेबाधे गगनम
रुलमहलावैतारी नाहारेमे श्वपनौरंगजीश्व
री एकसोसेवकरहीपुकारा घोरागारीचढेग
रहीगवारा एककासीकरवतमेंगारसैरे एक
सरगातनसाहानाहारे एकक्षस्टागजेमाचीत
लावे एकनभोगधतूरचबावे एकनजरी
वूटीसोभेहै एकगीरागेदलमेमोरे ऐसेनाद व
नवाजहोन्हे राग साधिसुरकौरजनकीने।

क

एकवचनगंथवनावे:कवीराभेददोहरानीर
मावे एकेसहेसकनगचरहो:॥ भेदनील
नारकरई एकेत्रस्तांगमेमहलकारईक
रचरनपसारीपीथीपरधरई: कोहांलेकहो-
चरीत्रसम: त्रापूहीरहोहरास:हो सराकोई
नाहीरा: कहेकवीरसमहास: सनेसनाता
कमरए: टाकोलादेजाए: हाहेहाहेहाए: रहो
पूजीगईभलार: कवीरईलेसमकोईजात

है भारलनारलदार उनतैकोईनक्याइया ज्ञा
होपूछेवार कबीरदोमरादेोसरासभकरे दे
सरीमनकेटक्कर वरवसबूकैमनई लवेनाळ
नावेर ९८ धरमदासपूछेचीनलाई वोदछे
रहेमभोरगोसाई चेकेजुगातूमसभेसोगेहराव
हूमकेहेलबकोजेनाहोपावा वेदावीलसी
बउनकेनाहीचीन्हा सीधसाधकसभमसभ
तिहीना वकेवकेचतूरवीछछेनसानी तस

सघटतुमकाहूनेजानो। तुमहीमूलबीजअंकर
पेमा। आदिअंततुमसनकेमेमा। मोरेमसतग
दीजेपजा। तुमकरता आदिगरीबनेवाजा। दी
नदीसटमाकहीतुमदीना। कागा अऊतेसोहो
सकहीलीना। अवरसीपापनहैतू अजोतेति
सभदायाकरऊतुमसोये। मैसमूको अवरची
न्हो। तुममोरेहीदेसेमाही। अवजोजो अमादी
जे सो टारेऊकूतेनाही। गोसांईवना॥२२॥

नवीहसावचैनमूषवचनउचारा धरमदासते
मक्षेसहैमारा जवहेमतेमेहैनोग्रकेजोना
नवहमतेमरैमोहेसमाना स्वापूतरऊतारऊ
सेसाय जोकोईमानेकहाहूमारा सामीपद
स्ववकहोरमईनी ईन्हकोस्वर्थलेऊपहीच।
नी ईन्हसवदनहोईहैघछुनाहै वलूची
न्हायकैप्रैमवटाहै जोकोईमानेसव्हम।
त वोलोरहे छामेधोषातजोवेकारा तैम

ललक प्रथमे धरे। जो तो हिरदय हरीनाम न जाके
हीरदै ऐहे मसलहै। सो मो हो माहेय मार
दयादो सई चावे गेहो ग्राई।हो। कि बैठे तबाऊ
कहीचतुराई। सोचासाधजोदहो सो हि श्री
ताके चरन कमल चीत लावै। जिन्हुं पूरन भ
ली सेवा करहै। भोजन भोगनादिक नासर
हो। श्रीत हाच सी चरनो मे मात देत है मन
मलीन कबहे नहीको वार्ता १

एनाहीं नीस्चैमतकबीरएहझ्याही दुकपानी
सभकोदीजे समदीस्टीहोएकैसेवाकीजे नथाप
जोनेजापतीतहोई तेहीसमानगुरझ्वरनाकोई
कैचरनपांविहोईएकेदेही जन्मधूर्मसोमूतकै
तेही मवङ्गकेपारघ्नीजेकं०लाई तेहीमोत
परदाकरे तोमोहीनरकहींजाए १०८ नाकरयू
हनामहोएचेला नकपरेश्वबरेल्कवेला जो
न्हकेहीदेस्तनूनाहीजागे सोगुरुसीषदोउज

है

जो अहंकार अवगानै बमाद ॥ बजो घोसाउथर
कीसेवा ॥ बोदनहारआगआगूदेकाअ ऐतै अव
रआहनाहीभैबा ॥ माहाअभ्मालसाधूनकीसेवा
साधूसेतजनसोई ॥ जीन्हचीन्हेवचननेहसार ॥ भ
मेजालजेमकाटिकोताजनहेअरहसार ॥ १००॥
धरमदासमुनोवचनहेमारा ॥ जोगमेतहोयरति
तिहेमारा ॥ कहूवैलोगनक्रतचतुराई ॥ वैसिमेर
सेरहेसूकाई ॥ दगावाजवगाल, छैसेर ॥

सेवाचोरजोहोजमदारा सब्समैदमूनीमांषमोर
लाहै बज़्रीबज़्राधोषाकेधावै एकेमतवा
लेभदचूहरा जैसेवाटरहेबनथूहरा साचेज
बुसोप्रीतलगाएठ कोईषोजीजीवको बं
तसमूभाएउ मरलीन्हसोवस्तूसमारे सूरसा
वेकहतनमनवारे राषेस्मदलफेलमतीजाई
दयागतीलेरहेसमाई चरनवर्लस्मवरसाधः
कोसेवा चीन्हेज़वस्तूस्मादनीजमेवा जैस।

सटागे॥सेवाप्रेम भाविजोहनाही॥हीर्दरूपग्यान
जीमरसन्नाही॥कूलकूदम सोरहे न्न पीना॥
साधूसेतसेप्रदाकीन्हा॥रहीवोभिकेजोसोप
कहावे॥नरकापेकोनाहिवेचावे सन्दवाकेके
गूरनाहीहोई॥सूमीरनकूं ग्रनेकनकरई॥ग्र
दि ग्रंतरपकंनहीजाने॥ग्रहरपेमपूलकूंछु
नाहीपहीही चाने॥चोरसाहूकोपारखनाही

मरमु खेतेखेतहसीमारमेरहेतु मुखहेराविरपुग
हीहगीमारे मूरतैनकेहुछ कोनानेवारे ग
गजूगांनीकाहाहेके गूरमे।छमक। हेमपु
हेके रहैनारमहू नेमोरनुगरपाह ४२ खेम
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

होनीसजागी कोईकरेधरमकी आसा कोई
दवरेबेकूं वनेवासा कोईजेतरकोईदरीन
धावे कोईपूरबकोईपचीमगावे कूंकूंआ
सहत्रीमनमाना सतीजरेजैसेघेहजुडाना जे
हाजोगीवादववदावे नूरकनीनारभीरिवहर
वे रोजारहेनीमाजगुजारे मुसगीआरकाट
जीवमारे एजीवनकहोकवनगती कहोव
दीहोडमूरकाए एजीवकोहाजातहै कहे

कहनफलपाए ९ध गोसाईवचन खोहोध
रमदासतमसेहमममकीहकहीऐ स्वरचारे
जु गतेकाहारहीए जवजवमूहोतमतवक
होहो नीरखोसमीरोसमीरनकेमेहा मेजा
पनीजुनामसमनाउ क्याहोद्रटमेमनलहरीत
रेमा नानाबीमिउपजेवहरेगा एहमनकव
रमा एहमनपासी द्रटमेवागलगाहेमाली सु
मीरतमनननजापञ्चवरनामा एसवहेमोमनके

कामा। घटही लीन्हे नाम बनाई। घटही मे ध्यान न।
रमाई। अपने उदरी का न के फंदा। अपने बरा अ
पन गर बंदा। आपुही आपु गोसाई। होता ठोसर ना
हि। सो बपरे कुं आमे दोष अपनी चाह। स्तपन
समीरन सरगते आना। न समीरन का जदेई पठान। ।
घटही मे समीरन आदी लीन्हा। उलटि ध्यान समी
रन सो कीन्हा। समीरन की ऐसी रीति जो पावा। तो
जल के है तो घा बूझा ना। पावक के है पावक जो ना

रई तौभोजनकहेपेटपुनिभरई वादबदावैत
नरकुग वामकहेमूषहोरमनामीग प्रचेवी
नाहेतूनाहीच्याऐ वीनादरसनसेचवैसैप
वे स्वहोधरमदासदरसनहोनच्याहिदीतम
हे सोप्रातीतकोईमाननतनाही काजस्वकाज
जानीनहीपरीच्छा सुमीरनकोवलसवङ्गनध
रीच्छा सुमीरनकीरमातिनाहीहोई जोलागच्छ
हिच्चेतननावूकी हटमैनाहीत्र्यपनपौसूकी बी

मिथिरंग मूला संसार ॥ चतुरानन तीन मजा लयसार
सीव सू को दब्रह्मादि जो हो छे ॥ को हाला माले को
ई दो सरसे सै समग है ॥ ताते सुमीरन होई ॥ ९ ॥ तो
कूग सुमीरन कूग ध्यान ॥ कूग जो गर्ग वे अभिमान
कुवो आसा हूरि देषा छै ॥ कूगो कथनी मोह माया
कूग मोग सभ को लागी ॥ साच कहे तुरत जोगी नागे
वेद पूरान ग्रंथ बषाना ॥ हरिध्यान सभ को मनमान
मूरख सभ को का को जाना ॥ करनी कीरत जो चित में

करही सूष्म मूर्त्तीकी आसा करही मूनीजन ओरीपं
डीत जानी सूष्म मूर्त्तीको समन ष्रमानी आरफन
त्ताकी बेते केता सूष्म मूर्त्ति समन को हेता सतस
र सा धर्स्र गाहा इनको थापन सूतजग माहा के
हा गत सूरसन मू पहोस्वरे के देषे काहा हो स्वै
ताकी षबरी कहे को भाई लोगवीका की गस्नसा
ई न जिको निकूलकी मरजादा सामी सेवक को करे
बीवादा ताकी षबरी कहे को आगा हे स्वाम

निरारुहकै सरोग॥ साधन सुमीरन को रुग्रपा
रो॥ ग्रव नीर घार हो रहे नीनार॥ साधन नी दुग्र
व भूषयी ग्रास॥ पाचोंई दो कीयो नीरस॥ ग्रनई
न की पवरी कहे को भाई॥ कोहो ग्रटवरो न्हजा
ह पाई॥ करता पूर्व कोहो उनपाया॥ ईहा समहोन
मी लि साध कहाया॥ धरमदास नी जमीर पड़॥ मी
या दो सरी ग्रास॥ हेम करता नीज को लता॥ नुमर
स दा हे मारेयास॥ २१॥ सुमीन ध्यान करे मन कोई

थोथे थोथे गरवा गोई अवधू नथो घास भकोमारे
नीरमल ग्यानना कोईवी चार नीरमल सोजेही संसै
लो पूरन ब्रह्म बोलता आही जीनो जाना तीन सेव
कै माना तीनके कालनी कटनाही अवधा आपे
आपु अपन पौ आही बीन समूफे वुडे भव माही
भरमी भमी सम फीरे उदास बीन गुरुज्ञान मे मरे प
न्यास जीवन मूकि भए ते प्रानी हाके सन पूवके
लेषा जेही सुमीरो ते ही प्रगट हेषा देह संजोगे

मूक्ति जो होई ॥ मूरख मूक्ति पूनि पावै सोई ॥ देह संजो
ग मूक्ति न होई ॥ तै नर सब दुख भूगतै सोई ॥ जो पत
मर्म पहरे फासी ॥ मूरख मूक्ति लागी आसा ॥ जैसे ज
न हौन नींद मे सूता ॥ सो पीनै भट [illegible] ध्यास वकृता
नाम जपत नीस बासर रही आ ॥ सूगना पढै खार
वा लइ आ ॥ तोही सूमीरन सरगति आवा ॥ नाह १
सूमीरन काड़ देई पगावा ॥ मन कै गढै नाम आव
धाना ॥ मन को कटा ढकटे मन ज्ञाना ॥ अतीत वे

सेवीबधार मैटेनामसेसूल जसद्रुनदीमरैे
सोगरच्चीछजरीमूल २८ धर्मदासपूछेफाला
सी रसाहचतूमचीन्है हमवके सूभागी प्रगट
पूरुषहेमदरसनपावा थोथासेसऐमैटावा
सदीछोरमैवीनवेंतोही ऋपनीरहनीगाहे
नीकडूमोही कौनचालहैकावेवहारा कैसे
सेवेचरनतुमार कौनभक्तितेतूमकौपावे
कवनधर्मतेहोइनीकाई तूमीरेनध्यानतूम

नहीं रहराना ॥ बहुरी वर्जेतूम ॥ आपु दीनाना ॥ अब
जो कहउ करी एहं म सोई ॥ जो कचूचा लतें सारे
होई ॥ तुम तो सकल सीस्टी के मूला ॥ तुम ही पे मव
जफ लफू ला ॥ मो कहे नीज परतीती तूमारी ॥ सौवु
मत तूम हीन उ वारी ॥ धर्मदास मीनति करे ॥ तूम्हे
सतकवीर ॥ जीवे न मूक्ति चीन्हा ॥ २७ ॥ जम को काग
द कीर ॥ १०७ ॥ सूनी ए धर्मदास चीत लाए ॥ रहनी ग
हनी हम देंउ ॥ अरथाए ॥ आप ॥ सत

रहो सूबवचननाकवहेकहो सोलसतोमगहोम
नमाही दायामोक्रिनोसूनासरचोहो संगोत
साधूसदासूमलोजे साधूकस्मस्तुतिरहमनदो
जे सेवाबेदगोसमतेनोका दयाबोनाज्ञानक
थेसनमोका संगतबीनानाहीसूझपजे प्रेमः
भोक्तबीनज्ञाननाभीजे सोनगहेस्मनदयागह
इ सोतसस्मपनोसबेसूमचहाई जबप्रोहोसा
धूबीनेकोस्नाबे मोलेबोहसोकेहोदयाजुडा

वऊतप्रीतिकरावेहेकेदीजे॥चरनपखारिचरना-
म्रतलीजे॥जीनकेमूषमेग्रमतवानी॥धीरजवत
सीतलसोनानी॥साधीरमैनीपदग्रारथावे॥धोषार
सेसैमीटवहावे॥सव्हेमारहेमहोकेजानो॥वोप
नहारतेग्रवरनग्रानो॥ग्रहोधरमप्रसमोमोक
हेग्रौना॥सोईसतहैमोहीसमाना॥हेमहेसाधूसा
धूहेममाही॥हेमग्रवरसाधूकद्वग्रंतरनाही॥ती
नकेसीतचरनाम्रीतलीजे॥तनमनसीसम्म

रपनकीजे साधूमीलेसाहवमीले स्रंतररहीनारय
मनस्रवाचाकर्मना सोसाहवसाधूएक १२०
हमे कबीरनाकटचीन्हावे वस्तुको मेटे स्रंगाम
स्रगाधि ज्ञानचीन्हेदयावोसता तीनकोकह
एसाधू तौधर्मदास स्रस्तुति स्रवसारी वे मम
तपुर्षवालिजोउतूमारी तूममेरद्दाताटूममेरधनी
तूममेरेसाधूमेतनीजसतनी तूममेरेतीर्थतूममेरे
वा तूममेरेज्ञानध्यानजीजमेवा तूमजागीतमू

रूपपूरना॥तूमसकलसीस्टीकेतारनतरनपू
रनब्रह्मपूरनगोसाई॥सुषनोधामसुषकोनीधि
पाई॥तूमहीजीवअजीवजीआधार॥सेदस्सनतूम
नोसनीहार॥तूमसेरपीरपैनास्हजोगी॥तूमही
समरससमसुषभोगी॥तूमहीआनंदतूमहीधाम
तूमहीघटघटरमीतारांम॥तूमहीएकअनेक
महीअनंत॥तूमहीमहीअकासतूमहीगावता॥त
महीजलमैजलीकेबनायो॥तूम
धौ

तेमहीबीजतेमहीश्रंकूरतेमहीफूलफलसद
हेसूरा तेमहीपाचततगूनतीना रचनहारते
महेमहीहोबीन्हा मनमनतेमसनकबीर न
रदेहीतेमरचासरीर जोजीवतेमकेहनीजूके
हेजाने ननपाएमोछमूक्तिप्रवाना स्वनसेसैमो
हेजीवनाही पाएश्रजरश्रमरकीवाही मकर
सोसंहोगतिचीन्हेव कायावीरकबीर पूरनव्र
सेपू॰ मतिमतिधीर ११२ मै

जोनासेमेरेमनमाता॥करतासतपूरूसपूरीचान
स्रवएकमीनतीसनउहेमारी॥जोचीलेसोहेय
हेमारा॥तनछुटेसोकाहासमाईता॥कोजगहे
हवताई॥

एलीधस्र

समभकनीबागी॥काहा

धमीकाहासमाने॥कोहागएजेवूमनहीजाने

कोहेगएतीर्थनेवासी कोहागएनामनसन्या
सी कोहागएकवीताश्रवदाता कोहेगए
स्रोताश्रवक्कता कोहेगएज्ञानजोगकामा
या जीननीरगुननीरेकारवहगया जाहाले जी
वजमान्हमे नन छुटेकोहाजाए जोहाजाहाए
जातहै सोमोहीदेहूदेखाए १२२ कवीरवाक
धरमदाससूनीएहेकोना ईनन्हपनपवनाम
तनाजोना जाहातेआएतोहानजाना जोगी

सूनसमाधिसमना॥ जोतीजोतिकौउनमनवी॥
चीतनीतजोगाजुक्तिअनराघा॥ तनहूटैतैमए
पतंगा॥ उडीउडीजरैअगनिकेसंगा॥ जोतीजोतिन
राधीअकासकोईचा॥ नेकुतयूनिकरोनेहि १
हा॥ गएअकासधरतनदेही॥ मएतरंगनपूनी
स्नेही॥ पूनहीनजवउनकेनरउ॥ तनकोगोरि
सोवदहीकहेउ॥ जीनजाहिअपअपनपोजा
ना॥ समनबीबिनाहीजोनकोमाने॥ जीनकोकए

मरसेभायी जीव्रमेटिनीरजीव्रकोथापी सतगरु
सेभारवी गोई हीदुत्तूरु कजेहारवदोर जीनका
गर्वभर्मकोफांसी ईनकोवेकानाम्राहिचीरास १
जरमरनमेजूगजूगरही म्रा कावूच्छगीनीमेंफा
रिफीरिफाहाई तेहीकोंघानीनकेचीरसीधार
जीवीनाहीमानेबचेंहमार सब्हेमारचूवकेजा
ना तेनसराग्र म्रवभरवीजानी राजापकानसी
धम्रवजोगी नसराग्रवीनादीस्रोवीरेगो हे

सीरच्याताजमकेफासी॥तातेंनामभरचौरासी॥क
हेकबीरबोचारकैं॥धरमदासलङमानि॥बोधा
जमकौनादुरस्यो॥तेपरेनर्ककीखानि॥२९३॥धनध
नजेकरताजानो॥सबहेमारसनकैमाना॥हेमहै
सबसबहेममाही॥बोलनहारजागतगुरमाही॥
रहनोजूकैभेदकहेंजेहेममतमही॥हेमतेकरता
होसरनाही॥त्योहपुतीतिहीरादसमहेंजोको॥वा

नीराई जीवनजोनिस्रपनपैरहेसमाई दूराधमे
भक्तिनेवासी जैनाहीकाटीधोषाकालकीफास
सतगुरमीतररहेसमाई तनमनसोप्रदानहीला
ई तनमनधनजोनिस्रपनकीना मोकहेजान
चरनचीतदीन्हा स्रहोधरमदासतूममोकहे
जोना तातेधीलिकहोसमझाना तनमनध
नवारेसतको स्रापूस्रपनपौलषेवनाई मो
जीवहीहमनापरे समभोहीमाहेसमाई १४४

तामहजुदेसरसैसैदोषा।ताम्हेपापपुन्यकादष
ताम्हेलोकवेदकीत्रासा।ताम्हेनीरगुनसरग
का[illegible]सा।ताम्हेकुलकीकानीबडाई।स
बसतहेरहेसमाई।आपुआपनपौआपुहि
माना।अवरआसमभकुंगयाना।उलटि
समानाआपुमे।प्रगटीजोतिअनंत।स्वाम
सेवकएकसंगहैऐसादादूसंत।जोजोनर
करमरहे।आमनतहैकोसनाकोदोचीन

कोहूनाही मीतमोलाय़ासोर कवीरजीतूचा
हैमूपको कीहूमातराहेस्त्रास मोहिसरीसेहो
रहेसमेतूमारेयास कवीरस्त्रसोतमूतस्रा
स्त्रसगीगा पीककरेघानूर हेंस्रदतीतवसे
सैनासदाहजूर २२५ धरमदासूसूनोचीतजान
तूमसोकोहूवोनागोएतृहोनो मूक्तिमेदहे
मतमहीचीन्हावा सकलस्त्रस्थरतूमकोवूह
ना एहीसंधिकाजकवीरहेपाना जोपावेसो

हीरदरैसमाहे ।होंन आगीलनीसूनहीसाहे ॥
जीउ लोहि आपू मै आपूसमाना ॥ मोही समहल
भए तेप्रानी जीन आपन पोमोहीयहीचाना ॥ स
हा अंधंद वे सधना होई ॥ चेतन हूं सकहा रे रे
है ॥ चेतन जूगजूग आपूकहा है ॥ सकल सीस्टी
ना आपू मे पाचै ॥ आपू ही पानी आपू ही पौना ॥ आ
पूही अगन तै हुगं दौना ॥ आपू ही प्री थी सो आ
पू अकासा ॥ आपू ही पाचन हू प्रकासा ॥ आ

ॡ ही श्र्यगीतोपूहीपोतो श्र्यपञ्जकृरवोत्रमहोदम १
श्र्यापूहीपेतश्र्यापूहेवोज श्र्यापूहीरजवीजकेस।
ता श्र्यापूहीभोगभूगूतारसपोढ़े श्र्यापेचोन्हेजूप
नूराजीर श्र्यापूहीसब्धश्र्यापूहीनाद श्र्यापूहीप्र
वतश्र्यापूहीस्वाद श्र्यापूहीरजसततमगूलधारि
श्र्यापूहीपोचरगश्र्यनूसारी श्र्यापूहीगाढ़ेश्र्यापूव
जाढ़े श्र्यापूहीनोचेश्र्यापूरीद्दाढ़ै श्र्यापूहीपमी
तश्र्यापूहीज्ञोनो जोडलोटश्र्यपनपोजानो श्र्य।

पूहीनी ऋरै आपूहीदुरा। आपूहीहै सबीजनमूरी
आपूहीरहेना आपूमें। आपूहीदृष्टै आपअवरक
हांतेपाई।१हहेस आपूमें आपू।बीलोस्वसमोज
नजगबीतार।घटहीहनीसीमूरु।बालेगर्भनीक
टनहीआवैनातैपरीगोदुरी।१२४।धरमदासन
वमीनतिलाई।अवमोरेगीहिचरङ्गोसाई।।
वाघोचलीरमोस्मीहमाहा।नारीपूनममंदी
लआहा।वालगोपालकहैदरसनदीजे।सकर

प्रहीश्रागीनापूहीपानी। श्रपञ्चकूरवीजसहीदेम १
श्रापूहीपेतश्रापूहेवीज। श्रापूहीरजवीजकेस।
जा। श्रापूहीभोगभूगूतारसपीड़ै। श्रापेचीन्हेरूप
रूपजीवे। श्रापूहीसञ्चश्रापूहीनाद। श्रापूहीप
वतश्रापूहीस्वाद। श्रापूहीरजसततमगूनधारी
श्रापूहीपावरेगश्रनूसारी। श्रापूहीगाड़ैश्रापूव
जाड़ै। श्रापूहीनाचेश्रापूरीहाड़ै। श्रापूहीपंमी
तश्रापूहीज्ञानी। जोगलटश्रपनपोजानी। श्र।

पूहींनीअरैं आपूहीदुरा। आपूहीहतै सओतनमूरी
आपूहीरहेंना आपूमें। आपूहीदृष्टै आपअवरक
होतेपाई।२हहेंस आपूमें आपू।।कोसजनघोज
तजूगबीता२।घटहीहतीसोमूरू।वालिगअैनीक
टनहीं आवैतातेपरीगोडुरी।२२।धरमदासत
वमीनतिलाई।अवमोरगीहिचरजगोसाई।
वाघोचलीएमोरेषीहमाहा।नारीपूत्रममंदी
लआहा।वालगोपालकहेंदरस कवे

सघा अपनोकरलीजे हेमनतूमकहेनीजूधनपा
या सकलपापहेमहुरीबहावा वेदीहेमनतूममें
करताधनी तूमरीदयासकलवीधिवनी जवमे
नीजूकेचीन्हेतूमही माहासर्वधनहीतुहेमह
तूमतजी अस्तीतकाकीकारी अवनाहीरामक
सकहेमरो हमरेरामकी सहीतूमही जगत्रीव-
नजगतीहरसमही कोईसूनकोईभोरगूनवहरा
वा कोईनीरंजननीरंकारबताया सममेहेमदु

रवहारा।चौदेवाकोफंदमेटारा।जटकीसेव
दुरिवहारा।तुममेरेसाहिदेऊपयाना।कोजाने
सुरनरमुनीदेवा।हेमरेसतकवीरकीसेवा।प्री
थीपतिहेमपाईश्रा।चीन्होसीरीअनीहार।।
अवचलीएमोरेसाहि।धनीवडरहेनहेमार।
१२१।आहअस्तुतिसुनीहरमनभएउ तोष
रूपआपतवधरनु।चलीएधरमदासगोहन्ह।
पनो।मोकहंकोइजानेनहीसपनो। देरवहा

तनवसीमतीयाई चलेतेवाकूगटच्चारए धरमद।
सकेराढ़रमारी नीजूमेदीलमेटेवईमाइ धरमद।
सकीमीनहकराई वीहसीवदनहोएच्चामीनी
च्चाई हरमतमईमूप वचनसूनावा एतेदीव्रस
नूमकोहोलगाव़ा धरमदासकहेसूनोचीतरा
ई सतकवीरमोहीमीलेगोसाई जेहीकारनहे
मदीदालीन्हा जेहीकारनहेमतीरथकीन्ह
च्चाहीनीसच्चानकीएवजतेरा सकलसानके

मरणीमेरा॥ धोषामोरचनीहम चीन्हा॥ मीहेगोर
साईदरसनदीन्हा सकलसीस्टीकेकरता भेनी।
तूमडेचीन्होसनूत्रीमीनी॥ सकलराजजाकोवी
स्तारा॥ सोकरताहमरेपूराधारा॥ पूरजापूरजाजन
रचोसरारा॥ सोहमचीन्हेसतकबीरा॥ जेहोब्रहम
चीलसीबसकरजाय॥ दृतीहेमायाउपजाया॥
सोसाहवहेमरेचलीश्राना॥ श्रहोभागपूरनभई
दाया॥ तूमश्रघरंगीश्रा मीनी॥ माषोवचन

पगुटेकोमतकवीरको लाजकोनीनेवा १९८स
मै श्राहनीहेतुमरेजीव श्रावा सकलसीसुके
साहवपावा हेमकाजानातूमसभजानि तूमको
होसोइपरवाना सभकोईकहेसभकरता नीराक
रहैसोरीजनीहार श्रीकोसेदुरीकावासी सभ
कोईकहेश्रापुन्ह्वीनासी [redacted]रमदासवचन
श्रामीनीमानोवचनहेमार एसभकोकरता
सोरीजनीहार ईनतेश्रलावीसहैसा नीराक

रकीपृथी आसा। कासी मे मोहो मीये गोसांई। इ
नकी गती का होना तुं पाई। समै ईनको चीन्हे क
रआ। एतमत कबीर। बीजञ्च कूरसअरचना। ए
तनररचो सरीरा। समै धर्मदास नी न्हे केक होय।
तत आ मीनी मूरहो सर होया। अभीतकारी
ज तआई। अनजकूं मकरे सोई करीय। गोसा
ई धरमदास बहुते सूधमाना। अमीतदेषी वोह
रद एजू माना। आदी पुर्ष दोत चरी

वृपरीरजसीस चढास्तु वीहसीकवीरस्नमरहरे
सीतलवचनसकह्उजी आर समेधरमदासजं
नटारही आमीपंचारेयाव अचरणपावआगो
हीके हीर्दएकेउगाहीलाव समैनारीपूर्वएक
समनभ्रु हरषीतभएचरनो अंसीतलउ मीज
केचीन्होकरताआही ईननेसाहबदोसरनाह
आहीजानीचरनाअंमीत लीन्हा सकलसीस
पीतप्रगटचीन्हा सतकबीरआहिकरतारा ज

नकोचारोसकलसंसारा। जाकोईन्हा आदिनारी
जीनकेसुतब्रह्मावीस्नतीनीपूरा। पाचतत्तौनिमू
नजामे। समउतपानीमईहेनामे। आदधरमदास
कहेसुनोश्रामीनी। आदिईसरईनकीकामीनी।
ब्रह्मावीस्नमहेसईनकेपूता। आदिनेहरमए
वकृता। आदितीनोसुतभरमाया। ईनेहेमोटको
धोषदीहाए। समजोगए साहव। रुसमवरमेंया
ना। वीजसरूपीईन्हाचारा। कोईस्वको

नेना सभै धरमदास स्वामीनी समूक्तवा सकल भे
को अ समथ वतावे बोलवे हैलकबीरगोसाई दर्वे
दीस्टी स्वामीनी का स्वाई चेनाम्रीत चीन्हीके सी
न्हो सकलभभभेहोडीकेदीन्हा पूननराएनकर
गहीले स्वाई ईनकेप्रीतिसोसासनवाई स्वतिम
न्हेद स्वामीनीकिहोई भएउ स्वामीनीधरमदार
समेचखीस्एउ चीजिवनार स्वनूपरसोई सा सम
रहीत स्वमीतमोई वहुतहेतसेपाकसंवार
जंव

कोदसतिमपरोपनवार॥ सौगंमसनयीकादेधरी
या॥ श्रीमीतजनकारी लेमरीया॥ श्रीरघवीरा
जे षथमगोसाईं॥ परोसत श्रो सीनी श्रीतिस
षपाई॥ षामदीरघरोसत श्रोंनी॥ धर्मदासपू
नी श्रवीतगंनी॥ समै हेमकारनायो थीयते
जेयोंदीनदयाल॥ धोसेपूजेंगपाथरा॥ सोका
टेजमकेजाल॥ सोजनजैरनलीरमनाभ
ये॥ माहाप्रसादधरमदासकैहीरुत॥ सैपांची

॥ कपरज्ञानीवैरा वीरज्ञानफूलतेज्ञार नारी
पुरुषमीलीपचामोहार हनहननेहधनीसो
जोरे प्रेमभक्तिवऊतेचीतदीना दीएकरजोरी
मीततीकीन्हा समे[illegible]कसब्दकेपटउतरदेवे
केकीहूनाहि कालेगूरुसमोधीए हउसराह।
मनमोह कहेकबीरधरमदाससो वूमसद्दा
रहोनीसक जनमेनीकिजनाया सोईभएनीह।
लका कवीरधनदीपोन्हव मनदीपो संउप।

मकलसरीर अबदेवेमकारहा. औसोकथीकहे
कबीर कबीरनीह्वेकेजकजानीए तबकहवे
केकहजाही मनसावाचाकर्मना हमहेतुमह१
माहे तनमनधनसमीरनपनदीजे सीरकेसाहे
साहेबलीजे सतरीपीकेप्रेमवडाई सदचीन्हीके
करीकमाई पुलीदीस्टीजबसाहब्याया तौच
होएमावुमक्तीअबदाया
वानी कृपाप्रेमकवडनामाने

श्रीहीकाहाँदे सब्दचीन्हेवीनूजमपूरवाँ
कूटेकीसगातिनाहीकीजे कूवीकथनीदुरीवहाइ
थोथाकारनकस्टकीन्हा थोथाकारनमरएश्रध
ना समैकवीर भक्तिभक्तिसकोउकहै ममवि
नाश्राईकाज जोहाकोकीननरोसानोहाकाश्र
ईगाज कहैकवीरनीजनीरखीकै करेमनगति
श्रनभावा सोमोहीमाहेसमाहीगे श्रटखद
सुखपाए इतीगोस्टिकवीरधरमदासके कारी

वेविवेकीन्हा फेरि आपानमोसाकोपगुभारेन
जाहाजगतनाथकोचीन्ह सपूरनसूघनीधान
कबीरधरमदासकीगोस्टी सपूरन समाप्त श्री
वेषवदीनौऽमी रोजबुधकेदीनासमतद्वारी२ च्च
गनारेवाडी तपाजग्यथल मौजेबीलुपटी मे
भगोसाईरूपदासजीके समतअगास्ते लीखात
वे जीपलसेवकभगतके सुमनोटेन [illegible]
सागर अष्टोबक्र तीनोकेएकग्रंथ